भारत 2023 INDIA

वसुधैव कुटुम्बकम्

ONE EARTH • ONE FAMILY • ONE FUTURE

सत्यमेव जयते

रक्षा मंत्रालय

भारत सरकार

आज़ादी का अमृत महोत्सव

वार्षिक रिपोर्ट 2022-23

R11
NAVY

रक्षा मंत्रालय
वार्षिक रिपोर्ट
2022-23

विषय सूची

पेज नं.

रक्षा मंत्रालय के विभाग और संगठन 2

रक्षा विभाग. 5

राष्ट्रीय समारोह 6

राष्ट्रीय कैडेट कोर 27

सीमा सड़क संगठन 34

रक्षा लेखा महानियंत्रक. 36

भारतीय तटरक्षक 37

सशस्त्र सेना चिकित्सा सेवा (एएफएमएस) 41

रक्षा विभाग के अन्य संगठन. 46

विदेशों के साथ रक्षा सहयोग 53

रक्षा उत्पादन विभाग 63

रक्षा उत्पादन विभाग 64

सैन्य कार्य विभाग. 72

भारतीय सेना 73

भारतीय नौसेना. 84

भारतीय वायु सेना. 92

एकीकृत रक्षा स्टाफ मुख्यालय (एचक्यूआईडीएस) 96

रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन. 105

भूतपूर्व सैनिकों का पुनर्वास और कल्याण 131

महिलाओं का सशक्तिकरण और कल्याण. 139

रक्षा मंत्रालय
MINISTRY OF
DEFENCE

रक्षा मंत्रालय के विभाग और संगठन

रक्षा मंत्रालय

स्वतंत्रता के बाद, रक्षा मंत्रालय एक कैबिनेट मंत्री के प्रभार में बनाया गया था और प्रत्येक सेना को अपने स्वयं के कमांडर–इन–चीफ के अधीन रखा गया था। वर्ष 1955 में, कमांडर–इन–चीफ का नाम बदलकर थल सेनाध्यक्ष, नौसेनाध्यक्ष और वायुसेनाध्यक्ष कर दिया गया। नवंबर 1962 में, रक्षा उपकरणों के अनुसंधान, विकास और उत्पादन से संबंधित कार्यों के लिए रक्षा उत्पादन विभाग की स्थापना की गई थी।

नवंबर, 1965 में, रक्षा आवश्यकताओं के आयात प्रतिस्थापन के लिए योजनाओं के नियोजन और निष्पादन के लिए रक्षा आपूर्ति विभाग बनाया गया था। इन दोनों विभागों को बाद में रक्षा उत्पादन और आपूर्ति विभाग बनाने के लिए विलय कर दिया गया था। वर्ष 2004 में, रक्षा उत्पादन और आपूर्ति विभाग का नाम बदलकर रक्षा उत्पादन विभाग कर दिया गया।

वर्ष 1980 में, रक्षा अनुसंधान और विकास विभाग बनाया गया था। वर्ष 2019 में, संसाधनों के इष्टतम उपयोग को सुविधाजनक बनाने और तीनों सेनाओं के बीच संयुक्तता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सैन्य कार्य विभाग नामक एक नया विभाग बनाया गया था।

भारत के रक्षा मंत्री जी रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के प्रमुख होते हैं जो भारत की रक्षा और आन्तरिक सुरक्षा की देखरेख करते हैं। इसके अतिरिक्त रक्षा मंत्री रक्षा अध्ययन एवं विश्लेषण संस्थान के अध्यक्ष के रूप में और रक्षा उन्नत प्रौद्योगिकी संस्थान और राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में कार्य करते हैं। रक्षा मंत्री की सहायता रक्षा राज्य मंत्री द्वारा की जाती है। रक्षा सचिव रक्षा विभाग के प्रमुख के रूप में कार्य करते हैं और अतिरिक्त रूप से मंत्रालय में पांच विभागों की गतिविधियों के समन्वय हेतु जिम्मेदार होते हैं।

मंत्रालय के विभाग

मंत्रालय के विभाग

(I) **रक्षा सचिव की अध्यक्षता में रक्षा विभाग (डीओडी)** रक्षा बजट, स्थापना मामलों, रक्षा नीति, संसद से संबंधित मामलों, विदेशों के साथ रक्षा सहयोग और सभी रक्षा संबंधी गतिविधियों के समन्वय से संबंधित कार्य करता है।

रक्षा विभाग

सीमा सड़क संगठन	राष्ट्रीय कैडेट कोरस	सशस्त्र सेना चिकित्सा कालेज	भारतीय तटरक्षक
रक्षा संपदा महानिदेशालय	रक्षा अध्ययन और विश्लेषण संस्थान	सैन्य अभियान्त्रिक सेवाएं	सेना खेलकूद नियंत्रण बोर्ड
राष्ट्रीय रक्षा कालेज	विदेशी भाषा स्कूल	रक्षा प्रबंधन कालेज	रक्षा लेखा महानियंत्रक
	सशस्त्र सेना अधिकरण	रक्षा सेना स्टाफ कालेज	

रक्षा विभाग के संगठन

(ii) **रक्षा उत्पादन विभाग** के प्रमुख सचिव होते हैं और यह विभाग रक्षा हेतु अपेक्षित हथियारों/प्रणालियों/प्लेटफार्मों/उपकरणों को उपलब्ध कराने हेतु एक व्यापक उत्पादन अवसंरचना विकसित करने में शामिल है। वर्षों से, इस विभाग ने डीपीएसयू के जरिए विभिन्न रक्षा उपकरणों के लिए व्यापक उत्पादन सुविधाएं स्थापित की हैं और साथ ही निजी उद्योग को भी सुकर बनाया है।

रक्षा उत्पादन विभाग

डीपीएसयू

- हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल)
- भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल)
- भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड (बीईएमएल)
- भारत डायनामिक्स लिमिटेड (बीडीएल)
- गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एण्ड इंजीनियर्स लिमिटेड (जीआरएसई)
- गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (जीएसएल)
- हिन्दुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड (एचएसएल)
- मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल)
- मिश्र /धातु निगम लिमिटेड (मिधानी)
- म्यूनिशंस इंडिया लिमिटेड (एमआईएल)
- आर्मर्ड व्हीकल्स निगम लिमिटेड (एवीएनएल)
- एडवान्स्ड वेपन्स एण्ड इक्विपमेंट (एडवल्यूईआईएल)
- ट्रूप कम्फर्ट्स लिमिटेड (टीसीएल)
- यंत्र इंडिया लिमिटेड (वाईआईएल)
- इंडिया ऑप्टेल लिमिटेड (आईओएल)
- ग्लाइडर्स इंडिया लिमिटेड (जीआईएल)

अन्य संगठन

- गुणवत्ता आश्वासन महानिदेशालय (डीजीक्यूए)
- वैमानिक गुणवत्ता आश्वासन महानिदेशालय (डीजीक्यूए)
- मानकीकरण निदेशालय (डीओएस)
- नियोजन एवं समन्वय निदेशालय (पी एण्ड सी निदेशालय)
- रक्षा प्रदर्शनी संगठन (डीईओ)
- आयुध निदेशालय (समन्वय एवं सेवाएं)

रक्षा उत्पादन विभाग के संगठन

(iv) **सैन्य कार्य विभाग (डीएमए)** के अध्यक्ष चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ इसके सचिव होते हैं जो अधिप्राप्ति, प्रशिक्षण और सेनाओं के लिए स्टाफिंग में संयुक्तता को बढ़ावा देने से संबंधित कार्यों को देखते हैं। संसाधनों के इष्टतम उपयोग और स्वदेशी उपकरणों के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए सैन्य कमान के पुनर्गठन की सुविधा भी इस विभाग का अधिदेश है।

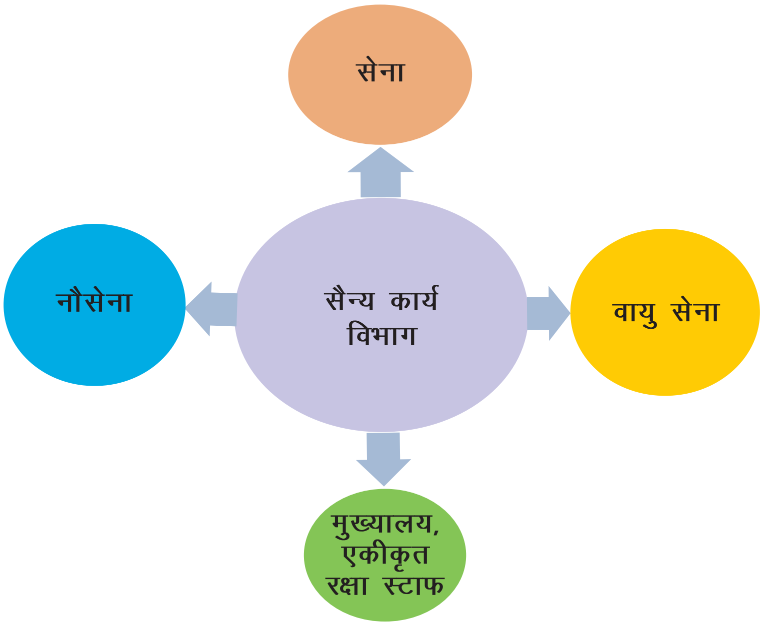

(iv) **रक्षा अनुसंधान और विकास विभाग (डीआरडीओ)** का प्रमुख सचिव (डीडी आर एंडडी) और चेयरमैन, डीआरडीओ होते हैं और ये सेनाओं के लिए आवश्यक उपकरणों के सभी अनुसंधान, डिजाइन और विकास के लिए जिम्मेदार होते हैं।

डीआरडीओ में 60 प्रयोगशालाएं/यूनिट शामिल हैं

(v) **भूतपूर्व सैनिक कल्याण विभाग (डीईएसडब्ल्यू)** के प्रमुख सचिव होते हैं और ये भूतपूर्व सैनिकों के सभी पुनर्वास, कल्याण और पेंशन संबंधी मामलों को देखते हैं।

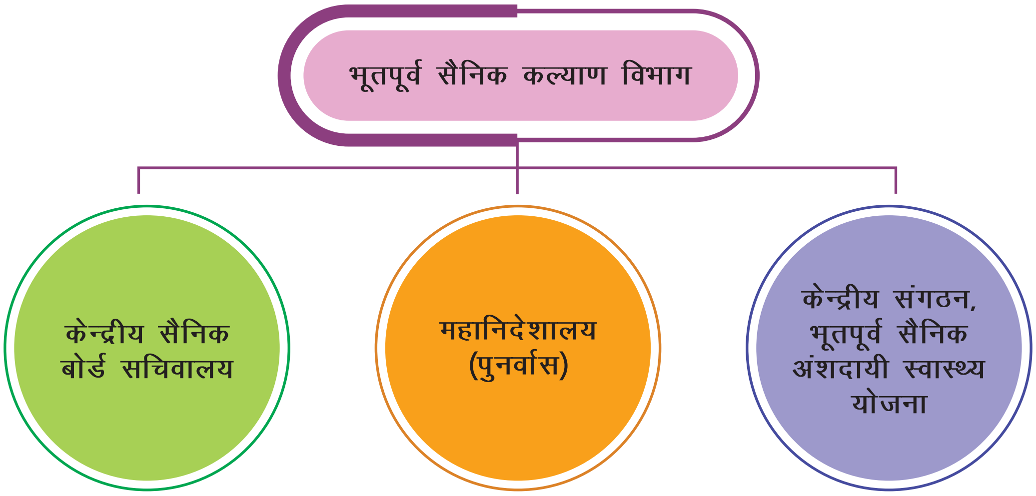

भूतपूर्व सैनिक कल्याण विभाग के संगठन

रक्षा विभाग

सत्यमेव जयते
रक्षा मंत्रालय
MINISTRY OF
DEFENCE

राष्ट्रीय समारोह

वर्ष 2022–23 के दौरान आयोजित समारोह कार्यक्रम का विवरण निम्नलिखित पैराग्राफों में किया गया है :–

क. स्वतंत्रता दिवस समारोह–2022

- स्वतंत्रता दिवस समारोह की शुरुआत लाल किले पर एनसीसी कैडेटों द्वारा देशभक्ति के गीत गाकर हुई। तीनों सेनाओं और दिल्ली पुलिस ने प्रधानमंत्री को गार्ड ऑफ ऑनर दिया। इसके बाद, प्रधानमंत्री ने लाल किले की प्राचीर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया, जिसके साथ सेना बैंड ने राष्ट्रगान बजाया। इस अवसर पर इक्कीस तोपों की सलामी दी गई। लाल किले पर स्वतंत्रता दिवस ध्वजारोहण समारोह–2022 के दौरान 21 तोपों की सलामी हेतु परम्परागत गन प्रणाली के साथ स्वदेशी रूप से विकसित उन्नत टोड आर्टिलरी गन सिस्टम का प्रयोग किया गया था। यह गन प्रणाली डीआरडीओ द्वारा डिजाइन और विकसित की गई है।

प्रधानमंत्री जी 15 अगस्त, 2022 को दिल्ली में 76 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले की प्राचीर से तिरंगा झण्डा फहराते हुए

- प्रधानमंत्री के राष्ट्र को संबोधन के पश्चात समारोह का समापन एनसीसी कैडेटों द्वारा गुब्बारे छोड़ने के क्रम में राष्ट्रगान गायन के साथ हुआ।

- स्वतंत्रता दिवस, 2022 की पूर्व संध्या पर निम्नलिखित वीरता पुरस्कार घोषित किए गए:

	कीर्ति चक्र	शौर्य चक्र	सेना मेडल (जी) (सेना मेडल के बार सहित)	नौसेना मेडल (जी)	वायु सेना मेडल (जी)
कुल पुरस्कार (मरणोपरांत मामले सहित)	03	13	83	01	07
मरणोपरांत मामले	02	02	05	--	--

आईडीसी–2022 के दौरान निम्नलिखित नवीन संघटकों को शामिल किया गया था:–

यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम (वाईईपी)

- एनसीसी द्वारा दिनांक 9–17 अगस्त, 2022 के दौरान विशेष यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम (वाईईपी) का आयोजन किया गया था जिसमें 14 विभिन्न देशों अर्थात् मारीशस, अर्जेन्टीना, सेशेल्स, यूएई, मोजाम्बिक, फिजी, यूएसए, यूके, इण्डोनेशिया, मालदीव, नाइजीरिया, किर्गिस्तान गणराज्य, ब्राजील और उज्बेकिस्तान से लगभग 127 कैडेटों/युवाओं को लाल किला में स्वतंत्रता दिवस ध्वजारोहण समारोह–2022 का साक्षी बनने हेतु आमंत्रित किया गया था। लाल किले की प्राचीर के नीचे माधवदास पार्क में इन कैडेटों के बैठने के लिए एक अलग अहाते की व्यवस्था की गई थी।

लाल किला प्राचीर कथ्यपरक अलंकरण

- स्वतंत्रता दिवस के दौरान लाल किला स्मारक की आभा को बढ़ाने हेतु लाल किले की प्राचीर की सम्मुख दीवार पर विशाल भित्ति चित्र संस्थापित किया गया।
- लाल किले की सामने वाली दीवार पर भारत के विभिन्न राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों से प्रमुख स्वतंत्रता सेनानियों का विशाल भित्ति अलंकरण लगाया गया था।
- इन भित्ति अलंकरणों में स्वतंत्रता सेनानियों को उनके फोटोग्राफों एवं संबंधित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र (जिससे वे संबंध रखते हैं) के विवरण के साथ, उनके राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों से संबंधित प्रमुख स्मारक/स्थान/प्रतीक दर्शाए गए थे।

अन्य अलंकरण

- ज्ञानपथ पर एनसीसी कैडेटों के पीछे कंटेनर आर्ट लगाया गया।
- आईडीसी, 2022 के दौरान लाल किले की कथ्यपरक सुंदरता को बढ़ाने हेतु लाल किले के लाहौरी गेट एवं खाई क्षेत्र में पांच हाथी आकृतियां को दर्शाया गया था।
- दर्शकों के लिए विभिन्न स्थानों पर सेल्फी प्वाइंट्स के रूप में विभिन्न इन्स्टालेशन्स तैयार किए थे।
- लाल किले के अंदर स्थित मीना बाजार क्षेत्र को नक्काशी चित्रकला के साथ अलंकृत किया गया था।
- स्वतंत्रता दिवस ध्वजारोहण समारोह, 2022 के लिए लाल किले एवं प्रधानमंत्री रूट की लगभग 01 कि.मी. परिधि में स्थित स्ट्रीट लाइट पोल्स पर राष्ट्रीय ध्वज लगाया गया था।

ख. रक्षा अलंकरण समारोह

रक्षा आमंत्रण समारोह, 2022 दो चरणों में अर्थात् क्रमशः पहला दिनांक 10.05.22 एवं दूसरा दिनांक 31.05.2022 को राष्ट्रपति सचिवालय के सहयोग से राष्ट्रपति भवन में आयोजित किया गया।

ग. विजय दिवस

विजय दिवस दिनांक 16 दिसंबर, 2022 को मनाया गया। इस अवसर पर, माननीय रक्षा मंत्री ने इंडिया गेट पर राष्ट्रीय समर स्मारक पर माल्यार्पण किया।

आजादी का अमृत महोत्सव के तहत विजय पर्व, 1971 युद्ध के 50 शानदार वर्ष, स्वर्णिम विजय वर्ष

घ. गणतंत्र दिवस परेड, 2023

- प्रधानमंत्री जी ने 26 जनवरी, 2023 को राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की। राष्ट्र की सत्यनिष्ठा से रक्षा करते हुए जिन्होंने बलिदान दिया, उनके लिए श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए दो मिनट का मौन रखा गया।
- मिस्त्र के अरब गणराज्य के राष्ट्रपति एच.ई. श्री एबडेल फतेह अल सीसी दिनांक 26.01.2023 के मुख्य अतिथि थे। गणतंत्र दिवस, परेड 2023 में सैनिक दस्ता के साथ–साथ मुख्य अतिथि के देश के बैंड ने भी भाग लिया।
- गणतंत्र दिवस परेड की शुरूआत चार हेलिकॉप्टरों से हुई जिन्होंने राष्ट्रीय ध्वज और सेवाओं के ध्वज के साथ पुष्प वर्षा की। जीओसी दिल्ली क्षेत्र द्वारा परेड प्रारंभ हुई और निम्नलिखित संघटक इस प्रकार सम्मिलित है :–
    - मिस्त्र के बैंड (मुख्य अतिथि का देश) के साथ सैनिक दस्ता
    - माउंटेड घुड़सवार सैन्यदल
    - यंत्रचालित सैन्यदल
    - सैनिक दस्ते और तीनों सेवाओं के बैंड, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल, दिल्ली पुलिस, एनसीसी, एनएसएस आदि।
    - प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार विजेता।
    - डीआरडीओ की झांकी और 01 उपकरण, विभिन्न राज्यों/केन्द्र शासित राज्यों और केन्द्रीय मंत्रालय/विभागों से 23 झांकियां।
    - ''वंदे भारतम 2.0'' नृत्य प्रतियोगिता द्वारा चयनित कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक प्रदर्शन।
    - मोटर साइकिल प्रदर्शन, फ्लाई पास्ट और रबड के गुब्बारे उड़ाना।

गणतंत्र दिवस समारोह 2023 पर प्रशिक्षित व्यवसायिक डेयर डेविल स्टंट करते हुए

गणतंत्र दिवस 2023 पर निम्नलिखित शौर्य और विशिष्ट सेवा पुरस्कारों की घोषणाः–

शौर्य पुरस्कार

कीर्ति चक्र
कुल पुरस्कार – 06
(मरणोपरांत मामले सहित)
मरणोपरांत मामले – 04

शौर्य चक्र
कुल पुरस्कार – 15
(मरणोपरांत मामले सहित)
मरणोपरांत मामले – 02

सेना मेडल/नौसेना मेडल/वायुसेना मेडल (शौर्य)(बार सहित)
कुल पुरस्कार – 101
(मरणोपरांत मामले सहित)
मरणोपरांत मामले – 05

विशिष्ट पुरस्कार

परम विशिष्ट सेवा मेडल
कुल पुरस्कार – 29
(मरणोपरांत मामले सहित)
मरणोपरांत मामले – 0

उत्तम युद्ध सेवा मेडल
कुल पुरस्कार – 03
(मरणोपरांत मामले सहित)
मरणोपरांत मामले – 00

अति विशिष्ट सेवा मेडल
कुल पुरस्कार – 53
(मरणोपरांत मामले सहित)
मरणोपरांत मामले – 0

युद्ध सेवा मेडल
कुल पुरस्कार – 10
(मरणोपरांत मामले सहित)
मरणोपरांत मामले – 0

सेना मेडल/नौसेना मेडल/वायुसेना मेडल (शौर्य)(बार सहित)
कुल पुरस्कार – 67
(मरणोपरांत मामले सहित)
मरणोपरांत मामले – 05

विशिष्ट सेवा मेडल (बार सहित)
कुल पुरस्कार – 128
(मरणोपरांत मामले सहित)
मरणोपरांत मामले – 0

ङ आरडीसी–2023 के दौरान किए गए अतिरिक्त/नए कार्यकलाप

(I) निम्नलिखित वर्ग के आमंत्रित विशेष अतिथि आरडीसी–2023 के साक्षी रहेः–

क्र.सं.	वर्ग	संख्या
	गणतंत्र दिवस परेड	
1.	स्कूल बैंड प्रतियोगिता फाइनालिस्ट (8 टीम)	125
2.	सब्जीवाले, दुग्ध बूथ कर्मचारी, छोटे किराना दुकानदार, रिक्शा चालक	500
3.	सेंट्रल विस्टा और नए संसद भवन के श्रमयोगी, कर्तव्यपथ के रखरखाव कर्मचारी	522
4.	दिव्यांगजन	100
5.	वीरगाथा विजेता	75 (25 बच्चे + 25 माता–पिता + 25 अधिकारी)
6.	मिस्त्र प्रतिनिधिमंडल	48
7.	जापान प्रतिनिधिमंडल	04 + 05 भारतीय अधिकारी
8.	जनजाति अतिथि	लगभग 120

क्र.सं.	वर्ग	संख्या
9.	युवा ग्लोबल पुलिस लीडर कार्यक्रम (वाईजीपीएलपी) और इंटरपोल के प्रतिभागी	75
10.	दिल्ली सरकार से स्कूली बच्चे	200
11.	शिक्षा मंत्रालय से स्कूली बच्चे	200
12.	एनएसएस	200
13.	वाईईपी और एनसीसी कैडेट	400 (200+200)
14.	आरआईएमसी से विद्यार्थी	30
	बीटिंग रिट्रीट समारोह	
15.	परीक्षा पे चर्चा के विद्यार्थी	200

(ii) **सेना टैटू और जनजातीय नृत्य उत्सवः** नेताजी सुभाष चन्द्र बोस (पराक्रम दिवस के रूप में मनाया) की 126 वीं जयंती पर सेना टैटू और जनजातीय नृत्य उत्सव दिनांक 23 और 24 जनवरी, 2023 को नई दिल्ली के जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में 'आदि–शौर्य–पर्व पराक्रम का' आयोजन किया गया।

(iii) **वंदे भारतम 2.0 :** वंदे भारतम नृत्य प्रतियोगिता के द्वितीय संस्करण को आरडीसी 2023 के भाग के रूप में आयोजित किया गया।

गणतंत्र दिवस 2023 के दौरान कर्तव्य पथ पर वंदे भारत पैन इंडिया कंटेस्ट में प्रस्तुति देते हुए नर्तक

(iv) **ई–आमंत्रण:** भारत सरकार ने ई–गर्वनेंस के तहत, इस साल एक ऑनलाइन इनविटेशन मैनेजमेंट पोर्टल शुरू किया जिससे गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान विभिन्न मंत्रालयों/विभागों के अधिकारियों एवं अन्य उच्च अधिकारियों एवं आम जनता के लिए ऑनलाइन टिकट जारी किया गया था। यह पोर्टल फिजिकल पास और टिकट जारी करने की आवश्यकता को समाप्त करता है और आम जनता और अधिकारियों को परेशानी मुक्त सेवाएं प्रदान करता है।

(v) **वीर गाथा 2.0:** शौर्य पुरस्कार के लिए विद्यार्थियों (कक्षा 3 से 12 तक) ने कविता, निबंध, पेंटिंग, मल्टीमीडिया प्रेजेंटेशन आदि के रूप में अपनी प्रविष्टियां प्रस्तुत की। पूरे देश से लगभग 19 लाख से अधिक प्रविष्टियां प्राप्त हुई जिसमें से 25 विजेताओं का चयन किया गया। उन्हें माननीय रक्षा मंत्री द्वारा दिनांक 25 जनवरी को नई दिल्ली के समारोह में सम्मानित किया गया।

दिनांक 12 अगस्त, 2022 को नई दिल्ली में अपने सम्मान समारोह के दौरान वीर गाथा के 25 विजेता

(च) बीटिंग द रिट्रीट समारोह, 2023

- 'बीटिंग रिट्रीट एक सदियों पुरानी सैन्य परंपरा है जिसका अभ्यास सैन्य बलों द्वारा सूर्यास्त के समय युद्ध से अलग होने के समय किया जाता है। बीटिंग द रिट्रीट गणतंत्र दिवस समारोह में भाग लेने के लिए दिल्ली में एकत्रित सैनिकों की रवानगी को दर्शाता है। यह समारोह दिनांक 29 जनवरी, 2023 को विजय चौक पर आयोजित किया गया था जिसमें गणतंत्र दिवस उत्सव का समापन कर दिया।

2023 में भारी वर्षा के बीच बीटिंग द रिट्रीट समारोह

(छ) शहीद दिवस समारोह 2023

- दिनांक 30 जनवरी, 2023 को राष्ट्रपति ने राजघाट पर महात्मा गांधी की समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित की। उप राष्ट्रपति, रक्षा मंत्री और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी पुष्पांजलि अर्पित की। इसके बाद भारत के स्वतंत्रता संग्राम में अपने प्राणों का बलिदान देने वाले वीरों/लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए 1100 बजे दो मिनट का मौन रखा गया।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी दिनांक 30 जनवरी, 2023 को नई दिल्ली में शहीद दिवस के अवसर पर गांधी जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए।

दिनांक 30 जनवरी, 2023 को नई दिल्ली में शहीद दिवस के अवसर पर केंद्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह गांधी स्मृति पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए।

(ज) आजादी का अमृत महोत्सव

1. रक्षा मंत्रालय द्वारा आयोजित कार्यकलाप / कार्यक्रम

रक्षा मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले सभी विभागों और संगठनों ने मार्च, 2021 से विभिन्न कार्यक्रमों की योजना बनाई है और उन्हें आयोजित किया है, चाहे वह सशस्त्र सैन्य बल हों या संगठन जैसे कि राष्ट्रीय कैडेट कोर, सीमा सड़क संगठन, रक्षा अनुसंधान तथा विकास संगठन, छावनी बोर्ड, रक्षा पीएसयू आदि हों, अमृत महोत्सव विषय के साथ–साथ अन्य कार्यक्रमों का महीने–वार कैलेंडर बनाया गया है।

'आजादी का अमृत महोत्सव' विषय पर ड्रोन द्वारा ली गई तस्वीर

मंत्रालय के सभी विंगों में कार्यक्रमों का कैलेंडर अगस्त, 2023 तक तैयार किया जा चुका है। कुछ महत्वपूर्ण कार्यक्रम जो अभी तक आयोजित किए गए हैं :

- **चिल्लई कलन त्योहार**

चिल्लई कलन त्योहार जिसको 'त्योहारों का त्योहार' कहा जाता है, शोपियन जिले के स्थानीय लोगों ने भारतीय सेना और विभिन्न सरकारी विभागों के सहयोग से आयोजित किया। दो दिनों के लिए (10 और 11 दिसंबर) बटपोरा स्टेडियम में वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम में शोपियन जिले ने समृद्ध और लोक नृत्य, पारंपरिक संगीत, स्थानीय भोजन, हस्तशिल्प, कला कार्यशालाओं आदि के माध्यम से समृद्ध और वैविध्य पूर्ण कश्मीरी संस्कृति का प्रदर्शन किया। सरकारी विभाग (पर्यटन, कृषि, बागवानी, सामाजिक सशक्तिकरण, नगर पालिका, शिक्षा और पीडब्ल्यूडी) के साथ–साथ 3000 नागरिकों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

- **भारतीय नौसेना द्वारा बैंड संगीत समारोह**

नौसेना सप्ताह कार्यकलापों और 'आजादी का अमृत महोत्सव' मनाने के लिए वर्ष 2022 में असंख्य नौसैनिक प्रक्रियाओं को दर्शाता हुआ एक ऑपरेशन डिमॉस्ट्रेशन दिनांक 4 दिसंबर, 2022 को आयोजित किया गया था। दक्षिणी नौसैनिक कमान बैंड ने ओपी डेमो के पहले कार्यक्रम में अपने गुंजायमान स्वर और संगीत से भीड़ को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस कार्यक्रम में कुल 26 प्रस्तुतकर्ताओं ने भाग लिया।

- **अखिल भारतीय वायुसेना में आजादी की दौड़/एकता दौड़ का आयोजन किया गया**

'आजादी का अमृत महोत्सव' के एक भाग के रूप में, अक्तूबर, 2022 के महीने में अखिल भारतीय वायुसेना ने 'आजादी की दौड़/एकता दौड़' की जिम्मेदारी ली थी। इस एकता दौड़ में पूरे देश के कुल 66,045 प्रतिभागियों (वायु सैनिक/एनसीई/डीएससी/परिवार सहित) ने भाग लिया। अखिल भारतीय वायुसेना में कुल 1.87 लाख किलोमीटर की दूरी सभी प्रतिभागियों ने पूरी की जो अपने आप में एक अद्भुत कार्यक्रम रहा।

- **एक भारत श्रेष्ठ भारत**

अखिल भारतीय वायु सेना ने एकीकृत भारत अद्वितीय भारत (एक भारत श्रेष्ठ भारत) की सितंबर, 2022 के महीने में जिम्मेदारी वहन की थी। वायु सेना विद्यालयों के विद्यार्थियों ने शहरी विद्यालयों के साथ गूगल मीट मच में भाग लिया। विभिन्न कार्यकलापों जैसे विचार–विमर्श सत्र, भाषण, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक परंपरा पर प्रस्तुतीकरण, लोक नृत्य कार्यक्रम, एएफडब्ल्यूडब्ल्यूए संगिनियों और स्कूली बच्चों को राज्यों की पारंपरिक वेशभूषा के प्रदर्शन आयोजित किए गए। सैनिक स्कूलों और राष्ट्रीय कैडेट कोर द्वारा राष्ट्रीय एकीकरण पर केंद्रीकरण समाधान के लिए अंतर्राज्यीय विद्यार्थी / कैडेट विचार–विमर्शों की पहल शुरू की।

- **जन भागीदारी**

राष्ट्रीय कैडेट कोर द्वारा 'पुनीत सागर अभियान' और तटरक्षक बल द्वारा मछुआरों के साथ विचार–विमर्श कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला सैनिक बोर्डों द्वारा पूर्व सैनिकों और भूतपूर्व सैनिकों के लिए जन संवाद उत्सव आयोजित किया गया। विशेष रूप से पुनीत सागर अभियान के माध्यम से, लगभग 90 लाख लोगों की भागीदारी रही और कुल 18.5 लाख टन कचरा एकत्रित किया गया और 9 टन पुर्नचक्रित किया गया।

- **भारतीय नौसेना द्वारा जहाजों की दीपसज्जा**

दिनांक 15 अगस्त, 2022 की संध्या को, फ्लैग प्वाइंट के समीप लंगर में खड़े जहाजों की दीपसज्जा की गई। इस कार्यक्रम में नौसैनिक घटक, भारतीय तटरक्षक बल, समुद्री पुलिस और डीएसएस ने भाग लिया। अधिकारी और नागरिक एनएससीबी टापू और बैंड प्रदर्शन पर जहाजों से आतिशबाजी की रोशनी, दीपसज्जा समारोह, आतिशबाजी के साक्षी बने।

- **फिट इंडिया' अभियान की जागरूकता के लिए वाकाथन का आयोजन**

पोर्टब्लेयर क्षेत्र में वाकाथन आयोजित की गई। लगभग 80 भारतीय तटरक्षक कार्मिकों और 02 स्कूलों के बच्चों ने इसमें भाग लिया और 'फिट इंडिया अभियान' विषय पर स्वस्थ और स्वच्छ जीवन के महत्व का संदेश दिया।

पोर्ट ब्लेयर में एकेएएम द्वारा वाकाथन आयोजित की गई। यह कार्यक्रम की आईजी डी–राजापुत्रा, टीएम सीओएमसीजी (अंडमान और निकोबार), पोर्ट ब्लेयर द्वारा की गई। राजस्व विभाग, वन विभाग और समुद्री पुलिस बल के कार्मिकों ने इन कार्यक्रमों में भाग लिया। कार्यक्रमों के दौरान, दैनिक जीवन में फिटनेस और स्वास्थ्य के महत्व को बैनर और विज्ञापन चित्रण द्वारा दर्शाया।

- जीआरएसई ने एकेएएम मेगा शो 2022 में भाग लिया। प्रदर्शनी के माध्यम से 'आजादी के पश्चात राष्ट्र निर्माण में सीपीएसई की भागीदारी' के लिए लोक उद्यम विभाग (डीपीई) द्वारा गुजरात के गांधीनगर में 'राष्ट्र निर्माण और सीबीएसई का आयोजन किया गया।

एकेएएम मेगा शो प्रदर्शनी–दिनांक 6 से 12 जून, 2022 राष्ट्र निर्माण और सीपीएसई

- **विश्व युद्ध II बंकर का ऐतिहासिक संग्रहालय में परिवर्तनः** आजादी का अमृत महोत्सव समारोह के रूप में, विश्व युद्ध II का एक बंकर शिपयार्ड के अंदर स्थित था जिसको ऐतिहासिक संग्रहालय में परिवर्तित किया और दिनांक 12 अगस्त, 2022 को उद्घाटन किया गया।

एचएसएल में विश्व युद्ध II बंकर को ऐतिहासिक संग्रहालय में बदला गया

- भारतीय स्वतंत्रता के 75 वर्षों को स्मणोत्सव मनाने और राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए एकेएएम समारोह के भाग के रूप में छः महाद्वीपों के सात विदेशी पत्तनों पर आठ भारतीय नौसेना जहाज तैनात किए गए थे।

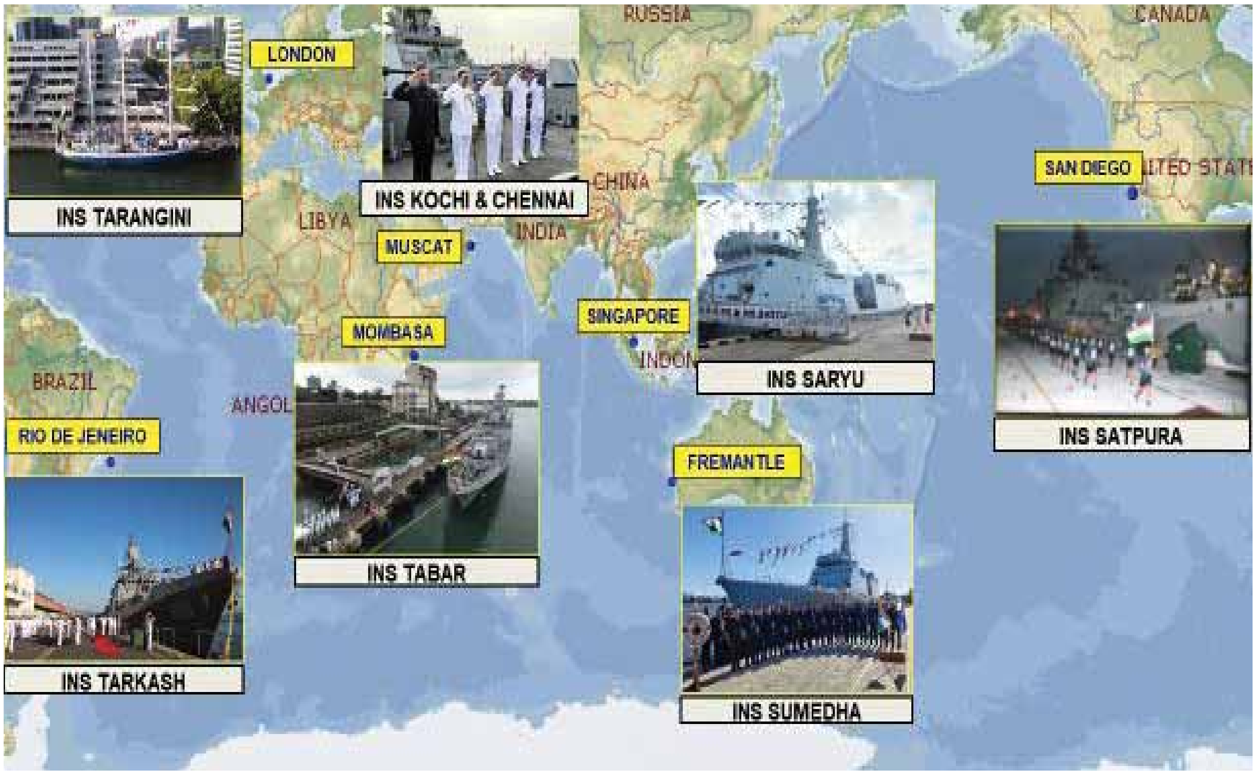

आजादी का अमृत महोत्सव समारोह की भारतीय नौसेना के पोतों की तैनाती

- **लोकायन 22** : भारतीय नौसेना सेल प्रशिक्षण जहाज (एसटीएस) तरंगिनी पश्चिम यूरोप में लोकायन 22 के रूप में अप्रैल से नवंबर, 2022 के महीने में तैनात किया गया। तैनाती के दौरान, इस जहाज ने बेल्जियम और डेनमार्क के बीच आयोजित टाल जहाज रेस में भाग लिया और यूके के लंदन में आजादी का अमृत महोत्सव (एकेएएम) मनाया।

लोकायन 22

- **'एक शाम देश के नाम'**: एक त्रि–सेना बैंड स्वरसंगीत, 'एक शाम देश के नाम' दिनांक 15 अक्तूबर, 2022 को नई दिल्ली के सीरीफोर्ट सभागार में आयोजित किया गया। माननीय रक्षा मंत्री जी मुख्य अतिथि थे और सीडीएस, सेना प्रमुख, सीआईएससी और मुख्यालय एकीकृत रक्षा स्टाफ, एसएचक्यू और रक्षा मंत्रालय के साथ–साथ इस कार्यक्रम में लगभग 3000 कार्मिकों और सशस्त्र सेनाओं के परिवार उपस्थित हुए।

बैंड स्वरसंगीत

- **राष्ट्र स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ**

  माननीय राष्ट्रपति श्रीमति द्रौपदी मुर्मू ने दिनांक 15 अगस्त, 2022 को राष्ट्रीय समर स्मारक की अमर जवान ज्योति पर शहीद हुए सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इनके साथ माननीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह, रक्षा राज्य मंत्री श्री अजय भट्ट और तीनों सेना प्रमुख भी थे।

- **नशा मुक्त भारत अभियान**

  भारत सरकार ने युवाओं, बच्चों और समाज में जागरूकता उत्पन्न करने के लिए 272 जिलों की पहचान करके दिनांक 15 अगस्त, 2020 को नशा मुक्त भारत अभियान (एनएमबीए) की शुरुआत की थी।

  यह विचार–विमर्श कार्यक्रम केंद्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह और केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं सशक्तिकरण मंत्री डॉ. विरेन्द्र कुमार की संयुक्त अध्यक्षता में किया गया। राष्ट्रीय कैडेट कोर की सक्रिय भागीदारी के साथ, 8 करोड़ व्यक्तियों ने जिसमें 3 करोड़ युवा, 2 करोड़ महिलाएं और 1.59 लाख शैक्षणिक संस्थान शामिल हैं, ने एनएमबीए में भाग लिया।

नशा मुक्ति अभियान कार्यक्रम में एनसीसी कैडेटों के साथ विचार–विमर्श

I. हर घर तिरंगा

भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूर्ण होने पर आजादी का अमृत महोत्सव के तत्वावधान के अंतर्गत लोगों को प्रोत्साहित करके तिरंगा घर लाने और फहराने के लिए 'हर घर तिरंगा' अभियान चलाया गया है। 'संपूर्ण सरकार' के दृष्टिकोण, को अपनाकर 25 लाख से ज्यादा परिवारों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया जिसमें 'सैन्य कार्मिक, भूतपूर्व सैन्य कार्मिक और मंत्रालय और अधीनस्थ संगठनों के अन्य अधिकारी शामिल थे। कुछ मुख्य कार्यक्रम भारतीय तटरक्षक बल द्वारा अंडर वाटर राष्ट्रीय ध्वजारोहण और साइकिल रैली, श्रीनगर के लाल चौक की डल झील पर 7500 स्क्वायर फीट ऊंचे ध्वज का प्रदर्शन, सीमा सड़क संगठन द्वारा 75 महत्वपूर्ण मार्गों और स्थानों पर ध्वजारोहण, राष्ट्रीय कैडेट कोर द्वारा समुद्री तटों और समुद्र में पुनीत सागर अभियान के अंतर्गत स्वच्छता अभियान शामिल हैं। कार्यक्रम की प्रभावशाली पहुंच के लिए प्रसिद्ध स्मारकों और प्रतिमाओं पर विभिन्न समारोह मनाए गए।

गोवा के भारतीय तटरक्षक बल जिला मुख्यालय 11, द्वारा 'आजादी का अमृत महोत्सव' और 'हर घर तिरंगा' अभियान में साइकिल रैली करते हुए

सीमा सड़क संगठन द्वारा हर घर तिरंगा अभियान

भारतीय सेना, जैसलमेर मिलिट्री स्टेशन पर 15 जनवरी, 2022 को सेना दिवस के अवसर पर 225 फीट लंबे और 150 चौड़े विशाल राष्ट्रीय ध्वज का अनावरण करते हुए

दार्जिलिंग के हिमालयन पर्वतारोहण संस्थान द्वारा अंटार्कटिका में माउंट विनसन बेस, 25 डिग्री सेल्सियस में 7,500 स्क्वायर फीट का भारतीय राष्ट्रीय ध्वज सफलतापूर्वक प्रदर्शित करते हुए

एचएमआई द्वारा समुद्री तल से 16500 फीट ऊंचाई पर माउंट रेनॉक पर 7,500 स्क्वायर फीट माप और 75 किलोग्राम वजन का राष्ट्रीय ध्वज फहराते हुए

हर घर तिरंगा के भाग के रूप में डल झील पर 7500 स्क्वायर फीट तिरंगा का प्रदर्शन करते हुए

एनसीसी कैडेट सरपंच और ग्रामीणों को राष्ट्रीय ध्वज घर–घर जा कर वितरित करते हुए

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 'हर घर तिरंगा' पहल में भारतीय तटरक्षक अंडमान और निकोबार के प्रिस्टीन द्वीप के पास अंडर वाटर राष्ट्रीय ध्वज फहराते हुए

वीर गाथा 2.0 के विजेता बच्चे

राष्ट्रीय कैडेट कोर

राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) की स्थापना एनसीसी अधिनियम, 1948 के अंतर्गत हुई थी। एनसीसी देश के युवाओं को प्रतिबद्धता, समर्पण, स्व–अनुशासन और नैतिक मूल्यों की भावना के साथ सर्वांगीण विकास के लिए अवसर प्रदान करने का प्रयास करता है ताकि वे भविष्य के जिम्मेदार नागरिक बन सके। एनसीसी का आदर्श वाक्य 'एकता और अनुशासन' है। 31 मार्च, 2023 की स्थिति के अनुसार एनसीसी के नामांकित कैडेटों के स्कंध–वार वितरण की संख्या इस प्रकार है:

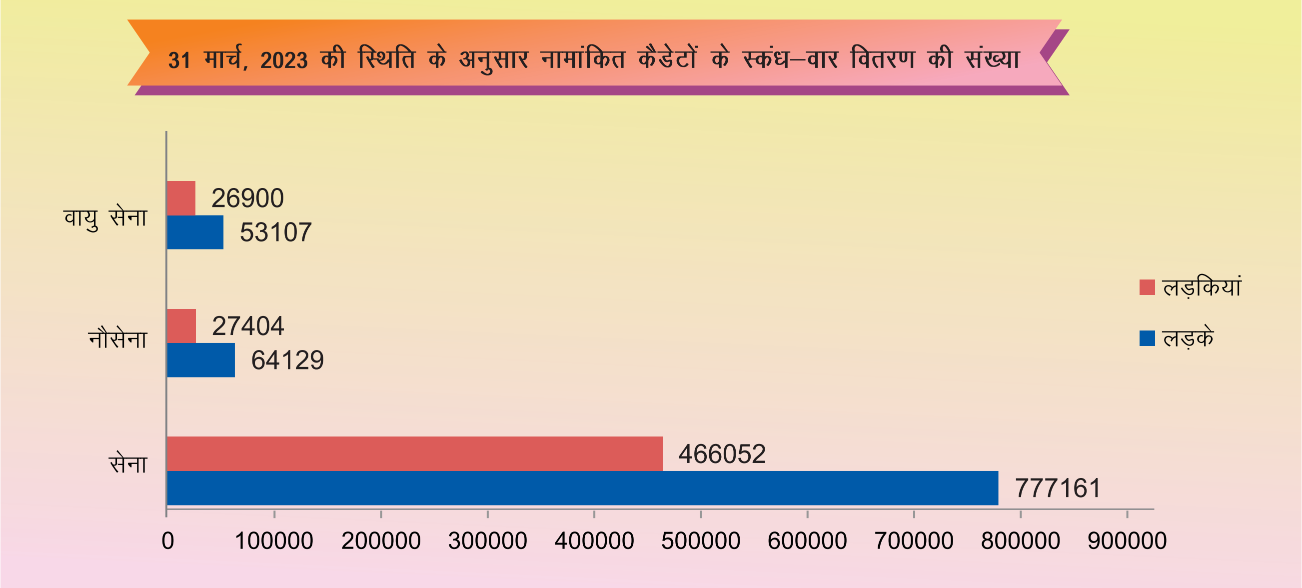

एनसीसी देश के अधिकांश शैक्षिक संस्थानों में फैला हुआ है। छात्रा कैडेटों का प्रतिशत कुल नामांकन का 35.5 प्रतिशत है। कुल 20390 संस्थान हैं जिनमें 2809 स्कूल, 1744 इंटर कॉलेज और 5837 महाविद्यालय शामिल हैं।

प्रशिक्षण

संस्थागत प्रशिक्षण

संस्थागत प्रशिक्षण में पाठ्यक्रम के भाग के रूप में कैडेटों को मूल सैन्य कौशल से परिचित कराना है और उनकों देश के भावी नायकों और जिम्मेदार नागरिकों के रूप में तैयार करना है। प्रशिक्षण के विशिष्ट प्रयोजन निम्नलिखित हैं:

1. स्वयं सेवक युवा को जीवन के सभी क्षेत्रों में आत्म–विश्वासी, प्रतिबद्ध और सक्षम नायक बनने के लिए प्रशिक्षण प्रदान करना। देश के सशक्त एवं जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए कैडेटों के जागरूकता स्तरों में वृद्धि करना।

2. कैडेटों को अवसर प्रदान करना और उनके ज्ञान में वृद्धि करने, संप्रेषण कौशल का विकास करने और चरित्र का निर्माण करने के लिए उन्हें प्रोत्साहित करना। उन्हें शिक्षित करने और समाज के प्रति सृजनात्मक योगदान देने के लिए सामाजिक गतिविधियों और सामुदायिक विकास कार्यक्रमों का आयोजन करना।

3. सशस्त्र बलों के बारे में जागरूकता बढ़ाने, नेतृत्व कौशलों एवं सैनिक मूल्यों का विकास करने के लिए सैन्य प्रशिक्षण आयोजित करना और इस प्रकार सशस्त्र बलों में नौकरी करने के लिए कैडेटों को अभिप्रेरित करने का वातावरण प्रदान करना।

शिविर प्रशिक्षण

इन कैडेटों को शिविर में रहने के रोमांच का अनुभव कराया जाता है, जहां पर वे संस्थागत प्रशिक्षण में हासिल किए गए सैद्धांतिक ज्ञान का उपयोग करते हैं। जूनियर डिवीजन/जूनियर विंग (जेडी/जेडब्ल्यू) कैडेटों के लिए नामांकन अवधि के दौरान कम से कम एक शिविर और सीनियर डिवीजन/सीनियर विंग (एसडी/एसडब्ल्यू) कैडेटों को न्यूनतम दो शिविरों में भाग लेना अनिवार्य है।

(क) वार्षिक प्रशिक्षण शिविर (एटीसी): मार्च, 2023 तक, पूरे देश में विभिन्न स्थलों पर 1500 शिविरों का आयोजन किया गया है। इन शिविरों में लगभग 7,50,000 कैटेडों ने भाग लिया। इसके अलावा, केन्द्रीय रूप से 187 शिविरों/अभियानों का आयोजन किया गया जिनमें 78,647 कैडेटों ने भाग लिया। केन्द्रीय रूप से आयोजित इन शिविरों में गणतंत्र दिवस शिविर एवं पीएम रैली, अंतरिक्ष शिविर, एक भारत श्रेष्ठ भारत इत्यादि शामिल हैं।

गणतंत्र दिवस शिविर 2023: गणतंत्र दिवस शिविर का आयोजन करियप्पा परेड ग्राउंड, दिल्ली छावनी में 01 जनवरी से 29 जनवरी तक प्रति वर्ष किया जाता है। इस शिविर में सभी राज्यों और संघ शासित क्षेत्रों से कुल 2155 कैडेटों ने भाग लिया। इसके अलावा, मित्र देशों (अर्जेंटीना, ब्राजील, फिजी, कजाकिस्तान, किर्गिज गणराज्य, मंगोलिया, मारीशस, मालदीव, मोजांबिक, नेपाल, न्यूजीलैंड, रूस, सेशल्स, सुडान, तजाकिस्तान, यू.के., यू.एस.ए, उज्बेकिस्तान और वियतनाम) के 32 अधिकारियों और 166 कैडेटों ने भी एनसीसी अतिथियों के रूप में 15 से 29 जनवरी तक गणतंत्र दिवस शिविर में भाग लिया।

पीएम रैली 2023: एनसीसी गणतंत्र दिवस शिविर के सबसे प्रतिष्ठित कार्यक्रम, प्रधानमंत्री की रैली का आयोजन 28 जनवरी, 2023 को किया गया। इस मार्च पास्ट में 17 राज्यों के एनसीसी निदेशालयों की टुकड़ियों ने भाग लिया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 75 रुपए का सिक्का जारी किया गया

साहसिक और खेलकूद गतिविधियां

साहसिक गतिविधियां: साहसिक गतिविधियों का उद्देश्य कैडेटों में साहस, समन्वेषी, कौतूहल की भावना जागृत करना, उर्जस्विता, सहन–शक्ति, आत्म विश्वास, टीम भावना, कोर भावना का विकास करना है। साहस आधारित गतिविधियां कैडेटों को नेतृत्व कौशलों में निखार लाने और उनके चारित्रिक गुणों में वृद्धि करना में समर्थ बनाती है। सक्षम कैडेटों को अभियानों में भागीदारी करने का अवसर प्रदान किया जाता है जिसमें उच्च श्रेणी की विशेषज्ञता एवं प्रवीणता की आवश्यकता होती है।

(क) **अखिल भारतीय ट्रेकिंग अभियान:** ट्रेकिंग के 17 अभियानों में कुल 8670 एनसीसी कैडेटों ने भाग लिया।

(ख) **पर्वतारोहण पाठ्यक्रम:** इस वर्ष एनसीसी द्वारा निम्नलिखित संस्थानों से बेसिक, एडवांस, साहस की 439 कैडेट रिक्तियों, अनुदेश की विधि (एमओआई) खोज एवं बचाव संबंधी पाठ्यक्रम किए गए।

- (i) अटल बिहारी बाजपेयी पर्वतारोहण और संबद्ध खेलकूद संस्थान, मनाली
- (ii) नेहरू पर्वतारोहण संस्थान, उत्तरकाशी
- (iii) हिमालयन पर्वतारोहण संस्थान, दार्जीलिंग
- (iv) जवाहर पर्वतारोहण एवं शीतकालीन खेलकूद संस्थान, पहलगांम
- (v) नेहरू पर्वतारोहण और संबद्ध खेलकूद संस्थान, दिरांग

(ग) **नौकायन अभियान:** प्रत्येक एनसीसी निदेशालय न्यूनतम 10 से 12 दिनों की अवधि के लिए एक नौकायन अभियान में भाग लेता है, जिसमें 400 से 500 किलोमीटर की कुल दूरी कवर की जाती है। प्रत्येक निदेशालय से 40 से 60 कैडेट इस अभियान में भाग लेते हैं। इन अभियानों के दौरान कैडेट दूर–दराज के तटीय गांवों में सामाजिक कार्य और स्वच्छता अभियान भी चलाते हैं।

(घ) समुद्रपार तैनाती (ओएसडी): नौसेना के 10 कैडेटों और एक स्थायी अनुदेशक (पीआई) स्टाफ की ओमान, इरीट्रिया, मिस्र, सउदी अरब, ओमान, कुवैत, यूएई, ईरान और जिबूती में ओएसडी के लिए तैनाती की गई।

खेलकूद

सभी एनसीसी निदेशालयों के एनसीसी कैडेट राष्ट्रीय स्तर की विभिन्न खेलकूद गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं। आयोजित की गई कुछ प्रमुख खेलकूद गतिविधियां इस प्रकार हैं:

जोनल शूटिंग कोचिंग कैप्सूल शूटिंग	अंतर निदेशालय स्पोर्ट्स चैम्पियनशिप	अखिल भारतीय जीवी मावलंकर शूटिंग चैम्पियनशिप	राष्ट्रीय शूटिंग चैम्पियनशिप प्रतियोगिता
जवाहरलाल नेहरू हॉकी कप टूर्नामेंट	सुब्रोतो कप, फुटबॉल टूर्नामेंट	घुड़सवारी प्रतियोगिता	याचिंग चैम्पियनशिप

प्रमुख खेल गतिविधियाँ

युवा आदान–प्रदान कार्यक्रम (वाईईपी)

आवक वाईईपी

(क) स्वतंत्रता के 75वें वर्ष के अवसर पर विशेष वाईईपी का आयोजन 09 से 17 अगस्त, 2022 तक किया गया था। अर्जेंटीना, ब्राजील, फिजी, इंडोनेशिया, किर्गिज गणराज्य, मालदीव, मारीशस, मोजांबिक, नाइजीरिया, सेशल्स, यूएई, यू.के., यू.एस.ए, और उज्बेकिस्तान सहित 14 देशों के 26 अधिकारियों और 124 कैडेटों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

(ख) एनसीसी स्थापना के 75वें वर्ष के अवसर पर 19 देशों ने गणतंत्र दिवस शिविर में 16 से 29 जनवरी, 2023 तक भाग लिया। अर्जेंटीना, ब्राजील, फिजी, किर्गिज गणराज्य, कजाकिस्तान, मालदीव, मरीशस, मोजांबिक, मंगोलिया, न्यूजीलैंड, नेपाल, रूस, सेशल्स, सुडान, ताजिकिस्तान, यू.के., यू.एस.ए, उज्बेकिस्तान और वियतनाम के कुल 33 अधिकारियों और 163 कैडेटों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

जावक वाईईपी

(क) **वियतनाम वाईईपी** – कोविड–19 के बाद पहली बार दो अधिकारियों और 13 भारतीय कैडेटों ने 19 सितंबर से 28 सितंबर, 2022 तक वियतनाम का दौरा किया।

(ख) **किर्गिजस्तान** – एक अधिकारी और 5 कैडेटों ने 7 दिसंबर से 14 दिसंबर, 2022 तक किर्गिजस्तान का दौरा किया।

(ग) **बांग्लादेश** – दो अधिकारियों और 20 कैडेटों ने 12 दिसंबर से 23 दिसंबर, 2022 तक बांग्लादेश का दौरा किया।

(घ) **मालदीव** – एक अधिकारी और 4 कैडेटों ने 24 दिसंबर, 2022 से 04 जनवरी, 2023 तक मालदीव का दौरा किया।

(ङ) **नेपाल** – दो अधिकारियों और 16 कैडेटों ने 15 फरवरी, 2023 से 26 फरवरी 2023 तक नेपाल का दौरा किया।

सामाजिक सेवा और सामुदायिक विकास (एसएससीडी) कार्यक्रम

सामाजिक सेवा और सामुदायिक विकास(एसएससीडी) गतिविधियों में फिट इंडिया अभियान, स्वच्छ भारत अभियान, वृक्षारोपण, जल–शक्ति, नशा रोधी रैली, कैंसर के बारे में जागरूकता, आपदा राहत, रक्त दान और टीकाकरण, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, एड्स के बारे में जागरूकता, नेत्रहीनों की देख–भाल, महिला स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, प्राकृतिक आपदाओं में सहायता, सड़क सुरक्षा एवं अनुशासन, योग दिवस, डिजीटल साक्षरता, कौशल विकास संबंधी जागरूकता तथा इसी प्रकार के अन्य सुसंगत समकालीन सामाजिक मुद्दे शामिल हैं। एसएससीडी गतिविधियों को एनसीसी कैडेटों के लिए संशोधित पाठ्यक्रम में भी शामिल किया गया है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) – भारत के माननीय प्रधानमंत्री ने 28 जनवरी, 2015 को एनसीसी कैडेटों के लिए पीएम रैली के दौरान अपने भाषण में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस में भाग लेने के लिए सभी एनसीसी कैडेटों से आह्वान किया। तब से एनसीसी द्वारा प्रत्येक वर्ष 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पूरे भारत में मनाया जा रहा है। इस वर्ष 9,36,696 एनसीसी कैडेटों ने 5,336 विभिन्न स्थानों पर भागीदारी की।

राष्ट्रीय युवा पर्व – दिनांक 12 जनवरी को स्वामी विवेकानंद की जन्म जयंती मनाने के लिए प्रत्येक वर्ष राष्ट्रीय युवा पर्व का आयोजन किया जाता है। युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के निर्देश के अनुसार कैडेटों ने 12–16 जनवरी, 2022 तक आयोजित किए गए समारोह में वर्चुअल रूप से भाग लिया।

राष्ट्रीय एकता दिवस (एनयूडी) –सरदार वल्लभभाई पटेल की जन्म जयंती हमारे राष्ट्र की एकता, अखंडता एवं सुरक्षा को बनाए रखने और इसे सुदृढ़ करने के लिए हमारे समर्पण को बढ़ाने एवं मजबूत करने के लिए मनाई गई थी। एक लाख कैडेटों द्वारा 'शपथ ग्रहण समारोह', 'मार्च पास्ट' और 'एकता दौड़' जैसी विभिन्न गतिविधियों में भागीदारी की गई। इसके अलावा, केवडिया, गुजरात में एकता दिवस समारोह के भाग के रूप में सीमावर्ती क्षेत्र से सीनियर छात्रों (एसडी कैडेट) और छात्राओं (एसडब्ल्यू कैडेट) दोनों द्वारा तीनों स्कंधों (अर्थात सेना, नौसेना, वायुसेना) की एक ड्रिल टुकड़ी ने यूनिटी स्टेच्यू के सामने मार्च पास्ट किया।

पुनीत सागर अभियान – माननीय प्रधानमंत्री द्वारा परिकल्पित विजन के रूप में, 1 दिसंबर, 2012 को शुरू किया गया पुनीत सागर अभियान एक उत्कृष्ट पहल है जिसका उद्देश्य समुद्री किनारों/तटों को साफ करने, प्लास्टिक/अन्य अपशिष्ट हटाने तथा स्वच्छ और प्राचीन तटों एवं प्लास्टिक प्रदूषण के खतरे के बारे में जागरूकता फैलाना है। पीएम के विजन के अनुरूप एनसीसी ने पूरे देश में अभियान चलाया और समुद्री तटों, नदी के किनारों एवं झीलों के पास की स्थानीय आबादी के बीच दीर्घकालिक संरक्षण एवं सफाई कार्यक्रमों का आयोजन किया। स्थानीय लोगों ने इस अभियान को पसंद किया और यह अभियान बहुत प्रसिद्ध हुआ जिसमें स्थानीय लोगों एवं पर्यटकों ने समान रूप से व्यापक तौर पर साझेदारी की। इस अभियान को व्यापक स्तर पर प्रसिद्धि मिली जिसके परिणामस्वरूप प्रधानमंत्री ने न केवल 26 जनवरी, 2021 को अपनी मन की बात में इसकी तारीफ की बल्कि 28 जनवरी, 2022 को आयोजित एनसीसी पीएम रैली के दौरान भी अपने भाषण के दौरान इस पर जोर दिया। आज की तारीख तक इस अभियान में लगभग 13.5 लाख एनसीसी कैडेटों ने भागीदारी की और लगभग 208 टन प्लास्टिक कचरा एकत्र किया जिसमें से आज की तारीख तक 167 टन कचरे को रिसाइक्लिंग के लिए भेज दिया गया है। **इसके अलावा, यूएनईपी के साथ एक समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किए गए हैं।**

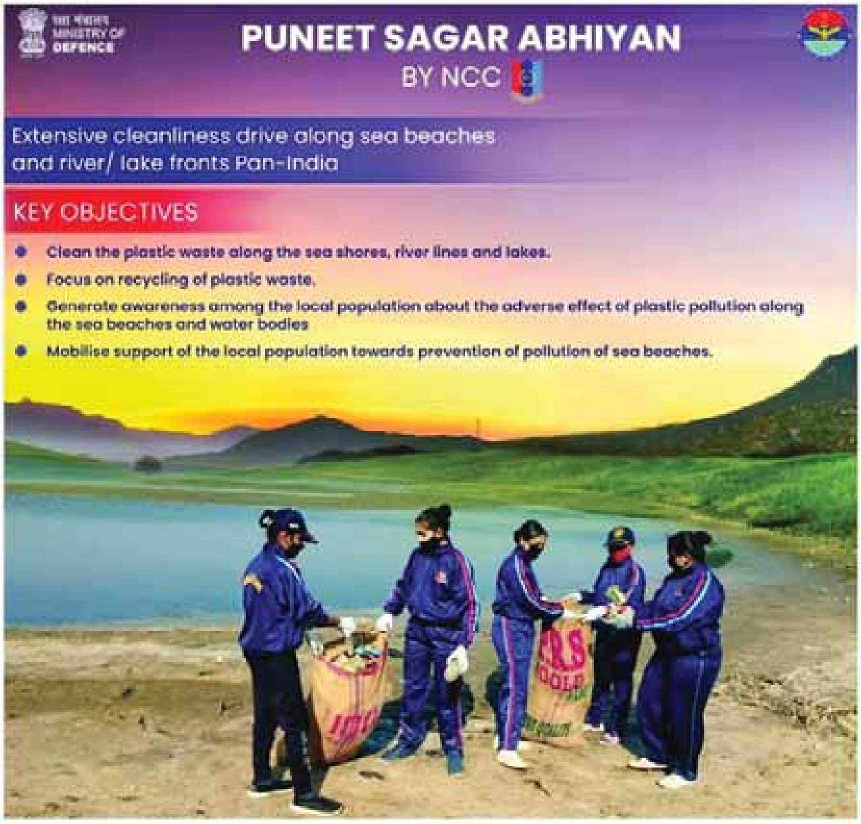

एनसीसी@75

एकता मशाल दौड़ – एकता मशाल दौड़ का 27 नवंबर, 2022 से 28 जनवरी, 2023 तक आयोजन किया गया था। यह दौड़ कन्याकुमारी से शुरू हुई और करियप्पा परेड ग्राउंड, नई दिल्ली में इसका समापन किया गया। कर्नल कृष्ण सिंह बधवार ने 50 किलोमीटर प्रतिदिन की दर से 3000 किलोमीटर की ये पूरी दूरी 60 दिनों में तय की। कुल 4000 कैडेटों ने भी रास्ते में इस दौड़ में भाग लिया। इसके अलावा, वाहन आधारित एक मशाल डिब्रूगढ़ से शुरू होकर 2800 किलोमीटर की दूरी तय करके आगरा में मुख्य मशाल में सम्मिलित की गई। अंत में, कर्नल कृष्ण सिंह बधवार द्वारा करियप्पा परेड ग्राउंड में 28 जनवरी, 2023 को पीएम रैली के दौरान इस मशाल को माननीय प्रधानमंत्री को सौंपा गया।

दिनांक 28 जनवरी, 23 को पीएम रैली में माननीय प्रधानमंत्री को एकता मशाल सौंपते हुए

डांडी से दिल्ली मोटर साइकिल रैली – एनसीसी की स्थापना के 75वें वर्ष के भाग के रूप में इस 10 दिवसीय मोटर साइकिल रैली में 34 अधिकारियों/एएनओ/जेसीओ/एनसीओ और 25 एनसीसी कैडेटों ने भाग लिया और 15 जनवरी, 2023 से 25 जनवरी, 2023 तक डांडी से दिल्ली की 1300 किलोमीटर की दूरी तय की।

प्रेसीडेंट एट होम में एनसीसी कैडेट

पीएम एट होम में एनसीसी कैडेट

सीमा सड़क संगठन

सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) की स्थापना भारत की सीमाओं की सुरक्षा करने और देश के उत्तरी और पूर्वोत्तर राज्यों के सुदूर क्षेत्रों में अवसंरचना का विकास करने के लिए 7 मई, 1960 को की गई थी। मई, 1960 में 02 परियोजनाओं के साथ कार्य की शुरूआत करते हुए, यह अब 18 परियोजनाओं तक पहुंच गया है। बीआरओ की 09 परियोजनाएं उत्तर पश्चिम भारत में और 08 परियोजनाएं भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में स्थित हैं। 01 परियोजना भूटान में स्थित है। पिछले 60 वर्षों के दौरान इस संगठन ने प्रतिकूल जलवायु और भौगोलिक परिस्थितियों में 61,000 किलोमीटर से अधिक की सड़कों, 915 स्थायी पुलों, 04 सुरंगों और 19 हवाई पट्टियों का निर्माण किया है। वर्ष 2015 तक सीमा सड़क संगठन सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन था और सेना की आवश्यकताओं एवं प्राथमिकताओं के अनुसार सड़कों का निर्माण कर रहा था। इन प्रक्रियाओं को सरल बनाने के लिए, इसे वर्ष 2015 में रक्षा मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन लाया गया है।

प्रमुख कार्यकलाप

I) **उत्तराखंड के अग्र–क्षेत्रों में सड़कों को चौड़ा करने के लिए शिलान्यास** – 22 अक्टूबर, 2022 को एक भव्य आयोजन के दौरान माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने बीआरओ द्वारा 997 करोड़ रु. की लागत से उत्तराखंड में दो सड़कों अर्थात माना से माना पास (एनएच–07) और जोशीमठ से मलारी (एनएच–107बी) को चौड़ा करने के लिए शिलान्यास किया। माननीय प्रधानमंत्री ने बीआरओ के माना स्थित डिटैचमेंट में विश्राम करके बीआरओ के समस्त कर्मयोगियों का मनोबल बढ़ाया।

माना, उत्तराखंड में बीआरओ कर्मयोगी के साथ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

ii) **टोडापुर में विवाहित दाम्पत्य आवास का ई–शिलान्यास** – माननीय रक्षा मंत्री जी ने बीआरओ के 63वें स्थापना दिवस के अवसर पर दिल्ली में तैनात बीआरओ के कर्मियों के लिए टोडापुर में 7 मई, 2022 को विवाहित दाम्पत्य आवास का वर्चुअल मोड के जरिए शिलान्यास किया।

iii) बीआरओ ने वर्ष 2022 में कुल 103 परियोजनाएं पूरी कीं। बीआरओ ने 28 अक्टूबर, 2022 को 7 राज्यों एवं 2 संघ शासित क्षेत्रों में 75 इंफ्रा परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित की और माननीय रक्षा मंत्री जी द्वारा 3 जनवरी, 2023 को 5 राज्यों एवं 2 संघ शासित क्षेत्रों में 28 इंफ्रा परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित की गईं।

माननीय रक्षा मंत्री द्वारा 75 अवसंरचना परियोजनाओं का शुभारंभ

अन्य उपलब्धियां

1) **नई प्रौद्योगिकियों का अंगीकरण**– विगत कुछ वर्षों के दौरान निर्माण की गुणवत्ता एवं गति में सुधार करने के लिए शुरू की गई नई प्रौद्योगिकियों के साथ बीआरओ में पर्याप्त आधुनिकीकरण किया गया है। निम्नलिखित नई प्रौद्योगिकियों को शामिल किया गया है :

   क) सड़कों की सतह बनाने के लिए सीमेंट आधारित तकनीक
   ख) सड़क कार्यों के लिए जियो सेल
   ग) डामर कार्य के लिए प्लास्टिक कोटेड एग्रीगेट
   घ) जैविक कवक के जरिए भूमि का स्थिरीकरण
   ङ) हिमस्खलन संरक्षी संरचनाएं
   च) एम50 माड्यूलर ब्लॉक
   छ) रिइनफोर्स्ड अर्थवाल, प्रीकास्ट ब्रेस्ट वाल्स, नालों, पुलियों एवं पगडंडियों के निर्माण के लिए प्रीकास्ट कंक्रीट प्रौद्योगिकी (कट एंड फिट प्रौद्योगिकी)।
   ज) सड़क निर्माण में स्टील स्लैग का उपयोग – बीआरओ सीएसआईआर–सीआरआरआई की सहायता से सड़क निर्माण में स्टील स्लैग का उपयोग करने के लिए अरूणाचल प्रदेश में जोरम–कोलोरियांग मार्ग पर एक पायलट परियोजना पर काम कर रहा है जो भारी बारिश और प्रतिकूल जलवायु परिस्थितियों का सामना कर सके।

ii) **ऑटोमेशन और डिजीटलीकरण** – बीआरओ ने कार्यों, मानव संसाधन, ऑटोमेशन के प्रबंधन और अटल सुरंग, रोहतांग का दौरा करने हेतु बुकिंग की सुविधा उपलब्ध कराने और सूचना का प्रसार करने के लिए बीआईएसएजी–एन एवं एनआईसीएसआई की सहायता से 10 प्रमुख सॉफ्टवेयर और एक वेबसाइट का विकास किया है। सभी परिसम्पत्तियों का बेहतर उपयोग करने के उद्देश्य से संगठन की कार्यक्षमता और पारदर्शिता बढ़ाने हेतु बीआरओ की सड़कों के लिए उपयोग की गई भूमि का डिजिटलीकरण भी किया गया है।

2) **बीआरओ@63 बहुआयामी अभियान** – उत्तराखंड के माननीय राज्यपाल, लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह, पीवीएसएम, एवीएसएम, यूवाईएसएम, वीएसएम (सेवानिवृत्त) ने देहरादून में 26 अप्रैल, 2022 को बीआरओ@63 बहुआयामी अभियान को झंडा दिखा कर रवाना किया। इस अभियान में लगभग 50 किलोमीटर की दूरी तय करते हुए 15000 फीट की पंगारचुला चोटी तक पर्वतारोहण ट्रेक, गंगा नदी के तेज बहाव में 35 किलोमीटर तक नदी राफ्टिंग करने, देहरादून से दिल्ली की 591 किलोमीटर की दूरी तय करने के लिए साइक्लोथॉन और रूड़की से दिल्ली तक की 190 किलोमीटर की दूरी तय करने के लिए 'फिटबीआरओ' दौड़ शामिल करने हेतु 4 विशिष्ट गतिविधियां शामिल की गईं। छह महिला प्रतिभागियों सहित कुल 63 बीआरओ कर्मयोगियों ने इस साहसिक गतिविधि में भाग लिया।

3) **बीआरओ@63 केवल महिला इलेक्ट्रिक वाहन रैली** – माननीय रक्षा मंत्री जी ने बीआरओ@63 केवल महिला इलेक्ट्रिक वाहन रैली को 7 मई, 2022 को झंडा दिखा कर रवाना किया। 10 महिला अधिकारियों और बीआरओ के सभी रैंकों के एक दल ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड से होते हुए इलेक्ट्रिक कारों पर लगभग 750 किलोमीटर की दूरी तय की और डीजीबीआर मुख्यालय में 9 मई, 2022 को झंडा दिखाकर स्वागत किया गया।

रक्षा लेखा महानियंत्रक

रक्षा पेंशन भोगियों के लिए स्पर्श पर आउटरीच कार्यक्रम

रक्षा लेखा विभाग ने पेंशन भोगियों के लिए स्पर्श [पेंशन प्रशासन रक्षा के लिए प्रणाली] पर एक आउटरीच कार्यक्रम 176वें रक्षा पेंशन समाधान आयोजन नामक एक कार्यक्रम का दिनांक 14 दिसंबर, 2022 को नई दिल्ली में आयोजन किया। रक्षा सचिव, श्री गिरिधर अरमने इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। सशस्त्र सेनाओं के उप प्रमुख, रक्षा मंत्रालय के सचिव और वरिष्ठ अधिकारी भी इस अवसर पर उपस्थित थे। रक्षा सचिव ने दिल्ली छावनी में एक स्पर्श सेवा केन्द्र का वर्चुअल रूप से उद्घाटन किया। विभाग ने छः बैंकों के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर भी किए। यह एकीकृत प्रणाली सेवानिवृत्त सैनिकों को घर बैठे पेंशनभोगी के सत्यापन की डिजिटल प्रक्रिया से लेकर उनकी शिकायतों के निवारण की रियल टाइम ट्रैकिंग तक की सेवाएं उपलब्ध कराती है।

नियंत्रक सम्मेलन–2022

रक्षा लेखा विभाग ने नई दिल्ली में दिनांक 14 एवं 15 दिसंबर, 2022 को दो दिवसीय नियंत्रक सम्मेलन का आयोजन किया। माननीय रक्षा मंत्री, श्री राजनाथ सिंह ने इस सम्मेलन का उद्घाटन किया। इस सम्मेलन ने विभाग और मंत्रालय को विभिन्न मुद्दों का जायजा लेने, उन पर विचार विमर्श करने और रक्षा लेखा विभाग के शीर्ष प्रबंधन द्वारा एक स्थायी समाधान तलाशने के लिए एक प्लेटफार्म मुहैया कराया। सशस्त्र सेनाओं और सेनाओं के बीच वार्ता इस सम्मेलन का अभिन्न अंग है। इस अवसर पर रक्षा मंत्री ने डीएडी के 275वें वर्ष की स्मृति में टिकट और एक विशेष लिफाफा जारी किया।

दिल्ली छावनी में अग्निवीर वेतन और लेखा कार्यालय (सेना) की स्थापना

माननीय रक्षा मंत्री, श्री राजनाथ सिंह द्वारा दिल्ली छावनी में अग्निवीर वेतन और लेखा कार्यालय (सेना) का उद्घाटन किया गया और अग्निवीर वेतन प्रणाली दिनांक 01 अक्टूबर, 2022 को शुरू की गई। इस प्रणाली में अग्निवीरों, जो सरकार के परिवर्तनकारी अग्निपथ योजना के माध्यम से सशस्त्र सेनाओं में शामिल होते हैं, के लिए सक्षम वेतन प्रबंधन की सुविधा है। पूर्ण रूप से स्वचालित आईटी प्रणाली अग्निवीरों के दावों पर कार्रवाई और वेतन पत्रक प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए एक विशिष्ट एवं सुरक्षित पोर्टल है।

भारतीय तटरक्षक

संगठन

केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने भारतीय नौसेना से 02 पोतों और सीमा शुल्क से 05 गश्ती नौकाओं के मजबूत बेड़े के साथ 'तट रक्षक' की स्थापना करने के लिए वर्ष 1977 में अनुमोदन प्रदान किया था। संसद द्वारा पारित तट रक्षक अधिनियम, 1978 के द्वारा केन्द्र के सशस्त्र बल के रूप में भारतीय तट रक्षक (आईसीजी) की औपचारिक स्थापना 18 अगस्त, 1978 को की गई थी। भारतीय तट रक्षक रक्षा मंत्रालय के अधीन कार्य करता है।

तट रक्षक संगठन के प्रमुख महानिदेशक, भारतीय तट रक्षक (डीजीआईसीजी) हैं जो नई दिल्ली स्थित तट रक्षक मुख्यालय (सीजीएचक्यू) से समग्र कमान और अधीक्षण कार्य करते हैं। प्रभावी कमान और नियंत्रण के लिए भारतीय समुद्री क्षेत्रों को गांधीनगर, मुम्बई, चेन्नई, कोलकाता और पोर्ट ब्लेयर में स्थित क्षेत्रीय मुख्यालय के साथ पांच तटरक्षक क्षेत्रों में विभाजित किया गया है।

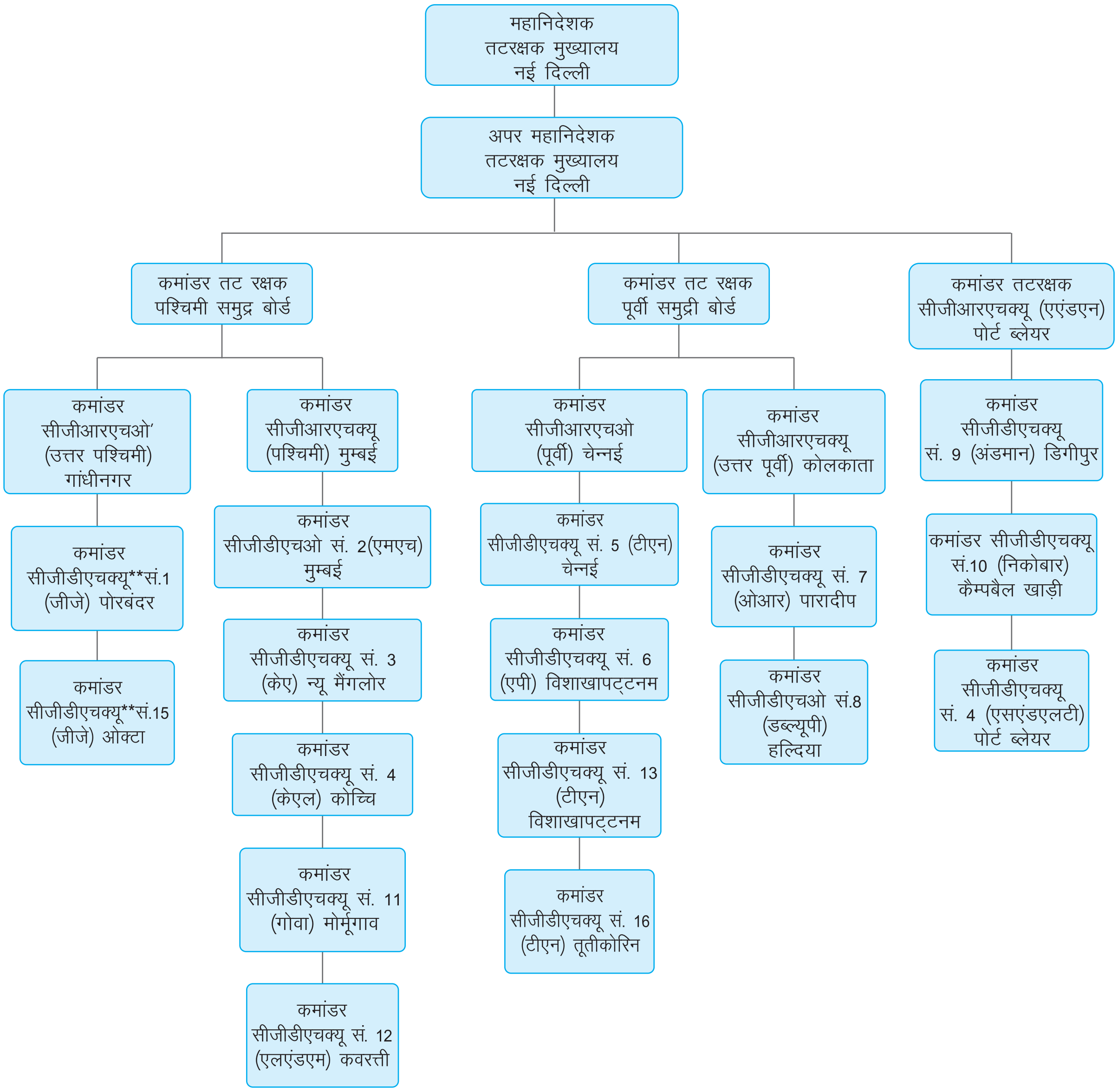

इन क्षेत्रों को 16 तट रक्षक जिलों में उप–विभाजित किया गया है जिसमें मुख्य भूमि और संघ राज्य क्षेत्रों में 9 समुद्री राज्यों, अंडमान एवं निकोबार द्वीपों में 3 जिला मुख्यालयों और लक्षद्वीप एवं मिनीकॉय द्वीपों में एक जिला मुख्यालय के साथ तट रेखा को कवर किया गया है। इसके अलावा, तट रक्षक जिला मुख्यालयों के अंतर्गत 42 तट रक्षक स्टेशन कार्यरत हैं। 10 तट रक्षक वायु स्टेशन और वायु इंक्लेव हैं जो तट रक्षक के हवाई प्रचालनों के लिए उत्तरदायी हैं।

कर्त्तव्य एवं कार्य

समुद्री क्षेत्र में कृत्रिम द्वीपों, अपतटीय टर्मिनलों, संस्थापनाओं और अन्य संरचनाओं तथा यंत्रों की सुरक्षा और संरक्षण

मछुआरों की समुद्र में विपदा के दौरान सहायता के साथ सुरक्षा

समुद्री पारिस्थितिकी की सुरक्षा और संरक्षण के आवश्यक उपाय करना और समुद्री प्रदूषण से बचाव और उसका नियंत्रण

तस्कर–रोधी गतिविधियों में सीमा शुल्क और अन्य प्राधिकरणों की सहायता करना

ऐसे अधिनियमों के प्रावधानों का प्रवर्तन जो समुद्री क्षेत्रों में वर्तमान में लागू हैं।

जैसा निर्देशित हो, समुद्र में जीवन और संपत्ति की सुरक्षा के उपायों और वैज्ञानिक आंकड़ों के संकलन सहित ऐसे अन्य मामले

भारतीय तट रक्षक को भू–भागीय समुद्र में तटीय सुरक्षा, प्रवर्तन, गहरे समुद्र में मछली पकड़ने की मानीटरिंग एवं निगरानी, समुद्री खोज एवं बचाव, समुद्र में तेल बिखराव से निपटने के उपाय करने जैसे तटीय सुरक्षा की कई अतिरिक्त जिम्मेदारियां भी सौंपी गई हैं। यह तटीय एवं समुद्री सीमाओं के लिए अग्रणी आसूचना एजेंसी भी है।

तटीय सुरक्षा

तटीय सुरक्षा अभ्यास – भारतीय तट रक्षक, भारतीय नौसेना (आईएन) के समन्वय से संपूर्ण तटीय रेखा की गश्त और निगरानी कर रहा है। वर्ष 2009 से समन्वित गश्त की प्रभावकारिता सुनिश्चत करने और मानक प्रचालन प्रक्रिया को विधिमान्य करने के लिए कुल 227 तटीय सुरक्षा अभ्यास आयोजित किए गए हैं। शांति–काल से शत्रुता तक के परिवर्तन काल का परीक्षण करने और इसको पुनः विधिमान्य करने के लिए 'सागर कवच' अभ्यास का आयोजन किया गया और ऐहतियाती चरण के दौरान शत्रुता से निपटने के लिए तैयारी करने के लिए कई कार्यकलाप किए गए।

तटीय सुरक्षा अभियान – तटीय सुरक्षा पर निरंतर जोर देते हुए, सभी हितधारकों के समन्वय से वर्ष 2009 से कुल 526 तटीय सुरक्षा अभियान चलाए गए हैं। इसके अलावा, भारतीय तट रक्षक प्रत्येक तट रक्षक क्षेत्र में प्रति माह एक विशेष अभियान, 'सजग' का आयोजन करता है जिसमें प्रचालन के लिए उपलब्ध सभी पोतों की यादृच्छिक दिन पर तैनाती की जाती है। भारतीय तट रक्षक के पोत/नौकाएं मछुआरों के पहचान पत्रों सहित मछली पकड़ने वाली नौकाओं के दस्तावेजों की जांच करने के लिए अधिकतम बोर्डिंग अभियान चलाता है। आज की तारीख तक कुल 347 'सजग' अभियान संचालित किए गए हैं।

समुदायिक संपर्क कार्यक्रम – वर्ष 2009 से भारतीय तट रक्षक ने मछुआरों को सुरक्षा और संरक्षा विषयों के बारे में जानकारी देने तथा संकट चेतावनी ट्रांसमीटर, रक्षा बोया एवं जीवन–रक्षी जैकेटों इत्यादि जैसे जीवन रक्षक उपस्करों के उपयोग के बारे में जानकारी देने के लिए जागरूकता फैलाने हेतु कुल 10696 सामुदायिक संपर्क कार्यक्रम आयोजित किए हैं।

बोर्डिंग अभियान – वर्ष 2009 से कुल 2,95,741 बोर्डिंग अभियान चलाए गए हैं। इनमें से भारतीय तट रक्षक द्वारा वर्ष 2022 में कुल 20146 बोर्डिंग अभियान चलाए गए हैं।

भारतीय तट रक्षक और तटीय पुलिस द्वारा संयुक्त तटीय गश्ती (जेसीपी) – माननीय प्रधानमंत्री के विजन दस्तावेज में किए गए उल्लेख के अनुसार तटीय सुरक्षा को बढ़ाने के लिए भारतीय तटरक्षक और तटीय पुलिस द्वारा संयुक्त तटीय गश्ती (जेसीपी) का गठन अगस्त, 2020 में किया गया था। कोविड–19 की चुनौतियों के बावजूद स्थानीय तटीय पुलिस के कार्मिकों और आईसीजी इकाइयों के बीच संवर्धित समन्वय एवं सहक्रिया के परिणामस्वरूप वर्ष 2022 के दौरान 477 जेसीपी संबंधी उड़ान भरी गईं। आज की तारीख तक जेसीपी उड़ानों के लिए कुल 1236 समुद्री उड़ाने भरी गई, 677 क्लास रूम अनुदेश दिए गए और 3288 कार्मिकों को ऑनबोर्ड तैनात किया गया।

तटीय गश्ती के लिए 840 स्कवाड्रन (तट रक्षक) बल भारतीय तटरक्षक बल के उन्नत हल्के हैलिकाप्टर (एएलएच) एमके III स्कवाड्रन की कमिशनिंग

महत्वपूर्ण लक्ष्य और उपलब्धियां

वर्ष 2022 के दौरान भारतीय तट रक्षक में 4 सतह प्लेटफार्म शामिल किए गए जिनमें 01 अपतटीय गश्ती जलयान, 01 वर्क बोट और 02 अनुषंगी बार्ज शामिल हैं।

भारतीय तट रक्षक पोतों की समुद्रपारीय तैनाती – प्रथम प्रशिक्षण स्क्वाड्रन के प्रशिक्षण कार्यक्रम के भाग के रूप में आईसीजीएस सारथी ने आईएनएस तीर एवं सुजाता के साथ 12 अप्रैल, 2022 को कोच्चि से यात्रा आरंभ की और 18 अप्रैल, 2022 को सलालह (ओमान) में प्रवेश किया। इस पोत ने समुद्रपारीय तैनाती के दौरान मसावा (इरीट्रिया), जिबूती, सफागा (मिस्र), जेद्दाह (सउदी अरब) बंदरगाहों का भी दौरा किया। यह पोत 16 मई, 2022 को कोच्चि वापस पहुंचा।

गोवा में 8वीं राष्ट्र स्तरीय प्रदूषण मोचन अभ्यास – गोवा में दिनांक 18 से 19 अप्रैल, 2022 तक 8वीं राष्ट्र स्तरीय प्रदूषण मोचन अभ्यास (एनएटीपोओएलआरईएक्स–VIII) किया गया था। अभ्यास के दौरान 19 देशों से 30 विदेशी प्रतिनिधिमंडल, इंटरनेशनल टैंकर ऑनर्स पाल्यूशन फेडरेशन लि. (आईटीओपीएफ) एवं साउथ एशिया कारपोरेशन एनवायरमेंट प्रोग्राम (एसएसीईपी) से एक–एक प्रतिनिधि, 1 एसएलसीजी पोत सुरक्षा, 01 बीसीजी पोत कामरूज्जमन और केन्द्र और राज्य के विभागों से प्रतिनिधिमंडल, प्रमुख बंदरगाहों, गौण बंदरगाहों, ऑयल हैंडलिंग एजेंसियों और तटीय तेल संस्थापनों ने अभ्यास में भाग लिया। दिनांक 18 अप्रैल, 2022 को कार्यशाला और टेबलटॉप अभ्यास का भी संचालन किया गया जिसमें भारतीय और विदेशी प्रतिनिधिमंडल ने भागीदारी की।

10वां राष्ट्रीय समुद्री खोज और बचाव अभ्यास–2022 (एसएआरईएक्स–22) – 10वें एसएआरईएक्स–22 का दिनांक 26 अप्रैल 2022 से 28 अगस्त, 2022 तक चेन्नई में आयोजन किया गया जिसमें 16 देशों के 24 विदेशी साझेदारों ने भागीदारी की। यह अभ्यास 51 राष्ट्रीय हितधारकों सहित अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडलों की अब तक की सर्वाधिक संख्या में भागीदारी का साक्षी बना।

एशियाई तट रक्षक एजेंसियों के प्रमुखों की बैठक (एचएसीजीएएम) – भारतीय तट रक्षक बल ने दिनांक 14 से 18 अक्टूबर, 2022 तक दिल्ली में 18वें एचएसीजीएएम का आयोजन किया जिसमें 55 विदेशी शिष्टमंडलों ने भागीदारी की। इस बैठक का आयोजन भारतीय तट रक्षक बल को आईओआर और हिन्द–प्रशांत क्षेत्र में 'व्हाइट हल डिप्लोमेसी' के ध्वजवाहक के रूप में रेखांकित करना है।

एम–एसएआर तंत्र को सुदृढ़ करने के लिए वैज्ञानिक समुदाय के साथ भारतीय तट रक्षक बल का सहयोग – भारतीय तट रक्षक बल ने समुद्र में वैमानिक घटना के मामले में संभावित खोज क्षेत्र तैयार करने के लिए आईएनसीओआईएस, एमओईएस और एएआई के साथ एसएआर साफ्टवेयर – एकीकृत खोज एवं बचाव सहायता (एसएआरएटी–I) के विकास के लिए सहयोग किया है। भारतीय तटरक्षक बल ने द्वितीय पीढ़ी के डिस्ट्रेस अलर्ट ट्रांसमीटर (डीएटी) के विकास के लिए इसरो के साथ सहयोग किया है जिनके परीक्षण अंतिम चरणों में हैं। चक्रवाती मौसम की पूर्व चेतावनी प्राप्त करने के लिए और मछुआरों और तटीय क्षेत्र की आबादी की जानमाल की सुरक्षा के लिए निवारक उपायों हेतु प्रचार–प्रसार करने के लिए आईएमडी के साथ निरंतर संपर्क बनाए रखा जा रहा है।

तटीय सुरक्षा सम्मेलन – कोलम्बो सुरक्षा कॉन्क्लेव के तत्वाधान में दिनांक 1 से 2 दिसंबर, 2022 तक चेन्नई में तटीय सुरक्षा सम्मेलन का आयोजन किया गया था। तटीय सुरक्षा सम्मेलन में अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय तटीय सुरक्षा हितधारकों की भागीदारी हुई। सदस्य देशों अर्थात मालदीव, श्रीलंका और मारीशस के तटीय सुरक्षा शिष्टमंडल ने भाग लिया और बांग्लादेश से एक प्रतिनिधि ने प्रेक्षक के रूप में भागीदारी की। श्री गिरिधर अरमने, आईएएस, रक्षा सचिव ने प्रथम तटीय सुरक्षा सम्मेलन 2022 का शुभारंभ किया और भारत के राष्ट्रीय उप–सुरक्षा सलाहकार, श्री विक्रम मिश्री, आईएफएस मुख्य अतिथि थे। तटीय सुरक्षा सम्मेलन की थीम तटीय सुरक्षा के लिए सहयोगात्मक प्रयास थी। इस सम्मेलन में भारतीय समुद्री क्षेत्र के देशों का एक साथ आना सामान्य समुद्री एवं सुरक्षा प्लेटफार्मों पर उप प्रादेशिकता के विकास को दर्शाता है और यह प्रगति के व्यापक वैश्विक संदर्भ में महत्वपूर्ण है। तटीय सुरक्षा बल से तटीय सुरक्षा बल सहयोग को प्रमुखता।

सशस्त्र बल चिकित्सा सेवाएं (एएफएमएस)

एएफएमएस रक्षा कार्मिकों और उनके परिवारों को समर्पित, विश्वसनीय और व्यापक स्वास्थ्य सेवा प्रदान करता है। फील्ड में तैनात अर्ध–सैनिक संगठनों और देश के अशांत और अग्रिम क्षेत्रों में कार्यरत अन्य केंद्रीय पुलिस/खुफिया संगठनों और सामान्य आरक्षी अभियांत्रिकी बल (जीआरईएफ) की इकाइयों के कार्मिकों को भी स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जाती है। देश के भीतर भूतपूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों को भी चिकित्सा सेवा प्रदान की जाती है। प्राकृतिक आपदाओं, संकट के दौरान और युद्ध क्षेत्र में यह असैनिक जनसमुदाय को भी सेवा प्रदान करता है।

एएफएमएस, थलसेना, नौसेना और वायुसेना की चिकित्सा सेवाओं और सशस्त्र बल चिकित्सा सेवा महानिदेशालय (डीजीएएफएफएस) से मिल कर बना है। प्रत्येक चिकित्सा सेवा लेफ्टि. जनरल अथवा समतुल्य रैंक के चिकित्सा सेवा महानिदेशक (डीजीएमएस) के तहत आती है। इस सेवा के प्रमुख डीजीएएफएमएस, रक्षा मंत्रालय के चिकित्सा सलाहकार हैं और चिकित्सा सेवाएं सलाहकार समिति के अध्यक्ष हैं। एएफएमएस में सैन्य चिकित्सा कोर (एएमसी), एएमसी (गैर–तकनीकी), सैन्य दंत चिकित्सा कोर (एडीसी) और सैन्य नर्सिंग सेवा (एमएनएस) शामिल हैं। यहां 132 सशस्त्र सेना अस्पताल हैं। एएमसी, एडीसी, एमएनएस और एएमसी (एनटी) की स्वीकृत संख्या क्रमशः 7937, 788,5358 और 377 हैं।

सशस्त्र सेना चिकित्सा सेवा में आधुनिकीकरण/अवसंरचना

कमान अस्पताल में आयुर्वेद क्लिनिक (पूर्वी कमान) – क्षेत्रीय अध्यक्ष एडब्ल्यूडब्ल्यूए द्वारा आयुर्वेद क्लिनिक का शुभारंभ दिनांक 8 जून, 2022 को किया गया था।

एएफएमएस में आयुर्वेद (2022)

(क) एएफएमएस की स्वास्थ्य संस्थाओं में दो वर्षों के लिए ओपीडी सेवाओं के रूप में आयुर्वेद की सेवाओं के विस्तार के लिए गांधीनगर में दिनांक 21 अप्रैल, 2022 को वैश्विक आयुष निवेश एवं नवाचार सम्मेलन में रक्षा मंत्रालय और आयुष मंत्रालय के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए थे। रक्षा मंत्रालय/डीजीएएफएमएस के अधीन स्वास्थ्य संस्थान के तहत इंटीग्रेटिंग आयुर्वेद संबंधी एक जीएसएल दिनांक 13 मई, 2022 को अनुमोदित किया गया था। आयुष मंत्रालय के तकनीकी मार्गदर्शन में दिनांक 1 जुलाई, 2022 को निम्नलिखित 12 एएफएमएस अस्पतालों में आयुर्वेद ओपीडी परिचालित किए गए थेः–

सेना

(i)	बेस अस्पताल दिल्ली कैंट (ओपीडी एवं प्रशामक देखरेख केन्द्र)
(ii)	कमान अस्पताल (पश्चिमी कमान), चंडीमंदिर
(iii)	कमान अस्पताल (केंद्रीय कमान), लखनऊ
(iv)	कमान अस्पताल (दक्षिणी कमान), कोलकाता
(v)	कमान अस्पताल (दक्षिणी कमान), पुणे
(vi)	सैन्य अस्पताल, जबलपुर
(vii)	166 सैन्य अस्पताल
(viii)	सैन्य अस्पताल, जयपुर
(ix)	151 बेस अस्पताल

नौसेना	(i) आईएनएचएस अश्विनी, मुम्बई
वायु सेना	(i) कमान अस्पताल वायु सेना, बैंगलुरू (ii) 11 वायु सेना अस्पताल

ख) आयुर्वेद सेवाएं सेवारत सशस्त्र सेना कार्मिकों के आश्रितों और भूर्तपूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों को प्रदान की जा रही है। आयुर्वेदिक चिकित्सकों और आयुर्वेदिक भेषजज्ञ को इन केन्द्रों पर संविदात्मक आधार पर नियुक्त किया गया है। एएफएमएस द्वारा इन केन्द्रों पर ग्राहकों को सभी आवश्यक आयुर्वेदिक, औषधियां उपलब्ध कराई जा रही है। दिनांक 28 फरवरी, 2023 तक 18,842 रोगियों ने उक्त सेवाओं का लाभ उठाया है।

ग) **आयुर्वेद दिवस समारोह** – दिनांक 12 सितंबर, 2022 से 23 अक्टूबर, 2022 तक 'आयुर्वेद प्रतिदिन– आयुर्वेद सर्वत्र' की थीम पर आयुर्वेद@2047 का उत्सव मनाने हेतु एएफएमएस के आयुर्वेद केन्द्रों पर जागरूकता शिविर एवं व्याख्यानों की श्रृंखला का आयोजन किया गया था। 12 एएफएमएस अस्पतालों में आयुर्वेदिक व्यवस्था के साथ कुल 45 आयोजन किए गए थे। इन आयोजनों में लगभग 6000 लाभार्थियों ने सहभागिता की थी।

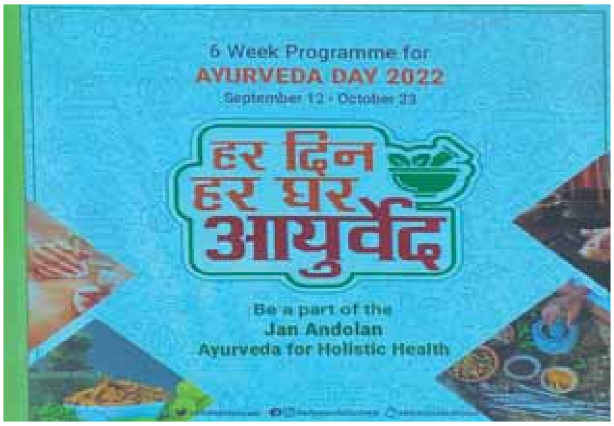

दिनांक 30 सित. 2022 को सीएचईसी कोलकाता में पोस्टर

सीएचसीसी लखनऊ में आयोजित समारोह

166 एमएच, जम्मू में आयुर्वेदिक आहार को प्रोत्साहन

सशस्त्र सेना चिकित्सा सेवाओं में आटोमेशन/डिजीटलीकरण

आयुप्रविधा – आयुप्रविधा एक नौसैनिक एकीकृत डोमेन आधारित साफ्टवेयर एप्लीकेशन है जिसका उद्देश्य वार्षिक चिकित्सा परीक्षा (एएमई)/आवधिक चिकित्सा परीक्षा (पीएमई) के संचालन (वर्क फ्लो) का डिजीटलीकरण करना है। इस एप्लीकेशन को एनयूडी पर दिनांक 02 नवंबर, 22 से प्रयोग के लिए उपलब्ध कराया गया है।

सेहत – स्वास्थ्य सहायता एवं टेलीकंसल्टेशन (सेहत) सेवा एचक्यू आईडीएस (मेड) की फ्लैगशिप परियोजना है जहां सेवारत कार्मिकों, आश्रितों और ईसीएचएस लाभार्थियों को ऑनलाइन टेलीकंसल्टेशन की सुविधा दी जाती है। माननीय रक्षा मंत्री जी ने दिनांक 21 मई, 2021 को आधिकारिक रूप से इसका शुभारंभ किया था। 10000 से अधिक टेलीकंसल्टेशन पूर्ण हुए हैं और यह एप्लीकेशन क्रमशः एंड्राइड और आईओएस वर्जन में उनके एप स्टोर्स में उपलब्ध हैं। भारतीय तट रक्षक बल को भी इसमें शामिल किया गया है और रोगियों व चिकित्सकों का पंजीकरण करना आरंभ कर दिया है। ऑनलाइन विशेषज्ञ ओपीडी परामर्श और आश्रित ग्राहकों को औषधियां प्रदान करने के लिए फार्मेसी और विशेषज्ञ ओपीडी माड्यूल को सी–डैक मोहाली के साथ विकसित किया जा रहा है। ईसीएचएस सदस्यों को ईसीएचएस कार्ड नंबर से लॉग–इन करने में सक्षम बनाने और आश्रित ईसीएचएस पालीक्लिनिकों द्वारा औषधियों के वितरण को सरल और सुगम बनाने के लिए ईसीएचएस माड्यूल को विकसित किया जा रहा है।

ई–औषधि और ई–उपकरण – सभी हितधारकों के साथ विचार विमर्श के पश्चात सी–डैक नोएडा के सहयोग से औषधि एवं उप–भोज्य (ई–औषधि) और मेडिकल उपकरण (ई–उपकरण) के लिए दो उन्नत आपूर्ति श्रृंखला एवं इन्वेंटरी प्रबंधन प्रणालियां विकसित की गई थीं। वर्तमान में, एएफएमएस की सभी चिकित्सीय इकाइयां मेडिकल स्टोर्स में उपभोज्य और उपस्कर की अधिप्राप्ति और मांग के लिए ई–औषधि तथा ई–उपकरण का उपयोग कर रही हैं। उच्च प्राधिकारियों से स्वीकृति के पश्चात डाटा केन्द्र की सेवाएं सी–डैक नोएडा द्वारा उनके टियर–III डाटा केन्द्र के माध्यम से भी उपलब्ध कराई जा रही है।

इसरो टेली–मेडिसीन नोड्स – आईडीएस (मेड) मुख्यालय ने डीईसीयू, इसरो अहमदाबाद के सहयोग से भारतीय थलसेना, नौसेना और वायुसेना की सभी तीनों सेवाओं में देश के विभिन्न दूरस्थ स्थानों पर 83 टेलीमेडिसीन (टीएम) नोड्स संस्थापित किए थे। वर्तमान में नोड्स कार्यशील हैं और चिकित्सीय इकाइयों द्वारा टेली कंसल्टेशन और सतत् चिकित्सीय शिक्षा कार्यक्रमों के लिए इनका उपयोग किया जाता है। आगामी तीन वर्षों के लिए सभी टीएम नोड्स को निरंतर अनुरक्षण सहायता उपलब्ध कराने हेतु आईडीएस मुख्यालय और डीईसीयू, इसरो, अहमदाबाद के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

आपदा राहत एवं यूएन मिशन

(क) थलसेना चिकित्सा कोर संयुक्त राष्ट्र के शांति रक्षक अभियान और विश्व के विभिन्न भागों में मानवीय चिकित्सा सहायता के प्रबंध हेतु प्रतिबद्ध है। यूएन मिशन में तैनात आईएमटी लेबनान के अलावा इकाइयों/अस्पतालों में 01 X लेवल III अस्पताल, 01 X लेवल II प्लस, 01 X लेवल II अस्पताल, 11 X लेवल I अस्पताल शामिल हैं। एमओएनयूएससीओ में लेवल III अस्पताल कांगो प्रजातांत्रिक गणराज्य में सभी विशेषज्ञताओं के साथ स्थापित सबसे बड़ा चिकित्सीय संस्थान है। चिकित्सीय तैनाती में एमओएनयूएससीओ (कांगो प्रजातांत्रिक गणराज्य), यूएनएमआईएसएस (दक्षिणी सूडान), यूएनआईएफआईएल (लेबनान), यूएनडीओएफ (इजराइल) एवं यूएनआईएसएफए (एबेयी) शामिल है।

दक्षिणी सूडान लेवल II अस्पताल में आपातकालीन प्रबंधन

दक्षिणी सूडान में ट्रामा प्रबंधन

आपातकालीन विभाग सूडान में ट्रामा देखभाल

हेली इवैक्यूएशन के लिए तैयारी – कांगो

(ख) वर्तमान में यूएन मिशन के निम्न मेडिकल सोपानक में **373 कार्मिक (12 ईएमई एवं 1 इंजीनियर सहित)** तैनात हैं। अस्पतालों की संक्रियात्मक तैयारी को सुनिश्चित करने के लिए **चिकित्सकीय एवं गैर–चिकित्सकीय स्टोर्स** के संबंध में **चिकित्सकीय सोपानकों** को लॉजिस्टिक सहायता उपलब्ध करायी जा रही है।

क्र.सं.	मिशन का नाम	अधिकारी	एमएनएस अधिकारी	जेसीओ/ओआर	कुल	अस्पताल की सं. और प्रकार
(i)	एमओएनयूएससीओ डीआर कांकांगो)	30	05	89	124	01xलेवल- III 02xलेवल- I 01X स्टॉफ ऑफिसर
(ii)	यूएनएमआईएसएस (दक्षिणी सूडान)	45	08	144	197	01xलेवल- II 01xलेवल- II प्लस 03xलेवल -I
(iii)	यूएनआईएफआईएल (लेबनान)	09	03	23	35	01xलेवल -1 01xआइएमटी 01X स्टॉफ ऑफिसर
(iv)	यूएनडीओएफ (इजराइल)	01	-	03	04	एलओजीसीओवाई
(v)	यूएनआईएसएफए(अबेयी)	03	-	10	13	01Xलेवल -1 01X स्टॉफ ऑफिसर

(ग) **यूएन मिशन में इंडियन एफडी हास्पिटल (आईएफएच) के लिए उत्कृष्टता प्रमाणपत्र** – आईएफएच लेवल III, एमओएनयूएससीओ (डीआर कांगो) और लेवल II प्लस, यूएनएमआईएसएस (दक्षिणी सूडान) को उनके संबंधित मिशन में स्वास्थ्य देखभाल गुणवत्ता और रोगी सुरक्षा (एचक्यूपीएस) के उच्च मानकों की उपलब्धि के लिए उत्कृष्टता प्रमाण–पत्र प्रदान किया गया है। भारतीय अस्पताल अंतर्राष्ट्रीय परिवेश में इन मानकों को अर्जित करने वाले एक मात्र अस्पताल हैं। आईएफएच लेवल II, यूएनएमआईएसएस (दक्षिणी सूडान) को फोर्स कोमोडोर की उपाधि दी गई है।

प्रमुख उपलब्धियां

एएफएमएस अस्पतालों में अंग प्रत्यारोपण

(क) एआईसीटीएस, पुणे में हृदय प्रत्यारोपण

(i) दिनांक 30 मई, 2022 को एक 15 वर्षीय किशोर मोहम्मद फरदीन मंसूरी का पहला सफल हृदय प्रत्यारोपण किया गया था, जिससे उसे जीवनदान और एक स्वस्थ भविष्य मिला।

(ii) दूसरा हृदय प्रत्यारोपण एक 53 वर्षीय सेवारत सैनिक, नायक हरपाल सिंह, डीएससी का किया गया था जो किसी वयस्क का प्रथम हृदय प्रत्यारोपण था। अंग के परिवहन में भारतीय वायुसेना की मदद से दिनांक 30 जून, 2023 को एआईसीटीएस पुणे में अंग प्रत्यारोपित किया गया था।

(ख) **एएच (आरएंडआर) में यकृत प्रत्यारोपण** – 38 वर्षीय हवलदार नरेन्द्र कुमार को नया जीवन मिला, जब एम्स से ग्रीन कारिडोर के माध्यम से यकृत को सफलतापूर्वक प्रत्यारोपित किया गया, यह तीन वर्ष पश्चात एएचआरआर में यकृत प्रत्यारोपण कार्यक्रम की उल्लेखनीय उपलब्धि है।

(ग) **कमान अस्पताल (पूर्वी कमान) में गुर्दा प्रत्यारोपण** – 4ईडब्ल्यू बिग्रेड मुख्यालय में सिग्नल कोर में तैनात 38 वर्षीय नायक बृजभान अंतिम अवस्था के गुर्दा रोगी थे और डायलिसिस पर थे और उनके लिए गुर्दा प्रत्यारोपण एक मात्र उपचार था। 01 जून, 2022 को अपोलो अस्पताल, कोलकाता में एक ब्रेन डेड रोगी मृतक के गुर्दा दान का अलर्ट मिला था। दोनों गुर्दों को निकालकर सुरक्षित किया गया जिसमें से एक गुर्दे का प्रत्यारोपण दिनांक 03 जून को कमान अस्पताल (पूर्वी कमान) कोलकाता द्वारा किया गया। नायक बृजभान को गुर्दा प्रत्यारोपण के रूप में जीवन का यह उपहार मिला। अब वह स्वस्थ हैं और डायलिसिस के बिना थलसेना को अपनी सेवा देते हुए सामान्य जीवन जी सकते हैं।

(घ) **कमान अस्पताल (पूर्वी कमान) में प्रथम वार एक साथ द्विपार्श्व काकलियर प्रत्यारोपण** – दिनांक 21 जून, 2022 को पूर्वी कमान के कमान अस्पताल (सीएचईसी) के ईएनटी विभाग ने जन्म से बधिर 4 वर्षीय बालिका में एक ही समय पर दिपार्श्व काकलियर आरोपण (सीआई) किया गया। यह युगांतरकारी शल्यक्रिया मेजर जनरल शिविंदर सिंह, कमांडेंट, सीएचईसी कोलकाता के सक्षम नेतृत्व में कर्नल सुनील गोयल (काकलियर इम्प्लांट सर्जन) द्वारा की गई थी। यह पूर्वी भारत में सरकारी अस्पताल की अपने प्रकार की पहली उपलब्धि है। सामान्य एनेस्थिसिया में यह शल्य क्रिया लगभग 3 घंटे चली थी।

(ङ) **कमान अस्पताल (पूर्वी कमान), कोलकाता में थैलसीमिया बोन मैरो प्रत्यारोपण** रोगी सुरोजीत घोष पुत्र हवलदार एस के घोष, पूर्वी कमान मुख्यालय प्रशासन शाखा सीएचईसी में किए गए थैलसीमिया बोन मैरो प्रत्यारोपण (बीएमटी) के प्रथम प्राप्त कर्ता थे और बोन मैरो प्रत्यारोपण के बाद 100 दिन पूरे कर लिए थे। उनकी चुनौतिपूर्ण यात्रा में जीवीएचडी (ग्राफ्ट–वीएस–होस्ट रोग), सीएमवी (साईटोमैगेलोवायरस संक्रमण), पीआरईएस (पोस्टिरियर रिवर्सिवल इन्सेफैलोपैथी सिंड्रोम) और स्टेटस एपिलेप्टिकस की जटिलताएं थी जिसे पूर्वी कमान के कमान अस्पताल की टीम, विशेष रूप से शिशु रोग, पैथोलाजी, टीसीईसी और अन्य विभागों ने कुशलतापूर्वक कार्य पूरा किया।

◆◆◆

रक्षा विभाग के अन्य संगठन

रक्षा संपदा निदेशालय (डीजीडीई)

डीजीडीई, नई दिल्ली 62 छावनियों में रक्षा भूमि एवं नागरिक प्रशासन के प्रबंधन से संबंधित परामर्शदाता और कार्यपालक का कार्य निष्पादित करता है। यह वर्तमान में जम्मू, चंडीगढ़, कोलकाता, लखनऊ, पुणे और जयपुर में स्थित छः प्रधान निदेशालयों के माध्यम से कार्य करता है। प्रधान निदेशालय क्रमशः अनेक फील्ड कार्यालयों अर्थात 39 रक्षा संपदा कार्यालय, 04 सहायक रक्षा संपदा कार्यालय और 62 छावनी बोर्ड का पर्यवेक्षण करता है। इन फील्ड कार्यालयों को देश भर की रक्षा भूमि और छावनी बोर्डों का दिन–प्रतिदिन के प्रबंधन का कार्य सौंपा गया है।

191	छावनी बोर्डों द्वारा संचालित स्कूल और कालेज
28	कंप्यूटर एप्लीकेशन, आटोमोबाइल मरम्मत, इलेक्ट्रानिक और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी एप्लीकेशंस आदि में प्रशिक्षण प्रदान कर रहे कौशल विकास केन्द्र।
28	चिकित्सीय जांच, परामर्श जैसी विशेष आवश्यकताओं के लिए दिव्यांग बच्चों हेतु केन्द्र
74	अस्पताल एवं डिस्पेंसरी

नई पहल

नवीनतम प्रौद्योगिकियों के प्रयोग द्वारा भूमि सर्वेक्षण

सभी 62 छावनियों के ड्रोन सर्वेक्षण का कार्य शुरू किया गया था। सेवा शुल्कों जिसका भुगतान संबंधित एजेंसियों द्वारा छावनी बोर्डों को किया जाना है, के सत्यापन के लिए छावनियों में बी–1 (केन्द्र सरकार) और बी–2 (राज्य सरकार) पर निर्मित क्षेत्र की गणना के लिए 5 सेंमी. की आकाशीय रिजोल्यूशन से युक्त उच्च रिजोल्यूशन ड्रोन के चित्रों का उपयोग किया जा रहा है। संपत्ति कर के आकलन का संशोधन करने के दौरान भवन के भू–क्षेत्र अथवा फुटप्रिंट का सटीक निर्धारण करने में इस सूचना का आगे उपयोग किया जाएगा जिससे छावनी बोर्ड और सीईओ की संपत्ति कर के अपवंचन अथवा कम आकलन से बचने में मदद मिलेगी। यह चरम पारदर्शिता और जवाबदेही को सक्षम बनाएगा और स्थानीय अधिकारियों पर निगरानी करने में महत्वपूर्ण सुधार लाएगा।

उत्कृष्टता केन्द्र (सीओई) :

दिसंबर, 2021 में रक्षा संपदा निदेशालय के तत्वावधान में भूमि सर्वेक्षण हेतु एक उत्कृष्टता केन्द्र (सीओई) स्थापित किया गया है। उत्कृष्टता केन्द्र ने जीआईएस और रिमोट सेंसिंग प्रौद्योगिकियों का उपयोग किया है और रक्षा भूमि के भूमि उपयोग विश्लेषण के लिए कस्टमाइज्ड भूमि उपयोग विश्लेषण टूल को विकसित किया है जो कि विभिन्न श्रेणियों अर्थात रिक्त भूमि, निर्मित क्षेत्र, वनस्पति, सड़क और जल स्रोतों में भूमि के वर्गीकरण के लिए ओपन सोर्स सैटेलाइट इमेजरी और ओपन सोर्स जीआईएस प्लेटफार्म का उपयोग करता है। किसी मानवीय हस्तक्षेप के बिना भूमि के वर्तमान उपयोग का पता लगाकर एक पॉकेट में रक्षा भूमि के इष्टतम उपयोग और प्रबंधन में इसका उपयोग किया जा रहा है जिससे समय और परिश्रम की बचत हो रही है। इस प्रौद्योगिकी का अधिग्रहण और भूमि हस्तांतरण के मामलों के विश्लेषण के लिए उपयोग किया जाता है।

कीमती रक्षा भूमि के अतिक्रमण पर रोक लगाने और साथ ही रक्षा भूमि की प्रभावी रूप से निगरानी करने की एक और पहल के रूप में सैटेलाइट इमेजरी आधारित चेंज डिटेक्शन माड्यूल को विकसित किया गया है। यह माड्यूल विभिन्न स्रोतों से टाइम सीरिज सैटेलाइट

इमेजरी का उपयोग करता है और रक्षा भूमि पर परिवर्तनों का पता लगाना है। तत्पश्चात मुख्यालय द्वारा इन अतिक्रमणों के संबंध में सीईओ/डीईओ द्वारा की गई कार्रवाई की निगरानी की जाती है। इस प्रकार, यह मानवीय हस्तक्षेप को कम करता है और तंत्र में खामियों को रोकता है तथा स्थानीय अधिकारियों की जानकारियों को स्वतंत्र रूप से सत्यापित करता है।

3डी चित्र विश्लेषण एवं कल्पना साफ्टवेयर का विकास पर्वतीय क्षेत्रों के 3डी चित्र विश्लेषण एवं कल्पना के लिए ज्ञान साझेदार एनएएससीईएनटी इन्फों टेक्नोलॉजीज, अहमदाबाद के सहयोग से सोओई–सर्वे I द्वारा किया गया है। यह साधन गुणवत्तापूर्ण, व्यापक तथा समग्र आंकड़ा और कल्पना के आधार पर शीघ्र निर्णय लेने में सक्षम बनाते हुए पर्वतीय और दुरूह क्षेत्रों के प्रभावी और इष्टतम भूमि प्रबंधन में सहायता करता है।

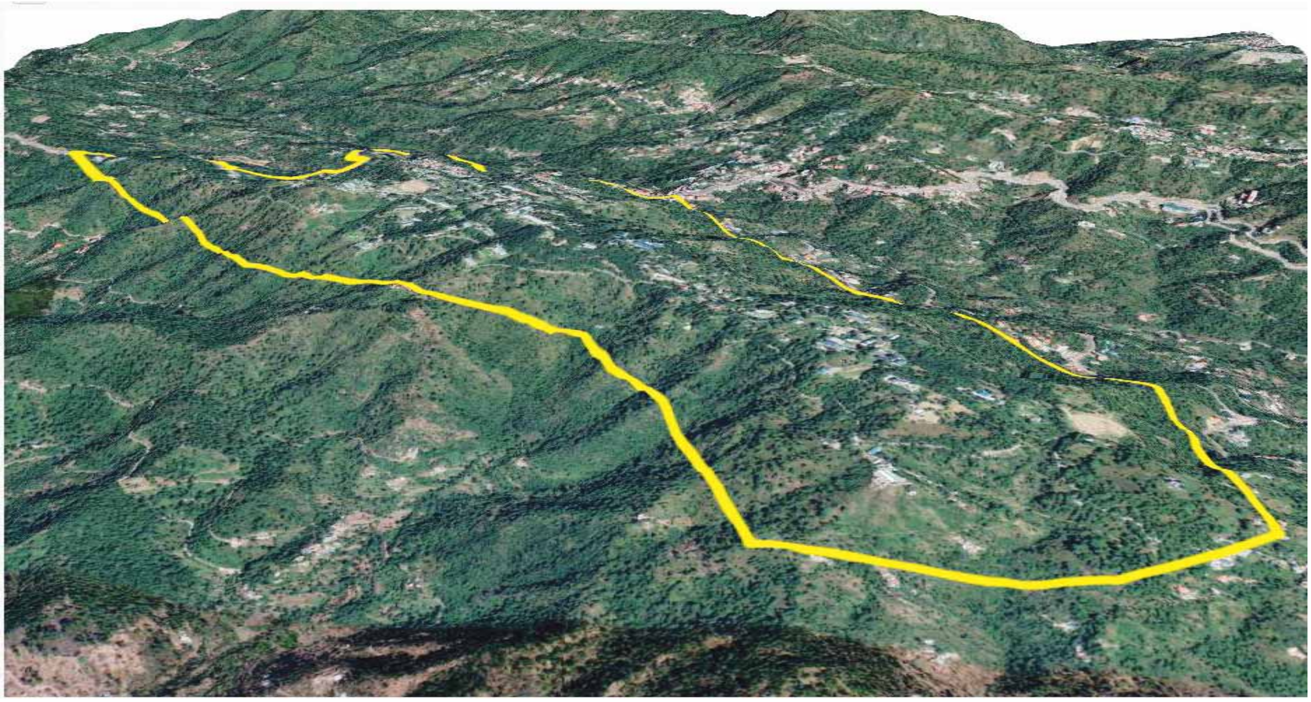

3डी कल्पना संबंधी तकनीक

ईछावनी परियोजना

ई–छावनी के माध्यम से प्रदान की जा रही 14 प्रमुख सेवाओं के अतिरिक्त 191 विद्यालयों में 6 प्रादेशिक भाषाओं अर्थात बंगाली, गुजराती, हिन्दी, कन्नड़, मराठी और तमिल में सुविद्या (बहुभाषी छावनी बोर्ड स्कूल प्रबंधन माड्यूल) भी आरंभ किया गया है जिसमें 15 राज्यों के 52 छावनी बोर्ड शामिल हैं और 75085 विद्यार्थी लाभान्वित हो रहे हैं। डीजीडीई द्वारा ऑनलाइन दाखिला, स्थानांतरण प्रमाण–पत्र को जारी करने, होमवर्क और एसाइमेंट, शिकायत/घटना की सूचना, अधिसूचना और फीडबैक एवं सुझाव आदि जैसी ऑनलाइन सेवाएं प्रदान करने के लिए बाहरी परामर्शदाताओं की कुछ तकनीकी सहायता के साथ आंतरिक रूप से स्कूल प्रबंधन प्रणाली विकसित की गई है।

भूमि रक्षा (अतिक्रमण निवारण माड्यूल)

रक्षा भूमि के अतिक्रमण निवारण की प्रभावकारी और कारगर निगरानी के लिए रक्षा संपदा महानिदेशालय (डीजीडीई) ने डीईओ/सीईओ सार्वजनिक परिसर (अनधिकृत अधिभोगी का निष्कासन अधिनियम, 1971) के अधीन नियुक्त संपदा अधिकारियों जो अनधिकृत अधिभोगी के निष्कासन के लिए उक्त अधिनियम के अनुसार विभिन्न नोटिस और आदेश को जारी करने में सक्षम होंगे, को अतिक्रमण की सूचना देने में सुगमता के लिए रियल टाइम रिकार्ड प्रबंधन परियोजना (आरटीआरएम) के तहत एक माड्यूल विकसित किया है। यह रक्षा भूमि से अतिक्रमण हटाने के लिए समयबद्ध कार्रवाई की सभी स्तरों पर पहल करने और निगरानी करने में अत्यधिक सहायक होगा।

सैनिक स्कूल सोसाइटी

- **साझेदारी पद्धति में 100 नए सैनिक स्कूलों की स्थापना** – सरकार ने एनजीओ/निजी विद्यालयों/राज्य सरकारों के साथ साझेदारी में कक्षा 6 से आरंभ करके श्रेणीबद्ध तरीके से 100 नए सैनिक स्कूलों की स्थापना की पहल को स्वीकृति दी है। इस पहल के तहत सैनिक स्कूल सोसाइटी द्वारा 19 स्कूलों के साथ समझौता ज्ञापन (एमओए) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। मार्च, 2023 तक 18 एनजीओ/निजी/राज्य सरकार के विद्यालयों ने सैनिक स्कूल सोसाइटी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। मार्च, 2023 तक इन विद्यालयों में 1048 (912 लड़के एवं 136 लड़कियों) विद्यार्थियों ने दाखिला ले लिया था।

- **अखिल भारतीय सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा (एआईएसएसईई)–2023** – नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) द्वारा शैक्षिक वर्ष 2023–24 के लिए देश भर के 33 सैनिक स्कूलों में छठी कक्षा और नौवीं कक्षा में दाखिला के लिए दिनांक 8 जनवरी, 2023 को अखिल भारतीय सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा (एआईएसएसईई)–2023 का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया है। रक्षा मंत्रालय द्वारा अनुमोदित साझेदारी पद्धति में खोले गए 18 नए सैनिक स्कूलों को शैक्षिक वर्ष 2023–24 में सैनिक स्कूल स्ट्रीम की छठी कक्षा में दाखिला भी एआईएसएसईई 2023 के माध्यम से कराए गए थे। एआईएसएसईई–2023 का परिणाम दिनांक 24 फरवरी, 2023 को घोषित किया गया है।

- **समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर (एमओए)** – वर्तमान सैनिक स्कूल, कझाकूट्टम के लिए सैनिक स्कूल सोसाइटी, रक्षा मंत्रालय और केरल सरकार के बीच लंबे समय से लंबित समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के मामले में दिनांक 23 फरवरी, 2023 को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर कर दिए गए हैं।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जा रहा है

बालिका कैडेट्स के लिए इंटर–हाउस एक्वाटिक्स चैंपियनशिप

सैनिक स्कूल एनसीसी कैडेट्स के लिए रेंज फायरिंग अभ्यास

1.	9 देशों की सहभागिता से 12 द्विपक्षीय विमर्श/वार्ता।
2.	5 देशों के विशिष्ट शिष्टमंडलों के साथ आयोजित 06 राउंड टेबल/पुस्तक चर्चाएं।
3.	11 प्रशिक्षण/अभिमुखीकरण कार्यक्रम, जिसमें आईटीबीपी–04, बीएसएफ–05, एसएसआईएफएस–01, रक्षा अताशे–01 शामिल थे।
4.	04 सेमिनार/वेबिनार आयोजित किए गए जिसमें से प्रमुख हैं – 'द अफ्रीकन यूनियन@20: एड्रेसिंग पीस एंड सिक्योरिटी चैलेंजेज, इंडिया एंड दि आर्कटिक: प्रोस्पेक्ट्स फॉर पार्टनरशिप और 'इंटरनेशनल कॉपरेशन फॉर केमिकल डिसआर्मामेंट: कॉम्बेटिंग केमिकल टेररिज्म'।

13वां वाई.बी चव्हाण मेमोरियल व्याख्यान देते हुए जनरल अनिल चौहान पीवीएसएम, यूवाईएसएम, एवीएसएम, एसएम, वीएसएम, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ

21वां एशियन सुरक्षा सम्मेलन– श्री अमिताभ कांत, जी20 शेरपा, उद्घाटन भाषण देते हुए।

सैन्य इंजीनियरी सेवाएं (एमईएस)

उत्तरी सीमाएं

इंजीनियर टास्क फोर्स (ईटीएफ) ने पूर्वी लद्दाख में तैनात विरचनाओं की संक्रियात्मक आवश्यकता को पूरा करने के लिए संक्रियात्मक अवसंरचना के निर्माण के लिए अथक रूप में कार्य को जारी रखा। संवर्धित सेनाओं के लिए आवास निर्माण कार्य अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी का प्रयोग करते हुए युद्ध स्तर पर पूरा किया गया जिससे उत्तरी सीमाओं पर नैतिक प्रमुख स्थापित करने में सहायता मिली।

उत्तरी सीमाओं पर फारवर्ड क्षेत्रों में संक्रियात्मक मार्गों के निर्माण के साथ अपनी सैन्य टुकड़ियों के आवागमन में सुधार लाने के लिए ठोस प्रयास किए जा रहे हैं। इंजीनियर यूनिटों के टास्ट फोर्स में मिशन रूप में कार्य किया और निर्माण कार्य की गति बनाए रखने के लिए अपेक्षित बल देने हेतु अनेक भू–भागों और मौसमी चुनौतियों पर विजय प्राप्त की है। **हाल में निर्माण कार्य की प्रगति तेज करने के लिए हैवी एक्सकेवेटर्स, स्पाइडर एक्सकेवेटर्स एवं लाइट वेट क्रोलर रॉक ड्रिल्स जैसे शामिल किए गए नई पीढ़ी के संयंत्र उपकरणों का उपयोगी रूप में प्रयोग किया गया है।**

नई पीढ़ी के उपकरणों को शामिल किया जाना

प्रौद्योगिकी इंफ्यूजन

5मी, 10मी तथा माड्यूलर तथा माउंटेन फुट ब्रिजेज का निर्माण कार्य– 5 मी., एवं 10 मी. शॉर्ट स्पान ब्रिजेज के इंडक्शन द्वारा पश्चिमी सीमाओं पर ब्रिजेज की आवश्यकताएं पूरी हो चुकी हैं। माड्यूलर ब्रिज और माउंटेन फुट ब्रिट को शीघ्र ही शामिल किए जाने की संभावना है।

3डी प्रिंटिंग– इंजीनियर्स कोर 3डी प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी का पूर्ण प्रयोग करने में तेजी से प्रगति कर रही है। उत्तरी और पश्चमी दोनों ही सीमाओं पर सैन्य टुकड़ियों के लिए स्थायी रक्षा और आवास निर्माण कार्य निष्पादित करने में 3डी प्रिंटेड टेक्नोलॉजी सम्मिलित की गई है।

देपसांग ला में 3डी प्रिंटेड पीडी परीक्षण

हरित ऊर्जा पहलें

सोलर हाइब्रिड पावर संयंत्र– उत्तरी सीमाओं पर सोलर हाइब्रिड संयंत्रों का संचालित किया जाता है जो बिजली उत्पन्न करने सोलर और वायु ऊर्जा दोनों का उपयोग करते हैं।

राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय (एनडीसी)

राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय राष्ट्रीय सुरक्षा और रणनीति के अध्ययन और प्रेक्टिस के अध्ययन के लिए भारत का शीर्षस्थ संस्थान है और यह रणनीतिक नेतृत्व का निर्णायक है। यह भारत की सशस्त्र सेनाओं और सिविल सेवाओं के चयनित वरिष्ठ अधिकारियों तथा मित्र देशों के भी भागीदारों के बौद्धिक विकास और सामरिक रूप से सुसंस्कृत बनाने के लिए समर्पित है। वर्ष 1960 में स्थापितए एनडीसी ने वर्षों से उत्कृष्टता की छवि हासिल की है और विश्व में ख्याति प्राप्त की है।

विदेशी भाषा स्कूल (एसएफएल)

एसएफएल, मुख्यालय एकीकृत रक्षा स्टाफ, रक्षा मंत्रालय के प्रशासनिक और कार्यात्मक नियंत्रणाधीन एक विख्यात विदेशी भाषा संस्थान है। यह 1948 से भारत में विदेशी भाषा अध्यापन में अग्रणी रहा है। उक्त स्कूल भारतीय सशस्त्र सेनाओं की तीनों सेनाओं और केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के कार्मिकों के लिए विदेशी भाषा सीखने में प्रशिक्षण प्रदान करता है। विदेशी भाषाएं जिनमें विदेश मंत्रालय के विशेष अनुरोध पर प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है, एसएफएल अटल भाषांतर योजना (एबीवाई) के अंतर्गत सभी यूएन और जापानी भाषाओं में विदेशी भाषा अभ्यर्थियों के लिए लिखित और मौखिक परीक्षाएं आयोजित की।

जनसंपर्क निदेशालय (डीपीआर)

जन संपर्क निदेशालय (डीपीआर) रक्षा मंत्रालय का प्रचार विंग है जो रक्षा मंत्रालय, अंतरसेना संगठनों तथा रक्षा क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रमों (डीपीएसयू) के महत्वपूर्ण समारोहो, कार्यक्रमों, उपलब्धियों तथा नीतिगत निर्णय की सूचना मीडिया और पब्लिक को प्रदान करता है। यह साक्षात्कारों, प्रेस वार्ताओं एवं प्रेस टूर्स के जरिए नेतृत्व, मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों और सशस्त्र सेनाओं के अधिकारियों के साथ मीडिया इंटरएक्शन को नियमित रूप से सुकर बनाता है। निदेशालय का मुख्यालय साउथ ब्लाक, नई दिल्ली में स्थित है। इसके देश में 25 क्षेत्रीय और शाखा कार्यालय इसके कमान में हैं।

उक्त निदेशालय सेवारत सशस्त्र सेना कार्मिकों, भूतपूर्व सैनिकों तथा आमजनता के लिए 13 भाषाओं में पाक्षिक जनरल "सैनिक समाचार" प्रकाशित करता है। सैनिक समाचार की वेबसाइट (sainiksamachar.nic.in) को प्रयोक्ता अनुकूल बनाने के लिए इसे नया रूप दिया गया है। निदेशालय का प्रसारण अनुभाग रेडियो प्रोग्राम तैयार करता है जिनको सशस्त्र सेना कार्मिकों के लिए आल इंडिया रेडियो पर प्रसारित किया जाता है। डीपीआर का फोटो प्रभाग रक्षा मंत्रालय और सशस्त्र सेनाओं से संबंधित सभी समारोहों के फोटो कवरेज की व्यवस्था करता है। आम जन के बीच व्यापक स्पेक्ट्रम की पहुंच बनाने के लिए एक समर्पित सोशल मीडिया प्रकोष्ठ स्थापित किया गया है और आज की तारीख तक डीपीआर, रक्षा मंत्रालय के सभी सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर लगभग एक मिलियन से अधिक फालोअर्स है। रक्षा मंत्रालय के महत्वपूर्ण समारोहों का ट्विटर, यूट्यूब, कू इत्यादि जैसे प्लेटफार्मों के माध्यम से सीधा प्रसारण किया जाता है। 01 अप्रैल, 2022 से 01 मार्च, 2023 तक की अवधि के दौरान डीपीआर (रक्षा मंत्रालय) ने 888 प्रेस विज्ञप्तियां, 4087 फोटो विज्ञप्तियां, 3584 ट्विट्स, 1086 फेसबुक पोस्ट्स तथा 1074 इंस्टाग्राम पोस्ट्स जारी की हैं। इसके अलावा 01 अप्रैल 22 से 31 दिसम्बर, 2022 तक कुल 232 वीडियो रक्षा मंत्रालय के यू ट्यूब चैनल पर अपलोड किए गए है।

उक्त निदेशालय ने 22 अगस्त, 2022 से 18 सितम्बर, 2022 तक मीडिया कार्मिकों को रक्षा मामलों के बारे में अधिक जानकारी देने के लिए रक्षा पत्राचार पाठ्यक्रम (डीसीसी) आयोजित किया था। पूरे देश से नौ महिलाओं सहित उनतीस पत्रकारों ने सेना, नौसेना तथा वायु सेना की विभिन्न स्थापनाओं में आयोजित कोर्स में भाग लिया था। पूर्वोत्तर क्षेत्र के मीडिया कार्मियों के लिए इस वर्ष से एक नया डीसीसी कोर्स प्रारंभ किया गया है। यह 13 से 21 सितम्बर, 2022 तक आयोजित किया गया था जिसमें ग्यारह पत्रकारों ने भाग लिया था।

विदेशों के साथ रक्षा सहयोग

वर्ष के दौरान भारत और विभिन्न देशों के बीच रक्षा सहयोग विभिन्न द्विपक्षीय और बहुपक्षीय वार्ताओं, आदान–प्रदान तथा दौरों के साथ घनिष्ठ हुआ है और इसमें विस्तार हुआ है। रक्षा सहयोग के मामलों की समग्र संरचना को विभिन्न देशों के साथ योजना रूप में और संरचना रूप में आगे लाया गया है। भारत और अन्य देशों के साथ रक्षा सहयोग की प्रमुख विशेषताएं आगामी पैराओं में दी गई हैं।

अप्रैल, 2022– मार्च 2023 के बीच महत्वपूर्ण घटनाएं

आसियान रक्षा मंत्री (एडीएमएम) प्लस बैठक

एडीएमएम प्लस एशिया प्रशांत में सुरक्षा संरचना विकसित करने में एक महत्वपूर्ण घटक है और इसकी बैठक वर्ष में एक बार आयोजित की जाती है। यह आसियान और इसके आठ वार्ता भागीदार आस्ट्रेलिया, चीन, भारत, जापान न्यूजीलैंड, कोरिया गणराज्य, रूस तथा संयुक्त राज्य अमेरिका (प्लस देशों के रूप में सामूहिक रूप से संदर्भित) के लिए एक मंच है जो उक्त क्षेत्र में शांत, स्थायित्व तथा विकास के लिए सुरक्षा और रक्षा सहयोग को सुदृढ़ करता है। पहली एडीएमएम–प्लस बैठक 12 अक्तूबर, 2010 को हनोई वियतनाम में आयोजित की गई थी। माननीय रक्षा मंत्री के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने 22–23 नवम्बर, 2022 को कम्बोडिया की अपनी यात्रा के दौरान आसियान रक्षा मंत्री प्लस बैठक और भारत–आसियान रक्षा मंत्री बैठक में भाग लिया था। उक्त यात्रा के दौरान उन्होंने यूएस सेक्रेटरी ऑफ डिफेंस श्री लायड आस्टिन और कंबोडिया के उपप्रधानमंत्री एवं राष्ट्रीय रक्षा मंत्री के साथ द्विपक्षीय बैठकें की।

एडीएमएम–प्लस को आसियान रक्षा वरिष्ठ अधिकारी बैठक (एडीएसओएम) का समर्थन प्राप्त है। एडीएसओएम की सहायता के लिए सहयोग के सात विशेषज्ञ कार्यकारी समूहों (ईडब्ल्यूजीएस) अर्थात समुद्रीय सुरक्षा (एमएस), आतंकवादरोधी (सीटी), लोकोपकारी सहायता एवं आपदा प्रबंधन (एचएडीआर), शांति आपरेशन (पीकेओ), सैन्य मेडिसन (एमएम), लोकोपकारी सुरंग कार्रवाई (एचएमए) तथा साइबर सुरक्षा हैं। इंडोनेशिया एडीएमएम और एडीएसओएम का वर्तमान अध्यक्ष है।

वर्ष 2022 में भारत–आसियान संबंधों की 30वीं वर्षगांठ के उपलब्ध में भारत–आसियान रक्षा मंत्री की प्रथम बैठक सीम, रीप, कंबोडिया में आयोजित की गई जिसे आसियान–भारत मित्रता वर्ष का भी नाम दिया गया है।

शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ)

भारत ने 16 नवम्बर, 2022 को नई दिल्ली में एससीओ सदस्य देशों के रक्षा मंत्रियों की परिषद के विशेषज्ञ कार्यकारी समूह की 15वीं बैठक की मेजवानी की थी। बैठक के दौरान एससीओ सदस्य देशों के रक्षा मंत्रियों की परिषद के फ्रेमवर्क के अंदर रक्षा सहयोग संबंधी मामलों और कार्यकलापों पर चर्चा की गई। उक्त बैठक की अध्यक्षता भारतीय पक्ष की ओर से एसीआईडीएस इंट–सी, एचक्यूआईडीएस द्वारा की गई।

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह 28 अप्रैल, 2023 को नई दिल्ली में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के रक्षा मंत्रियों के साथ

भारत अफ्रीका रक्षा वार्ता (आईएडीडी)

दूसरी भारत अफ्रीका रक्षा वार्ता (आईएडीडी) गांधीनगर गुजरात में 18 अक्तूबर, 2022 को आयोजित की गई। माननीय रक्षा मंत्री ने आईएडीडी 2022 में भाग लेने के लिए अफ्रीका के 52 राष्ट्रों के अपने समकक्षों को आमंत्रित किया था। एडीडी 18 अक्तूबर, 2022 को गांधीनगर गुजरात में आयोजित की गई थी। 19 मंत्रियों और 7 सचिव स्तर के अधिकारियों सहित 45 देशों के प्रतिनिधियों ने आईएडीडी में भाग लिया था। गांधीनगर घोषणा पत्र का वार्ता में पालन किया गया। आईएडीडी के दौरान, स्पेशल डे कवर जारी किया गया और भारत–अफ्रीका रक्षा सहयोग अवसर और चुनौतियां नामक पुस्तक का विमोचन किया गया। भारत – अफ्रीका सुरक्षा फैलोशिप प्रोग्राम की विवरणिका भी जारी की गई।

डिफेंस एक्सपो–22 के इतर माननीय रक्षा मंत्री की निम्नलिखित देशों अर्थात मारिटियनिया, मध्य अफ्रीकन गणराज्य, गैम्बिया, इथियोपिया, करबो वरेड, घाना, मालदीव, खांडा, अंगोला, दक्षिण अफ्रीका, मेडागास्कर, मोजाम्बिक तथा कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य के अपने समकक्षों के साथ द्विपक्षीय बैठकें हुई।

गांधीनगर, गुजरात में डिफेंस एक्सपो–2022 के इतर भारत–अफ्रीका रक्षा वार्ता आयोजित हुई

यूएसए

माननीय रक्षा मंत्री के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने यूएसए में 10–14 अप्रैल, 2022 को भारत–यूएस 2+2 मंत्री वार्ता के चौथे संस्करण के आयोजन के लिए वाशिंगटन डी.सी. का दौरा किया। मिनिस्ट्रियल 2+2 के बाद विस्तृत संयुक्त वक्तव्य जारी किया गया। उन्होंने हवाई में एचक्यू इंडोपाकोम का भी दौरा किया। बाद में उन्होंने सान फ्रांसिसको बे एरिया में भारतीय समुदाय के साथ चर्चा की। भारत–यूएस रक्षा सहयोग संबंधी मामलों पर भी चर्चा की गई।

भारत–यूएस 2+2 मंत्रीस्तरीय बैठक, वाशिंगटन, डीसी
हमारे पड़ोस और हिंद महासागर क्षेत्र में स्थिति के साझा आकलनों पर चर्चा की गई

यूके

माननीय रक्षा मंत्री ने 26 अप्रैल, 2022 को यूके के रक्षा अधिप्राप्ति मंत्री श्री जेरेमी क्विन और यूकेसीडीएस से मुलाकात की। मंत्री और सीडीएस ने शिष्टाचार मुलाकात की और यूके का दौरा करने के लिए माननीय रक्षा मंत्री के अनुरोध को दोहराया / बाद में यूके मंत्री और यूके सीडीएस ने उसी दिन रक्षा सचिव से मुलाकात की। बैठक के दौरान द्विपक्षीय रक्षा सहयोग पर चर्चा की गई।

रक्षा सचिव ने 03 से 05 अक्तूबर, 2022 को लंदन में भारत–यूके रक्षा परामर्शदात्री समूह (डीसीजी) की बैठक की सह–अध्यक्षता की। उक्त यात्रा के दौरान निम्नलिखित दस्तावेजों / समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए :–

(क) भारत गणराज्य के रक्षा मंत्रालय और यूनाइटेड किंगडम के रक्षा मंत्रालय के बीच संभारिकी आदान–प्रदान के बारे में समझौता ज्ञापन (एमओए)

(ख) दोनों देशों की नौसेनाओं के बीच वर्गीकृत समुद्रीय सूचना के आदान–प्रदान पर भारत–यूके तकनीकी समझौता (टीए)

(ग) इलेक्ट्रानिक प्रोपलसन क्षमता भागीदारी पर संयुक्त कार्यकारी समूह (जेडब्ल्यूजी) के लिए विचारार्थ विषय (टीओआर)

फ्रांस

दिनांक 28 नवम्बर, 2022 को माननीय रक्षा मंत्री जी और माननीय श्री सेबेस्टियन लेकोर्नूए फ्रांसीसी गणराज्य के सशस्त्र बलों के मंत्री के मध्य चौथी भारत–फ्रांस वार्षिक रक्षा वार्ता आयोजित की गई थी। वार्ता में व्यापक स्तर पर द्विपक्षीय क्षेत्रीय, रक्षा व रक्षा औद्योगिक सहयोग मुद्दों पर चर्चा की गई।

28 नवम्बर, 2022 को नई दिल्ली में फ्रांसीसी गणराज्य के सशस्त्र बलों के मंत्री, श्री सेबेरिस्टयन लेकोर्नू के साथ केन्द्रीय रक्षा मंत्री, श्री राजनाथ सिंह जी भारत–फ्रांस वार्षिक रक्षा वार्ता से पूर्व।

इज़राइल

माननीय रक्षा मंत्री जी ने 02 जून, 2022 को नई दिल्ली में इज़राइल के रक्षा मंत्री श्री बेंजामिन गैंट्ज के साथ द्विपक्षीय बैठक की। बैठक के दौरान द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और रक्षा औद्योगिक सहयोग से संबंधित विस्तृत मुद्दों पर विचार–विमर्श किया गया, जिसमें भविष्य की प्रौद्योगिकियों में अनुसंधान एवं विकास पर ध्यान केंद्रित करने के साथ ही सभी क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ाने के तरीके भी शामिल थे। दोनों देशों के मध्य मौजूदा ढांचे को और अधिक मजबूत करने के लिए रक्षा सहयोग पर भारत–इज़राइल दृष्टिकोण को अपनाया गया।

02 जून, 2022 को नई दिल्ली में द्विपक्षीय बैठक में इज़राइल के रक्षा मंत्री, श्री बेंजामिन गैंट्ज के साथ केन्द्रीय रक्षा मंत्री, श्री राजनाथ सिंह।

मिस्र

माननीय रक्षा मंत्री जी के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल ने 19—20 सितम्बर, 2022 तक मिस्र का दौरा किया। यात्रा के दौरान, उन्होंने मिस्र के अरब गणराज्य के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल—सीसी से मुलाकात की। दोनों नेता आगे सैन्य सहयोग को विकसित करने व संयुक्त प्रशिक्षण, रक्षा सह—उत्पादन और उपस्करों के रखरखाव पर ध्यान केंद्रित करने पर सहमत हुए। 19 सितम्बर, 2022 को रक्षा मंत्री व मिस्र के रक्षा एवं रक्षा उत्पादन मंत्री जनरल मोहम्मद जकी के मध्य एक द्विपक्षीय वार्ता भी हुई। बैठक के दौरान, दोनों पक्षों ने रक्षा संबंधों को मजबूती प्रदम करने के लिए उठाए जाने वाले कदमों पर चर्चा की व संयुक्त अभ्यास तथा प्रशिक्षण विशेषकर उग्रवाद निरोधक क्षेत्र में कार्मिकों के आदान—प्रदान हेतु आम सहमति व्यक्त की। दोनों मंत्रियों के द्वारा समयबद्ध रूप से भारत व मिस्र के रक्षा उद्योगों के मध्य सहयोग बढ़ाने के प्रस्तावों को चिन्हित करने पर भी सहमति व्यक्त की गई। अपने दौरे के दौरान 19 सितम्बर, 2022 को काहिरा में रक्षा क्षेत्र में सहयोग पर भारत गणराज्य के रक्षा मंत्रालय तथा मिस्र के अरब गणराज्य के रक्षा मंत्रालय के मध्य समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

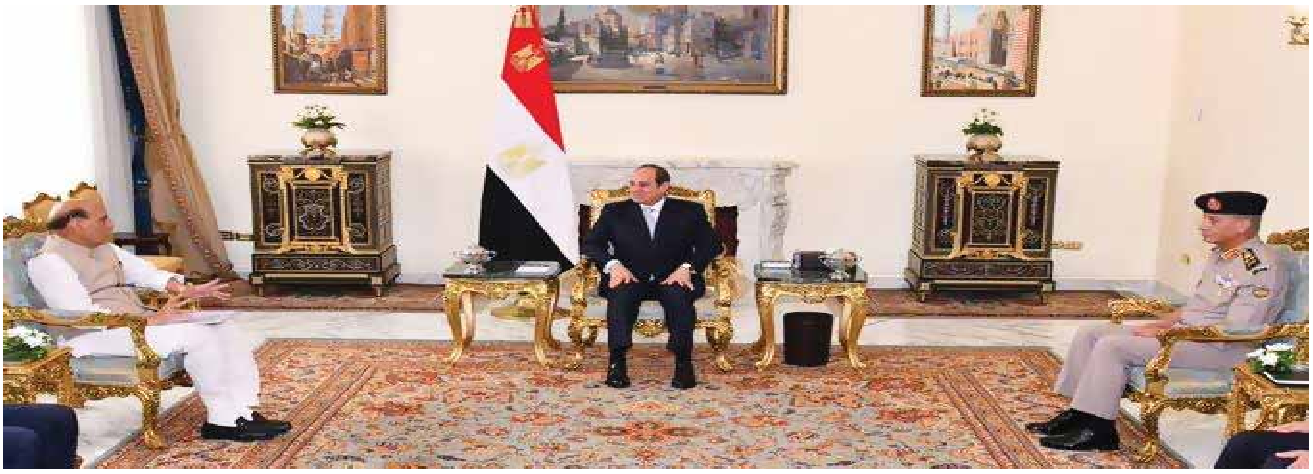

काहिरा में मिस्र के राष्ट्रपति श्री अब्देल फतह अल—सीसी के साथ माननीय रक्षा मंत्री

जापान

- वायु सेना प्रमुख (सीएसी) के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल ने 17 मई से 20 मई, 2022 तक जापान का दौरा किया।
- माननीय रक्षा मंत्री जी के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल ने जापानी समकक्षों के साथ 2+2 मंत्रिस्तरीय वार्ता हेतु 07 से 10 सितम्बर 2022 तक जापान का दौरा किया। 08 सितम्बर, 2022 को टोक्यो में भारत और जापान के मध्य एक द्विपक्षीय बैठक आयोजित की गई। यात्रा के दौरान माननीय विदेश मंत्री सहित माननीय रक्षा मंत्री जी ने जापान के प्रधानमंत्री से मुलाकात की।

08 सितम्बर, 2022 को टोक्यो में भारत—जापान 2+2 मंत्रिस्तरीय वार्ता के बाद संयुक्त प्रेस वक्तव्य में श्री राजनाथ सिंह — केन्द्रीय रक्षा मंत्री, डॉ. सुब्रह्मण्यम जयशंकर केन्द्रीय विदेश मंत्री, श्री आसुकाजु हमादा रक्षा मंत्री, जापान और श्री योशिमासा हयाशी — विदेश मंत्री, जापान

आस्ट्रेलिया

आस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री व रक्षा मंत्री श्री रिचर्ड मार्ल्स ने 20–23 जून, 2022 तक भारत का दौरा किया और माननीय रक्षा मंत्री जी से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान दोनों मंत्रियों ने भारत व आस्ट्रेलिया के मध्य रक्षा सहयोग को और विस्तार देने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

नौसेना प्रमुख ने 26 सितम्बर, से 28 अक्तूबर, 2022 तक आस्ट्रेलिया का दौरा किया।

30 अक्तूबर, से 02 नवम्बर, 2022 तक विशाखापत्तनम में भारतीय नौसेना ने आस्ट्रेलियाई जहाजों की पोर्टकॉल के दौरान अपने इंडो–पैसिफिक एंडेवर (आईपीई) – 22 में आस्ट्रेलियाई रक्षा बल (एडीआर) सहित भाग लिया। (आईपीई–22 तक अंतर्राष्ट्रीय भागीदारी है जिसका उद्देश्य इंडो–पैसिफिक क्षेत्र में आस्ट्रेलिया की संपूर्ण सरकारी प्रतिबद्धता और साझेदारी को मजबूत करना है। इसमें शिष्टाचार कॉल्स, एसएमई वार्ताएं, पारस्परिक जहाज दौरे, पैसिफिक गतिविधि आदि के मानक हार्वर क्रियाकलापों के साथ एक 'पोर्ट कॉल' शामिल है।

बांग्लादेश

अगस्त 2022 में नई दिल्ली में बांग्लादेश के साथ चौथे वार्षिक रक्षा संवाद का आयोजन किया गया था।

साइप्रस

दिनांक 29 से 31 दिसम्बर, 2022 के अपने दौरे के दौरान माननीय विदेश मंत्री के द्वारा 29 दिसम्बर, 2022 को साइप्रस के साथ रक्षा एवं सैन्य सहयोग पर समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किया गया था।

मंगोलिया

दिनांक 05.07.2022 तक माननीय रक्षा मंत्री जी के नेतृत्व अधीन प्रतिनिधिमण्डल ने मंगोलिया का दौरा किया। दौरे के दौरान, मंगोलिया में भारत के द्वारा स्थापित किए गए साइबर सुक्षा प्रशिक्षण केंद्र (सीएसटीसी) का उद्घाटन किया गया था। माननीय रक्षा मंत्री जी के द्वारा भारत–मंगोलिया फ्रेंडशिप स्कूल का नींव पत्थर रखा गया।

केन्द्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह और मंगोलिया के रक्षा मंत्री ले. जनरल जी. सेखानबयार ने 06सितम्बर, 2022 को मंगोलिया के उलानबटार में राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय में भारत सरकार की सहायता से निर्मित साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन किया।

नेपाल

सेनाध्यक्ष (सीओएएस) ने सितम्बर, 2022 में नेपाल का दौरा किया और नेपाल की सेना के द्वारा उन्हें जनरल की मानद रैंक प्रदत्त की गई।

न्यूजीलैंड

अक्तूबर, 2022 में नौसेनाध्यक्ष (सीएनएस) के न्यूजीलैंड दौरे के दौरान व्हाईट शिपिंग इंफार्मेशन एक्सचेंज पर तकनीकी समझौते पर भारत और न्यूजीलैंड ने हस्ताक्षर किए।

श्रीलंका

भारत व श्रीलंका ने श्रीलंकाई सशस्त्र बलों के क्षमता निर्माण के लिए कई समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए, जिसमें 4000 टन के फ्लोटिंग डॉक का प्रावधान, श्रीलंकाई वायु सेना को भारतीय नौसेना डोर्नियर को लीज़ पर देना और श्रीलंकाई नौसेना के लिए समुद्री बचाव समन्वय केंद्र की स्थापना शामिल है।

वियतनाम

माननीय रक्षा मंत्री के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल ने दिनांक 07 से 10 जून, 2022 तक वियतनाम का दौरा किया। दौरे के दौरान, दोनों देशों के मध्य 'म्यूच्यूअल लॉजिस्टिक सपोर्ट (एमएलएस)' और 'रक्षा सहयोग 2030 पर भारत–वियतनाम ज्वाइंट विज़न स्टेटमेंट (जेवीएस)' पर समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किया गया था।

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह, वियतनाम के रक्षा मंत्री जनरल फान वान गियांग के साथ। दोनों मंत्रियों ने द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने पर बातचीत फिर से शुरू की।

- केप से रियो रेस 2023 के 50वें संस्करण में आईएनएसवी तारिणी ने हिस्सा लिया था, जिसमें दो महिला अधिकारियों सहित पांच अधिकारियों वाला भारतीय नौसेना का दल शामिल था।

भारतीय नौसेना नौकायान पोत तारिणी 6 महीने लंबे ट्रांसओशनिक अंतरमहाद्वीपीय अभियान के बाद भारत लौट आया, जो 17 नवम्बर, 22 को गोवा में शुरू हुआ और 24 मई, 23 को उसी स्थान पर पूर्ण हुआ।

- 24 फरवरी से 04 मार्च, 2022 तक विशाखापट्टनम में द्विपक्षीय बहुस्तरीय अभ्यास एमआईएलएएन के 11वें संस्करण का संचालन किया गया था। 01 से 04 मार्च, 22 तक अभ्यास के समुद्री चरण का संचालन किया गया था जिसमें 23 जहाजों, सात विमानों और एक पनडुब्बी के द्वारा हिस्सा लिया गया, जिसमें 13 देशों की इकाइयां शामिल थीं।

- 28 फरवरी से 15 मार्च, 2022 तक बेलगाम, कर्नाटक में भारतीय सेना और जापान ग्राउंड सेल्फ डिफेंस फोर्स (जेजीएसडीएफ) के मध्य द्विपक्षीय अभ्यास धर्म गार्जियन अभ्यास के तीसरे संस्करण का संचालन किया गया था।

कैंप इमाजु, जापान में संयुक्त सैन्य अभ्यास धर्म गार्जियन 14 दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान, दोनों सेनाओं के सैनिकों ने शहरी इलाकों में आतंकवाद विरोधी अभियानों में विशेषज्ञता और अनुभव साझा किए।

- आईएनएस कार्मुक ने डोर्नियर विमान के साथ 05 से 06 मई, 2022 तक अंडमान सागर में रॉयल थाई नेवी एचटीएमएस सैबुटी के साथ इंडो–थाई कोऑर्डिनेटेड पैट्राल (सीओआरपीएटी) में भाग लिया।
- अभ्यास 'पिच ब्लैक' अगस्त–सितम्बर, 2022 में आस्ट्रेलियाई वायु सेना द्वारा आयोजित एक द्विवार्षिक बहुपक्षीय अभ्यास है जिसमें भारतीय वायु सेना ने भाग लिया था। अभ्यास के 2022 को संस्करण में भारत और आस्ट्रेलिया के अतिरिक्त कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इंडोनेशिया, नीदरलैंड, न्यूजीलैंड, थाईलैंड, मलेशिया और अमेरिका ने भाग लिया।

एक बहुराष्ट्रीय अभ्यास – एक्स पिच ब्लैक 2022 में डार्विन, आस्ट्रेलिया में भारतीय वायु सेना की टुकड़ी।

- जापान–भारत समुद्र अभ्यास 2022 (जेआईएमईएक्स 22) का छठा संस्करण सितम्बर, 2022 में बंगाल की खाड़ी में आयोजित किया गया था। यह संस्करण जेआईएमईएक्स की 10वीं वर्षगांठ का प्रतीक है , जिसे 2012 में जापान में प्रारंभ किया गया था।

जापान – भारत समुद्री अभ्यास 2022 (जेआईएमईएक्स) का छठा संस्करण 11 सितम्बर को बंगाल की खाड़ी में भारतीय नौसेना के द्वारा आयोजित किया गया। भारतीय नौसेना का प्रतिनिधित्व तीन स्वदेशी रूप से डिजाइन एवं निर्मित किए गए युद्धपोतों के द्वारा किया गया था।

- भारतीय वायु सेना (आईएएफ) और फ्रांसीसी वायु और अंतरीक्ष बल के बीच द्विपक्षीय वायु अभ्यास का 7वां संस्करण दिनांक 12 नवम्बर, 2022 को जोधपुर में हुआ।
- अभ्यास अग्नि योद्धा का 12वां संस्करण, सिंगापुर और भारतीय सेना बीच द्विपक्षीय अभ्यास 13 नवम्बर, 2022 को शुरू हुआ और 30 नवम्बर, 2022 को फील्ड फायरिंग रेंज, देवलाली (महाराष्ट्र) में पूरा हुआ।
- अभ्यास ऑस्ट्राहिंद, भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पलटन स्तर पर एक विशेष बलों की द्विपक्षीय अभ्यास 28 नवम्बर से 11 दिसम्बर, 2022 को आयोजित हुआ था।
- भारतीय नौसेना और इन्डोनेशिया नौसेना के बीच भारत – इंडोनेशिया समन्वित गश्त (इन–इन्डों कोर्पेट) का 39वां संस्करण 8–19 दिसम्बर, 2022 को आयोजित किया गया था।
- इंडो–काजखिस्तान संयुक्त प्रशिक्षण अभ्यास "कजिन्द–22" का संस्करण 15 से 28 दिसम्बर, 2022 को संचालित किया गया था।
- भारत और नेपाल के बीच इंडो नेपाल संयुक्त प्रशिक्षण अभ्यास "सूर्याकिरण–XVI" का 16वां संस्करण नेपाल सेना युद्ध दृ विद्यालय, सलिझंडी (नेपाल) में 16 से 29 दिसम्बर, 2022 को संचालित हुआ।
- भारतीय नौसेना ने काकाडू एक संयुक्त बहुपक्षिय नौसेना अभ्यास में भाग लिया था। भारतीय नौसेना ने डार्विन तटिय से दिनांक 12–25 सितम्बर, 2022 से रॉयल आस्ट्रालियन नौसेना (आरएएन) द्वारा मेजबानी किया गया (आरएएफ) संयुक्त द्विपक्षीय बहुपक्षिय नौसेना अभ्यास में भाग लिया और रॉयल वायु सेना (आरएएफ) का समर्थन किया।
- भारत और नेपाल ने दिसम्बर, 2022 को नेपाल में सूर्याकिरण अभ्यास का 11वें संस्करण का संचालन किया। क्षमता निर्माण के हिस्से के रूप में भारत ने रक्षा भण्डार की आपूर्ति की जिसमें खदान संरक्षित वाहन, सिम्यूलेटर्स और चिकित्सकिय भण्डार शामिल थे।

◆◆◆

रक्षा उत्पादन विभाग

सत्यमेव जयते

रक्षा मंत्रालय
MINISTRY OF
DEFENCE

रक्षा उत्पादन विभाग

रक्षा उत्पादन विभाग (डीडीपी) की स्थापना नवम्बर, 1962 को रक्षा के लिए आवश्यक हथियार / प्रणाली / पटल / उपकरणों के उत्पादन के लिए एक विस्तृत उत्पादन अवसंरचना के विकास के उद्देश्य से किया गया था। कुछ वर्षों में, विभाग ने रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के माध्यम से विभिन्न रक्षा उपकरण के लिए विस्तृत उत्पादन सुविधाओं की स्थापना की है और निजी रक्षा उद्योग को भी सुसाध्य बनाया। इन इकाइयों द्वारा विनिर्माण किए गए उत्पादों में गोलाबारूद, टैंक, सशस्त्र वाहन, वाहन, लड़ाकू और प्रशिक्षक विमान और हेलिकॉप्टर, युद्धपोत, पनडुब्बी, मिसाइल और सभी प्रकार के नौसेना पोत, युद्धसामग्री, इलेक्ट्रानिक उपकरण, अर्थमूविंग उपकरण, स्पेशल अलॉय और स्पेशल पर्पज स्टील शामिल है।

1. भारतीय रक्षा उद्योग का निर्यात आयात प्रोफ़ाइल:

भारतीय रक्षा उद्योग की निर्यात आयात रूपरेखा पिछले 05 वर्षों के दौरान निर्यात किए गए महत्वपूर्ण रक्षा उपकरण में हथियार सिम्यूलेटर, आंसू गैस लांचर, टॉरपिडो लोडिंग यंत्र, अलार्म मॉनिटरिंग एवं कंट्रोल, नाइट विजन मोनोक्यूलर एंड बाइनोक्यूलर, लाइट वेट टॉरपिडो एवं अग्निशमन प्रणाली, आर्मड प्रोटेक्शन व्हीकल, वेपन्स लोकेटिंग रडार, एचएफ रेडियो, तटीय निगरानी रडार इत्यादि शामिल हैं। पिछले सात वित्तीय वर्षों के निर्यात निष्पादन का विवरण निम्नानुसार है:

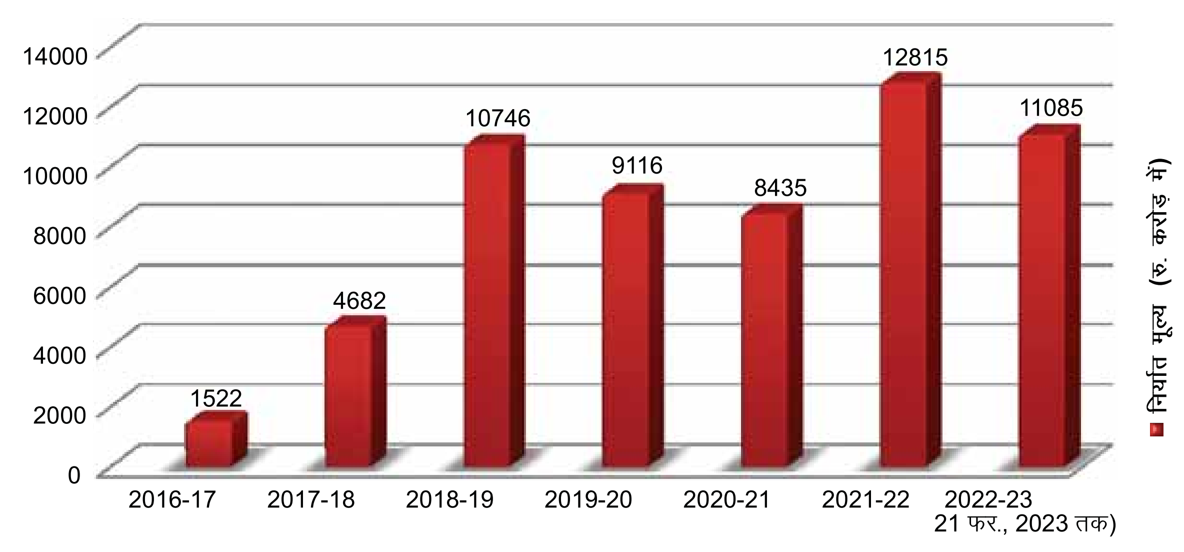

रक्षा निर्यातों, वेबिनारों को बढ़ावा देने के लिए उद्योग संस्थाओं के माध्यम से वित्तीय वर्ष 2022–23 के दौरान डीडीपी, रक्षा मंत्रालय के संरक्षण के तहत कुछ (13) वेबिनार आयोजित कर लिया गया है।

2. रक्षा स्वदेशीकरण :

(I) चल रहे स्वदेशीकरण प्रयासों में तेजी प्रदान करने के लिए आयात प्रतिस्थापन के लिए एमएसएमई/स्टार्टअप/उद्योग के विकास को समर्थन प्रदान करने के लिए एक उद्योग इंटरफेस के साथ डीपीएसयू / सेवाओं के लिए srijandefence.gov.in नामक एक स्वदेशीकरण पोर्टल लांच किया गया है। अबतक, 3931 रुपए की 5852 का स्वदेशीकरण किया गया है।

(ii) 28 अगस्त, 2022 को, डीडीपी / रक्षा मंत्रालय ने स्वदेशीकरण के लिए एक निदेशात्मक समय–सीमा के साथ 780 युद्धनीतिक रूप से महत्वपूर्ण लाइन रिप्लेसमेंट इकाई (एलआरयू) / उप–प्रणाली / संघटकों की तीसरी सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची की

अधिसूचना दी गई। इसके अतिरिक्त रक्षा मंत्रालय द्वारा विभिन्न मार्गों के अंतर्गत उद्योग द्वारा प्रारंभ किया गया अभिकल्पना और विकास के लिए 18 मुख्य प्लेटफार्म की घोषणा की गई है।

(iii) पूंजीगत अधिप्राप्ति की 'मेक' प्रक्रिया जिसका लक्ष्य स्वदेशीकरण में विकास और रक्षा उपकरण का विनिर्माण है को सरल बना दिया गया है। 31 दिसम्बर, 2022 को मेक I, के तहत तीनों–सेनाओं की 13 परियोजनाओं को सैद्धांतिक अनुमोदन प्राप्त हुआ और 1 अधिप्राप्ति संविदा जल्दी पूरा किया गया। मेक–II के अंतर्गत, तीनों सेना की 88 परियोजनाओं को सैद्धान्तिक अनुमोदन प्रदान किया गया और 36 मंजूरी आदेश भी जारी कर दिए गए हैं। मेक–III के तहत, तीनों सेनाओं की 3 परियोजनाओं को सैद्धान्तिक अनुमोदन प्राप्त हुआ।

(iv) रक्षा नवाचार संगठन (आईडीईएक्स – डीआईओ) द्वारा व्यवस्थित रक्षा उत्कृष्टता के लिए नवाचार रक्षा उद्यम का बीजारोपण, रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता और स्वदेशीकरण सहित बहुविध उदेश्यों को सक्रिय रूप से आगे बढ़ा रहा है। जिससे बेहतर रक्षा तैयारी छोटी की गई अधिप्राप्ति चक्र लागत में कमी, प्रतिभा पलायन प्रतिवर्तित करने, नौकरियों का निर्माण करने की ओर अग्रेषित करेगा। परिणाम स्वरूप, 329 स्टार्टअप / एमएसएमई को शामिल किया गया है और 31 दिसम्बर, 2022 को 147 अनुबंधों पर हस्ताक्षर किया गया है।

3. रक्षा भण्डारों और कलपुर्जों की अधिप्राप्ति के लिए ग्रीन चैनल प्रमाणन का अनुदानरू रक्षा मंत्रालय ने दिनांक 24 मार्च, 2017 के आदेश के माध्यम से रक्षा भण्डार और कलपुर्जों के लिए ग्रीन चैनल 31 दिसम्बर, 2022 को मुख्य उपकरण की आपूर्ति और कलपुर्जों का विनिर्माण करने के लिए 25 फर्मों को ग्रीन चैनल स्थिति प्रदान किया गया है।

BDL received Green Channel Certificate for Launchers Spares

4. **क्षमता आधारित कृत्रिम बुद्धिमत्तता का विकास करना :** रक्षा उत्पादन विभाग ने फरवरी, 2018 को श्री एन. चन्द्रसीकरण, अध्यक्ष टाटा सन्स के अध्यक्षता में राष्ट्रीय सुरक्षा और रक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्तता के सामरिक प्रभाव के अध्ययन के लिए एक कार्यबल का गठन किया। कार्य बल के सिफारिश के आधार पर अपने प्लेटफार्मों के लिए महत्वपूर्ण एआई आधारित उत्पाद प्रौद्योगिकियों के निर्माण और इसके लिए उपयुक्त निधियों का प्रावधान करने के लिए रक्षा पीएसयू और ओएफबी के लिए एआई रोडमैप को अंतिमरूप दे दिया गया है। कुल 106 एआई परिचालित परियोजनाएं चिन्हित की गई है। जिसमें से 40 एआई उत्पादन का पहले ही विकास किया गया है। माननीय रक्षा मत्री श्री राजनाथ सिंह ने 11 जुलाई, 2022 को नई दिल्ली में रक्षा मंत्रालय रक्षा

उत्पादन विभाग द्वारा आयोजित अपने प्रकार का पहली बार 'प्रतिरक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्तता' (एआईडीईएफ) समूलन और प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस आयोजन में सेनाओं, डीआरडीओ, डीपीएसयू, निजी उद्योग एवं स्टार्ट–अप तथा नवाचारकर्ताओं द्वारा विकसित अत्याधुनिक एआई समर्थित समाधानों तथा बाजार हेतु एआई उत्पादों का उतारने का प्रदर्शन किया गया।

एआईडीईएफ के दौरान माननीय रक्षा मंत्री द्वारा एआई प्रोजेक्ट ऑपरेटर फेटिग मॉनीटरिंग सिस्टम श्सतर्कश का उद्घाटन

इस महाआयोजन में प्रतिरक्षा के क्षेत्र में अनुप्रयोग वाले 75 नवविकसित–एआई उत्पादों / प्रौद्योगिकियों की शुरूआत की गई। ये उत्पाद ऑटोमेशन / मानवरहित / रोबोटिक्स प्रणालियां, सायबर सुरक्षा, मानव व्यवहार विश्लेषण, वैज्ञानिक निगरानी प्रणाली, संभारिकीय एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन भाषा / वायस विश्लेषण तथा कमान, नियंत्रण, संचार, कम्प्यूटर एवं आसूचना, निगरानी तथा टोह (सी4आईएसआर) प्रणालियां एवं प्रचालनात्मक डाटा विश्लेषण। इस अवसर पर एक पुस्तक का भी विमोचन किया गया जिसमें एक सशक्त आत्म–रक्षा को और सशक्त बनाने के लिए एआई के क्षेत्र में हमारे विभागों तथा सेनाओं द्वारा पहले ही कवर की गई उपलब्धियों को प्रदर्शित करने के लिए कुछ बड़े उत्पादों तथा एआई आधारित प्रौद्योगिकियों में बड़ी उपलब्धियों की विशेषकताएं बताई गईं।

5. **प्रतिरक्षा तथा एयरोस्पेस क्षेत्र में उत्कृष्ठता के लिए रक्षा मंत्री पुरस्कार**– प्रतिरक्षा एवं एयरोस्पेस क्षेत्र के विभिन्न आयामों के लिए प्रतिरक्षा एवं एयरोस्पेस क्षेत्र में उत्कृष्ठता के लिए रक्षा मंत्री पुरस्कार कुल 22 पुरस्कार विभिन्न श्रेणियों नामतः स्वदेशीकरण / आयात प्रतिस्थापन, नवाचार / प्रौद्योगिकीय नवप्रदेश एवं निर्यात में प्रदान किए गए। इन 22 पुरस्कारों में से 13 पुरस्कार निजी उद्योगों द्वारा और शेष पुरस्कार डीपीएसयू / पीएसयू द्वारा प्रदान किए गए।

6. सार्वजनिक क्षेत्र के रक्षा उपक्रमों (डीपीएसयू) द्वारा प्रमुख क्रियाकलाप :

(I) गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (जीआरएसई) :

भारतीय सेना को पोर्टेबल स्टील ब्रिज (बैले टाइप) की आपूर्ति के लिए रक्षा मंत्रालय द्वारा ग्रीन चैनल अदिप्रमाणन

आईसीजीएस कमला, एफपीवी को दिनांक 31 दिसम्बर, 2022 को सुपुर्दगी

(II) **हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड (एचएसएल) :** भारतीय नौसेना के नौसेना अध्यक्ष एडमिरल आर हरि कुमार, पीवीएसएम, एवीएसएम, वीएसएम, एडीसी की उपस्थिति में भारतीय यार्ड (एचएसएल) द्वारा पहली बार स्वदेश में निर्मित दो डाइविंग सपोर्ट व्हीकलों को साथ–साथ लौंच किया गया।

(III) **मडगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल)** : एमडीएल वर्तमान में भारतीय नौसेना के लिए युद्धपोत के निर्माण में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के लिए मिसाइल डेस्ट्रॉयर, स्टैल्स फ्रिगेट और स्कोरपीन पनडुब्बियों का निर्माण कर रहा है।

पांचवी स्कोरपीन श्रेणी पनडुब्बी श्आईएनएस वागीरश् की 20 दिसम्बर, 2022 को सुपुर्दगी

छ्ठी स्कोरपीन श्रेणी पनडुब्बी श्आईएनएस जलावतरण

आईएनएस सूरत की 17 मई, 2022 को
वागशीर' की 20 अप्रैल, 2022 को जलावतरण

(IV) **म्यूनीशंस इंडिया लिमिटेड़ (एमआईएल)** : एमआईएल ने 40 एमएमयूबीजीएल गोलाबारूद, 500 किग्रा सामान्य उद्देश्य बम और 76/62 एसआरजीएम एचईडीए गोलाबारूद का सफलतापूर्वक विकास किया है। मिशन रक्षा ज्ञान शक्ति के तहत एमआईएल ने आज की तारीख से 311 संख्या में आईपी फाइल की हैं जिनमें से 48 को मंजूरी प्रदान कर दी गई है।

(V) **इंडिया ऑप्टेल लिमिटेड (आईओएल) :** आईओएल ने स्वदेश में असॉल्ट रायफलों के लिए डे टेलिस्कोपिक साइट डिजाइन और विकसित किया है। उन्होंने टैंको के लिए ड्राइवर नाइट साइट्स का भी विकास किया है जो फ्यूजन इमेजिंग की तकनीक में सर्वप्रथम है।

असॉल्ट रायफलों के लिए डे टेलीस्कोप

फ्यूजन टेक्नॉलोजी डाइवर्स नाइट साइट

(7) **गुणवत्ता आश्वासन महानिदेशालय (डीजीक्यूए) के तहत स्टोरों का गुणवत्ता आश्वासन–** विगत चार वित्तीय वर्षों के दौरान स्टोरों की गुणवत्ता मूल्यांकन का विनिर्माता–वार मूल्य करोड़ रुपए में निम्नवत हैं :–

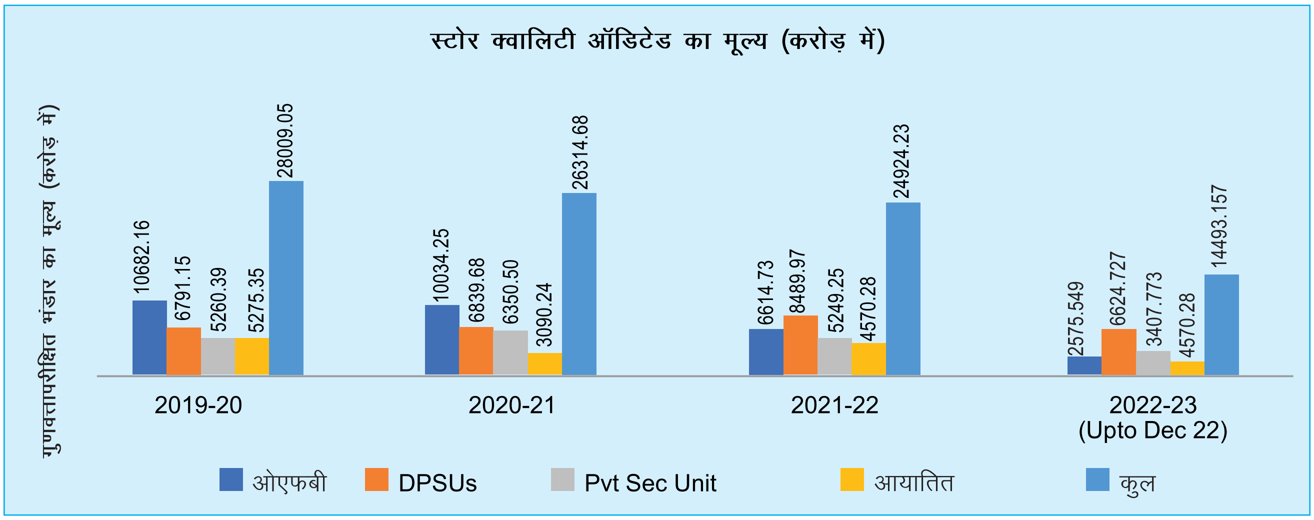

(8) **एयरोनॉटिकल गुणवत्ता आश्वासन महानिदेशालय (डीजीएक्यूए) के क्रियाकलाप :** वर्तमान वित्त वर्ष 2022–23 (दिसम्बर, 2022 तक) में नागर विमानन एवं संबंधित सेवाओं को गुणवत्ता आश्वासन कवरेज उपलब्ध कराया गया है जो 15979.9 (स्टोर का मूल्य) है।

(9) **रक्षा प्रदर्शनी संगठन (डीईओ) :**

(I) डीईएफईएक्सपीओ–2022.गांधीनगर गुजरात में रक्षा प्रदर्शनी–2022 के 12वें आयोजन 18 से 22 अक्तूबर, 2022 को सम्पन्न हुआ। भारतीय कम्पनियां, विदेशी ओईएम की भारतीय अनुषंगी कम्पनियां, भारत में पंजीकृत कम्पनी के प्रभाग भारतीय कम्पनी के साथ

संयुक्त उद्यम वाले प्रदर्शकों को भारतीय भागीदारों के रूप में विचार किया गया। रक्षा प्रदर्शनी–22 की थीम 'गौरव का पथ' थी।

यह समारोह हेलीपैड एक्जीवीशन (एचईसी) में प्रदर्शनी, कर्नेन रेजर, उद्घाटन मंथन, प्रतिरक्षा हेतु निवेश, महात्मा मंदिर एवं सम्मेलन केंद्र में बंधन और सेमीनार, साबरमती नदी मुहाना अहमदाबाद और पोरबंदर में जहाजों की आवाजाही का सीधा प्रसारण।

अल्पकालिक अवधि में 1340 प्रदर्शकों की भागीदारी जो सर्वाधिक रही है। रक्षा मंत्रालय की सक्रिय भागीदारी से प्राप्त किया गया। इस अद्भुत रक्षा प्रदर्शनी में 32 विदेश मंत्रियों सहित कुल 80 मित्र देशों ने भाग लिया।

रक्षा प्रदर्शनी–2022 भारत अफ्रीका रक्षा वार्ता के दूसरे संस्करण में भारत और अफ्रिकी देशों के बीच वार्ता के माध्यम से द्विपक्षीय सहयोग सहयोग बढ़ाने की दिशा में एक सशक्त मंच सिद्ध हुआ है। रक्षा मंत्री स्तर पर द्वितीय का भारतीय ओशनिक रीजन प्लस (आईओआर+) संगोष्ठि के परिणामस्वरूप भागीदार देशों के बीच सतत् वार्ताएं भी हुई है इस प्रकार क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा एवं उन्नति (सागर) के माननीय प्रधानमंत्री विजन को दुहराया है।

मार्क बंधन आयोजन जो रक्षा प्रदर्शनी 22 में व्यापार का सार प्रस्तुत करता है। रक्षा प्रदर्शनी–22 में भागीदारी से उपजे लगभग 1.5 लाख करोड़ रुपये के कुल व्यापार में 451 समझौता ज्ञापनों (पूर्व के रक्षा प्रदर्शनी 2020 में यह 201 समझौता ज्ञापन था) के सर्वकालिक उच्चत्म के साथ भी अप्रत्याशित रूप से सफल रहा है।

(ii) **एयरो इंडिया–23 :** एयरो इंडिया–2023 का 14वां संस्करण वायु सेना स्टेशन, येलाहांका बेंगलूरू में 13 से 17 फरवरी, 2023 को आयोजित किया था। एयरोइंडिया–23 की थीम 'दि रनवे टू ए बिलियन ऑपोर्चुनिटीज' थी और विदेशी तथा भारतीय फर्मों के बीच और भारतीय फर्मों के बीच भी भागीदारियां करने का उद्देश्य रखता है। वैश्विक मूल्य श्रृंखला में नवतर अवसरों की खोज करता है जो बदले में स्वदेशीकरण की प्रक्रिया को तीव्र बनाता है। 715+प्रदर्शकों के इस संस्करण का यह अप्रत्याशित उत्तर जो अपनी शुरूआत से ही सर्वोत्तम है, हमारे ए एंड डी व्यापार को आगे बढ़ाने में रक्षा उत्पादन विभाग रक्षा मंत्रालय के दोनों द्वैवार्षिक प्रदर्शकों की प्रदायगी को (वैश्विक हित के रूप में भी ये प्रदर्शन आम हैं) आगे और समर्थन करता है।

◆◆◆

सैन्य कार्य विभाग

सत्यमेव जयते

रक्षा मंत्रालय
MINISTRY OF
DEFENCE

भारतीय सेना

सामान्य

सुरक्षा जोखिमों की अनंत, जटिल और बाहुल्य प्रकृति के बावजूद भारतीय सेना के परिप्रेक्ष्य में विगत वर्ष काफी संतोषजनक रहा है। हमारी उत्तरी सीमाओं के पास अनवरत रूप से चुनौतियों के साथ–साथ पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के रूख और प्रशिक्षण क्षेत्रों में बढ़ती उपस्थिति आम बात हो गई है और इससे निरंतर निगरानी अनिवार्य हो गई है। हालांकि हमारी सीमाओं के पास हमारे सुरक्षा बलों के सक्रिय, संकल्पित और व्यापक उपायों से अमन और शांति सुनिश्चित हुई है। पश्चिमी सीमाओं के पास सुरक्षा स्थिति अपेक्षाकृत स्थिर रही है जबकि जम्मू और कश्मीर राज्य में आंतरिक सुरक्षा स्थिति में उल्लेखनीय सुधार देखा गया है जिससे आतंकी घटनाओं में कमी आई है। नागालैंड में बिना किसी घटना के चुनाव कराना पूर्वोत्तर राज्यों में उल्लेखनीय सुधार का प्रमाण है। पूर्वोत्तर के इतिहास में पहली बार मणिपुर में प्रतिष्ठित मेगा स्पोर्ट्स इवेंट, डूरंडकप के आयोजन को इस आलोक में एक असाधारण सफलता के तौर पर देखा गया है।

भारतीय सेना ने माननीय प्रधानमंत्री जी के आत्मनिर्भर भारत विजन के अनुरूप आधुनिकीकरण के पथ पर और नवीनतम एवं प्रौद्योगिकीय दृष्टि से परिष्कृत शस्त्र प्रणालियों तथा उपस्करों को शामिल करके अपनी सतत यात्रा को जारी रखा है। भारतीय सेना ने शुरू से आखिर तक के अनुपात के इष्टतमीकरण और सुधार सहित एक केन्द्रित बदलाव अभियान भी शुरू किया है। अग्निवीरों को इष्टतम रूप से प्रशिक्षित करने और हमारे मौजूदा रैंक एवं फाइल में शामिल करने के लिए पर्याप्त उपायों के साथ अग्निपथ स्कीम शुरू की जा रही है।

भारतीय सेना वर्ष 2023 को सैन्य बल पुनर्संरचना और इष्टतमीकरण, आधुनिकीकरण एवं प्रौद्योगिकी आमेलन, पद्धतियों, प्रक्रियाओं और कार्यों, मानव संसाधन प्रबंधन, व्यवस्था और एकीकरण के पांच मुख्य डोमेन्स संबंधी समेकित प्रगति रूपान्तरण के तौर पर मना रही है।

अवसंरचना विकासः सुदूर क्षेत्रों में अंतिम छोर तक कनेक्टिविटी प्राप्त करने पर जोर देकर अवसंरचना विकास संबंधी कार्यकलाप किए जा रहे हैं। भारतीय सेना, नागरिक प्रशासन और अन्य एजेंसियों के अनुरूप समग्र सीमावर्ती क्षेत्र का विकास कर रही है जिसमें वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम और पर्यटन को बढ़ावा देने के एक भाग के रूप में सीमावर्ती गांवों का विकास शामिल है।

डीएसडीबीओ रोड पर सरफेसिंग कार्य

ऊर्जा सक्षम आवास

कार्बन न्यूट्रल आवास

सशस्त्र बलों का आधुनिकीकरण

एकीकृत क्षमता विकास प्रणाली (आईसीएडीएस): एकीकृत क्षमता विकास योजना (आईसीडीपी) के कार्यान्वयन हेतु 'सीडीएस के लिए सुरक्षा संबंधी मंत्रिमंडल समिति के अधिदेश' को ध्यान में रखते हुए एकीकृत रक्षा स्टाफ मुख्यालय (एचक्यूआईडीएस) के तत्वावधान में आईसीएडीएस शुरू की गई है। इस आईसीएडीएस प्रक्रिया से तीनों सेनाओं में क्षमता विकास योजना प्रक्रिया में समरूपता और एकीकरण सुनिश्चित होगा। इसका उद्देश्य अधिकतम संसाधन इष्टतमीकरण और तीनों सेनाओं की योजना/अधिप्राप्ति प्रक्रिया में अति आवश्यक एकरूपता/एकीकरण शामिल करना है। आईसीडीपी: 2022–32 तैयार करने के लिए आईसीएडीएस प्रक्रिया धीरे–धीरे प्रगति की ओर अग्रसर है।

आत्मनिर्भर भारत : मेक इन इंडिया पहलें

माननीय प्रधानमंत्री जी के आत्मनिर्भर भारत के आह्वान ने सच्चे अर्थों में समाज के सभी वर्गों को प्रेरित किया है। भारतीय सेना भी मेक इन इंडिया पहल के तहत निजी उद्योग, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम स्केल के उद्यमों, शैक्षिक संस्थानों और अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशालाओं के साथ मिलकर पूरे देश में आत्मनिर्भर रक्षा पारिप्रणाली सृजित करने के लिए प्रयासरत है। विशाल प्रौद्योगिकी प्रसार वाले अपने उपस्कर की व्यापक रेंज के साथ यह 'मेक इन इंडिया' लक्ष्य को सफल बनाने में एक मुख्य भागीदार है। भारतीय सेना स्वदेशी रक्षा उद्योग के साथ समन्वित प्रयास के माध्यम से युद्ध लड़ने में प्रौद्योगिकीय उपयोग करती है।

स्वदेशीकरण निदेशालय (डीओआई) के माध्यम से स्वदेशीकरण

(क) **दीर्घावधिक स्वदेशीकरण योजना (एलटीआईपी) :** स्वदेशी आपूर्ति श्रृंखलाओं पर निर्भरता को कम करने के लिए डीओआई ने एक सक्रिय एलटीआईपी 2021–25 बनाई है। एलटीआईपी में आयात प्रतिस्थापन के तौर पर 2,852 करोड़ रु. मूल्य वाली 65 परियोजनाएं शामिल हैं।

(ख) **वित्त वर्ष (एफवाई) 2021–22 के दौरान स्वदेशीकृत मदें :** वित्त वर्ष 2021–22 में डीओआई ने 58 स्पेयर पार्ट्स/सब असेम्बली/असेम्बली का स्वदेशीकरण किया है जिसके परिणामस्वरूप 16.13 करोड़ रु. का आयात प्रतिस्थापन और डीओआई के आपूर्ति आदेश मात्र के माध्यम से 13.7 करोड़ रु. की लागत बचत हुई है। इसके आगे वर्ष दर वर्ष 5 करोड़ रु. (लगभग) की बचत होगी।

(ग) **अनुसंधान और विकास तथा प्रारंभिक निवेश में सहयोग करना :** डीओआई ने सरकारी संस्थानों अर्थात भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली के साथ मिलकर परियोजना शुरू की है जिसमें अनुसंधान और विकास का वित्तपोषण भारतीय सेना द्वारा किया जा रहा है। इससे उद्योग और शैक्षिक संस्थानों के बीच सहयोग बढ़ा है। इसी प्रकार डीआरडीओ ने पूर्व–आयात मदों के स्वदेशीकरण के लिए भी एक व्यापक परियोजना शुरू की है।

सेना डिजाइन ब्यूरो (एडीबी) : सेना डिजाइन ब्यूरो के माध्यम से भारतीय सेना ने 'मेक इन इंडिया' के माध्यम से भारतीय सेना की आधुनिकीकरण आवश्यकताओं को रेखांकित करने हेतु उद्योग और शैक्षिक संस्थानों के लिए एक व्यापक संपर्क कार्यक्रम शुरू किया है। इस समय सेना डिजाइन ब्यूरो द्वारा तीन मेक–I परियोजनाएं और 44 मेक–II परियोजनाएं संचालित की जा रही हैं। सेना की आवश्यकताओं के संबंध में 21 सेना प्रौद्योगिकीय बोर्ड (एटीबी) परियोजनाओं का भी परामर्श दिया जा रहा है। एडीबी द्वारा की गई इन पहलों की मुख्य बातें निम्नानुसार हैं :–

(क) प्रौद्योगिकी विकास निधि (टीडीएफ) के माध्यम से भारतीय सेना की छह परियोजनाओं पर काम चल रहा है।

(ख) डीआरडीओ के सहयोग से 46 डिजाइन और प्रौद्योगिकी परियोजनाओं तथा 54 प्रौद्योगिकी डेमोंस्ट्रेटर (टीडी) परियोजनाओं का कार्यक्रम चलाया जा रहा है।

(ग) उद्योग/शैक्षिक संस्थानों/स्टार्टअप पारिप्रणाली तथा विकास चरण के दौरान फोकस बनाए रखने के लिए उन्हें लगातार स्पष्टीकरण तथा दिशानिर्देश देने के साथ गहन विचार विमर्श के लिए पुणे और बेंगलुरु स्थिति दो क्षेत्रीय प्रौद्योगिकी नोड्स (आरटीएन) की स्थापना की गई है।

(घ) इन–हाउस विकसित उत्पादों और प्रौद्योगिकियों को मान्यता–चार कॉपीराइट, चार पेटेंट और पांच डिजाइन रजिस्ट्रेशन प्राप्त किए गए हैं।

(ङ) ज्वाइंट एआई इन्क्यूबेशन हब (जेएआईआईएच) के माध्यम से अनुसंधान और विकास सहयोग हेतु मार्च 2022 में मैसर्स बीईएल के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

(च) ड्रोनों के अनुसंधान एवं विकास और काउंटर ड्रोन प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने के लिए सहयोगात्मक कार्य हेतु 08 अगस्त 2022 को ड्रोन फेडरेशन ऑफ इंडिया (डीएफआई) के साथ भी एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इस क्षेत्र में स्वार्म्स और अन्य आधुनिक क्षमताएं उदीयमान प्रगति को दर्शाती हैं।

राष्ट्रीय संभार तंत्र नीति (एनएलपी)

17 सितंबर, 2022 को एनएलपी की घोषणा के परिणामस्वरूप सेना मुख्यालयों और कमान मुख्यालयों की पीएम गतिशक्ति पोर्टल तक पहुंच उपलब्ध कराई गई है। इष्टतमीकरण हेतु आगामी अवसंरचना परियोजनाओं की पहचान करने और सैन्य आवश्यकताओं के अनुरूप बनाने के लिए इस प्लेटफॉर्म का उपयोग किया जा रहा है।

क्षेत्र स्थापनाओं की अवसंरचना आवश्यकताओं को संभार तंत्र प्रभाग, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय (एमओसीआई) में प्रस्तुत करके इन्हें नागरिक अवसंरचना परियोजनाओं में शामिल किया जा रहा है। अब तक भारतीय सेना की कुल 902 अवसंरचना आवश्यकताओं को प्रस्तुत किया जा चुका है।

संभार तंत्र संबंधी विभिन्न समकालीन और भावी आवश्यकताओं का आकलन करने के लिए 12 सितम्बर, 2022 को नई दिल्ली में संभार तंत्र संगोष्ठी का आयोजन किया गया था। इस संगोष्ठी का शुभारंभ माननीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने किया था और इसमें 250 से अधिक अधिकारी, शिक्षाविद, उद्योगपति, कार्पोरेट, वेटरन और विभिन्न मंत्रालयों के प्रतिनिधि शामिल हुए थे। अधिक व्यूअरशिप के लिए इस संगोष्ठी का सीधा प्रसारण पहली बार भारतीय सेना के आधिकारिक यूट्यूब हैंडल पर किया गया था।

मित्र देशों (एफएफसी) के साथ रक्षा सहयोग

रक्षा सहयोग, मित्र (एफएफसी) देशों के साथ राजनयिक संबंधों का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। भारतीय सेना ने देशों के सौहार्द के बीच हमारे देश के बढ़ते कद के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए सैन्य सहयोग कार्यकलापों को निष्पादित करने की अपनी क्षमता में लगातार वृद्धि की है। इस समय यह 100 से अधिक देशों के साथ संपर्क में है, 45 देशों के साथ अभ्यास करती है, 70 देशों के 3,362 छात्रों को प्रशिक्षित करती है और विश्व भर में 16 प्रशिक्षण दल तैयार कर रही है। विगत दशक में रक्षा सहयोग गतिविधियों की संख्या लगभग दुगुनी हो गई है।

संयुक्त अभ्यास : संयुक्त अभ्यास, रक्षा सहयोग के फ्लैगशिप इवेंट हैं जो विविध संक्रियात्मक परिदृश्यों में भारतीय सेना की पेशेवर क्षमता को दर्शाते हैं और यह प्रतिभागियों को सर्वोत्तम पद्धतियों को पारस्परिक रूप से सीखने और कठिन टैक्निकल परिदृश्यों के दौरान अंतर–प्रचालनीयता की रिहर्सल करने का अवसर प्रदान करता है। संयुक्त अभ्यासों का स्कोप आतंकरोधी कार्रवाइयों, मानवीय सहायता और आपदा राहत, संयुक्त राष्ट्र शांति बनाए रखने, ह्यूमनीटेरियन माइन एक्शन, उच्च तुंगता कार्रवाइयों, रेगिस्तान में युद्ध प्रणाली, शहरी युद्ध प्रणाली और जंगल युद्ध प्रणाली के साथ–साथ वास्तविक और विधिवतापूर्ण है। युद्ध लड़ने और ड्रोन युद्ध प्रणाली, काउंटर यूएएस, ग्रे जोन युद्ध प्रणाली, विशेष बलों और फोर्स मल्टीप्लायर्स की तैनाती जैसी वास्तविक स्थितियों और महामारी के बैक ड्राप में कार्रवाई करने वाली आधुनिक पद्धतियों को शामिल करने से इस स्कोप की जटिलता बढ़ गई है।

वर्ष 2022 में भारतीय सेना ने दो बटालियन स्तरीय अभ्यासों को शामिल करने के लिए 15 द्विपक्षीय और दो बहुपक्षीय संयुक्त अभ्यासों में भाग लिया था। थीम और भूभाग की आवश्यकताओं की उपयुक्तता के अनुसार ये अभ्यास देश के विभिन्न भागों में आयोजित किए गए थे। आयोजन के स्थानों में बकलोह (हिमाचल प्रदेश), महाजन फायरिंग रेंजेज (राजस्थान), उमरोइ (मेघालय), त्रिवेंद्रम (केरल), वाइजैग (आंध्र प्रदेश), बेलगाम (कर्नाटक), औली (उत्तराखंड) और चौबतिया (उत्तराखंड) शामिल थे।

औली में यूएस के साथ युद्ध अभ्यास उच्च तुंगता वातावरण में एफएफसी के साथ पहला संयुक्त अभ्यास था। भारतीय सेना के एक सैन्य दल ने एक थिएटर लेवल मल्टीलेटरल एक्सरसाइज वास्तोक में भाग लेने के लिए रूस, व्लादिवोस्तक की यात्रा की। इसके अलावा, मंगोलिया में बहुपक्षीय अभ्यास केएचएएन क्वेस्ट और ऑस्ट्रेलिया के साथ अभ्यास एयूएसटीआरए हिंद को एक संपूर्ण हथियार युक्त सैन्य दल में अपग्रेड कर दिया गया था। भारतीय सैन्य दलों ने रूस द्वारा अगस्त 2022 में आयोजित इंटरनेशनल आर्मी गेम्स में भी भाग लिया था।

सैन्य प्रशिक्षणः भारतीय सैन्य संस्थानों में विदेशी छात्रों के प्रशिक्षण से उनका अधिक से अधिक संपर्क होता है और इससे विदेशी प्रशिक्षणार्थियों पर अमिट छाप पड़ती है। भारतीय सेना प्रतिवर्ष 40 भारतीय सैन्य प्रशिक्षण संस्थानों के 200 प्रकार के पाठ्यक्रमों में 70 मित्र देशों के लगभग 3000 विदेशी छात्रों को प्रशिक्षित करती है। भारत में प्रशिक्षण के अवसरों के पश्चात उच्च तुंगता युद्ध, जंगल युद्ध, सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), युवा अधिकारी पाठ्यक्रम, प्री–कमीशनिंग प्रशिक्षण, महिला अधिकारी प्रशिक्षण में विशेषज्ञ प्रशिक्षण की सबसे अधिक मांग की जाती है। अधिकांश प्रशिक्षण रिक्तियां हमारे निकटवर्तियों द्वारा अभिदत्त हैं और विगत वर्षों में यह प्रशिक्षण क्षमता इन देशों में प्रशिक्षण निर्भरताओं में बदल गई है। विदेशी सेनाओं के अनुरोधों पर भारतीय सैन्य संस्थानों में विशेष रूप से आवश्यकता के अनुरूप संवर्ग आयोजित किए जा रहे हैं। भारतीय सैन्य छात्रों को विदेशी पाठ्यक्रम संबंधी 90 से अधिक रिक्तियों के लिए मंजूरी दी गई है जिनमें से अधिकांश आला दर्जे की और युद्ध लड़ने में उभरते रुझानों अर्थात कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), साइबर, बिग डेटा, रोबोटिक्स इत्यादि से संबंधित हैं।

प्रशिक्षण दलः दक्षिण एशिया, दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के संघ (आसियान), अफ्रीका और मध्य एशिया के देशों के लगभग 1500 कार्मिकों को प्रतिवर्ष प्रशिक्षण देने के लिए 16 भारतीय सैन्य प्रशिक्षण दल (मंगोलिया, केन्या और नाइजीरिया में तीन नए प्रशिक्षण दलों सहित) विदेश में तैनात किए गए हैं। इस डोमेन में अपनी पहचान बढ़ाने के लिए पड़ोसी देशों और अफ्रीका से भारतीय सेना को बार–बार अनुरोध प्राप्त हो रहे हैं। भारतीय सेना ने अंग्रेजी और सूचना प्रौद्योगिकी के परंपरागत क्षेत्रों और आतंकवाद से निपटने, आसूचना को काउंटर करने तथा तात्कालिक विस्फोटक उपकरणों को काउंटर करने (सीआईईडी) के लिए प्रशिक्षण दलों द्वारा दी गई विषयवस्तु को विविधता प्रदान की है।

उच्च स्तरीय दौरेः कोविड महामारी के बाद वर्ष 2022 में उच्चस्तरीय दौरों के साथ–साथ रक्षा सहयोग कार्यकलाप पुनः शुरू हुए। सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, आस्ट्रेलिया, मालदीव और भूटान के सेना प्रमुखों ने भारत का दौरा किया। उन्होंने सैन्य प्रशिक्षण संस्थानों तथा भारतीय रक्षा उद्योगों का दौरा किया और रक्षा सहयोग को बढ़ाने में रुचि दिखाई। वर्ष के दौरान सीओएएस ने भूटान, बांग्लादेश, नेपाल और फ्रांस का दौरा किया। सीओएएस को अपने नेपाल दौरे के दौरान नेपाल आर्मी जनरल की मानद रैंक प्रदान की गई थी।

सैन्य उपस्कर और चिकित्सा में सहायता – निकटतम और विस्तारित पड़ोसी देशों को लगभग 25 करोड़ रु. के सैन्य स्टोर और उपस्कर उपलब्ध कराए गए हैं। इनमें हथियार, गोला बारूद, सिमुलेटर्स, चिकित्सा उपकरण, वाहन, पैराशूट, मिलिट्री एनिमल्स, कपड़े और अन्य स्टोर्स शामिल हैं। उपस्करों की हैंडलिंग और उनके रखरखाव हेतु प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण का भी आयोजन किया गया। भारतीय सैन्य चिकित्सकों के पास युद्ध हताहतों तथा अन्य रोगों के इलाज़ का विशाल अनुभव है। भारतीय सैन्य अस्पतालों में चिकित्सा उपचार को नेपाल, बांग्लादेश, भूटान और मालदीव तक विस्तारित कर दिया गया है। हमारे विशेषज्ञों को मित्र देशों द्वारा अपने चिकित्सकों को प्रशिक्षित करने और मरीजों का उपचार करने के लिए आमंत्रित किया जाता है। वर्ष 2022 में इस प्रकार के सहयोग के लिए तीन चिकित्सा प्रतिनिधि मंडलों ने विदेशी यात्रा की।

सरकारी परियोजनाओं में सहयोग करना – मेक इन इंडिया पहल में सहयोग करने के लिए हमारे रक्षा विनिर्माताओं को संयुक्त अभ्यासों और उच्चस्तरीय दौरों जैसे जारी रक्षा सहयोग कार्यकलापों के दौरान अपने उपस्कर/उत्पादों को प्रशिक्षित करने के अवसर मुहैया कराए गए हैं। विदेशों और रक्षा विनिर्माताओं द्वारा इसकी प्रशंसा की गई है। यूएसए के साथ संयुक्त अभ्यास 'युद्धाभ्यास' में हमारे रक्षा विनिर्माताओं ने उच्चतुंगता क्षेत्रों में उपयोग में आने वाले अपने उत्पादों का प्रदर्शन किया। भारतीय सेना रक्षा सहयोग कार्यकलापों में महिला अधिकारियों और सैनिकों की सहभागिता में बढ़ोतरी कर रही है।

संयुक्त राष्ट्र में योगदान

संयुक्त राष्ट्र शांति बहाली

(क) भारतीय सेना पूरे विश्व के 14 संयुक्त राष्ट्र मिशनों में से 10 में अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर संयुक्त राष्ट्र शांति बहाली कार्रवाइयों में लगातार अहम भूमिका निभाती है। यह विगत सात दशकों में शांति बहाली हेतु 2,75,000 से अधिक कार्मिकों को विभिन्न यूएन मिशनों में तैनात करके एक सबसे बड़ी सैन्य योगदान कर्ता रही है। भारतीय सेना ने प्रजातांत्रिक कांगों गणराज्य, सूडान, लेबनान, दक्षिणी सूडान, सीरिया, वेस्टर्न सहारा, सेंट्रल अफ्रीकन रिपब्लिक और साइप्रस को संयुक्त राष्ट्र मिशन में शामिल करने के लिए संयुक्त राष्ट्र झंडे के नीचे विश्व के कुछ सर्वाधिक हिंसक और अस्थिर भागों में 5,900 से अधिक सैन्य कार्मिक तैनात किए हैं। संयुक्त राष्ट्र में हमारे महत्व को बढ़ाने के लिए भारतीय सेना ने अप्रैल 2022 में पहली बार स्वदेशी उपस्करों और वाहनों के साथ एबीवाईईआई के लिए संयुक्त राष्ट्र अंतरिम सुरक्षा बल (यूएनआईएसएफए) में एक अतिरिक्त इन्फैंट्री बटालियन ग्रुप तैनात किया है। लेबनान में हमारी बटालियन के साथ कजाखस्तान सैन्य दल की सह–तैनाती एक अद्वितीय रक्षा सहयोग पहल है।

(ख) भारत ने संयुक्त राष्ट्र शांतिबहाली आवश्यकताओं के अनुरूप एक इन्फैंट्री बटालियन, एक इंजीनियर कंपनी और एक सिग्नल कंपनी का भी आश्वासन दिया है।

(ग) भारत, संयुक्त राष्ट्र शांतिबहाली मिशनों में महिला सैनिकों की सहभागिता बढ़ाने के लिए भी प्रतिबद्ध है। भारतीय सेना द्वारा यूएन के विभिन्न मिशनों में 106 महिला शांतिबहाली कर्ताओं की तैनाती की गई थी। हाल के वर्षों में भारतीय सेना ने अपनी सबसे बड़ी महिला शांतिबहाली सैन्य टुकड़ी तैनात की है।

(घ) रक्षा मंत्रालय के प्रतिनिधियों ने वास्तविक स्थिति का आकलन करने और इन मिशनों में तैनात अपने सैन्य दलों की संक्रियात्मक दक्षता बढ़ाने के लिए अबेयी, गोलन हाइट्स और डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो में यूएन मिशनों का दौरा किया।

(ङ) **विनबैक्स 2022** : वियतनाम–भारत द्विपक्षीय (यूएन) सैन्य अभ्यास चंडी मंदिर में आयोजित किया गया था जिसका मुख्य केंद्र बिंदु अगस्त, 2022 में यूएन पीसकीपिंग फोर्स के रूप में इंजीनियर और चिकित्सा टीमों को तैनात करना था।

यूएनआईएसएफए में इंडियन मोटराइज्ड इन्फैंट्री बटालियन की तैनाती

प्रादेशिक सेना (टीए)

बगावत को रोकना और आंतरिक सुरक्षा–संक्रियात्मक रूप से टीए यूनिटें आतंकवाद से लड़ने और आंतरिक सुरक्षा के प्रति न्यूनतम उपद्रव सुनिश्चित करने में निरंतर निर्णायक भूमिका निभाती हैं। उनके संक्रियात्मक योगदान के परिणामस्वरूप आतंकवादी निष्क्रिय हुए हैं, हथियारों और गोला बारूद की बरामदगी हुई है, सेना यूनिटों को स्टेटिक ड्यूटीज से राहत मिली और उत्तरी सीमाओं के आस पास तैनात यूनिटों तथा स्थापनाओं को संभार तंत्र सहायता सुनिश्चित हुई है।

अवसंरचना विकास/पुनरूद्धार– प्रादेशिक सेना ने संरक्षण कार्यों को प्रमुखता देने और उनके निष्पादन, महत्वपूर्ण अवसंरचना परियोजनाओं संबंधी कार्य को अबाधित रूप से करने के लिए घटना–मुक्त सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने हेतु सैन्य बल तैनात किए हैं। उल्लेखनीय परियोजनाएं निम्नानुसार हैं :–

(क) पूर्वोत्तर में नई रेल मेगा परियोजना– नई रेलवे मेगा परियोजना (जिरिबाम– टुपुल– इम्फाल) की सुरक्षा हेतु मणिपुर में 111 किमी. उपद्रव की आशंका वाले भाग के आसपास इन्फैंट्री टीए यूनिटों/उप यूनिटों की तैनाती से रेलवे द्वारा किया जा रहा निर्माण कार्य घटना–मुक्त और तेज गति से होना सुनिश्चित हुआ है। यह परियोजना समय से पहले पूरी होने के प्रगतिशील चरण में है और इससे चुनौतीपूर्ण उपद्रवग्रस्त क्षेत्रों से गुजरते समय पूर्वोत्तर सीमाओं तक बेहतर कनेक्टिविटी उपलब्ध होगी।

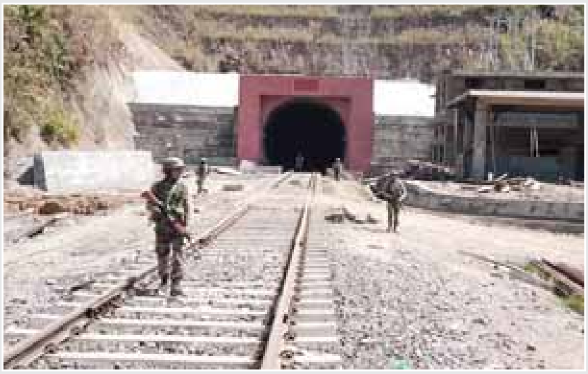

रेल लाइन निर्माण कार्य की सुरक्षा करते हुए टीए कार्मिक

(ख) सीमा सड़क संगठन परियोजनाएं– जम्मू कश्मीर और पूर्वोत्तर क्षेत्र में तैनात इन्फैन्ट्री बटालियन हमारे संक्रियात्मक क्षेत्रों से जुड़ने के लिए महत्वपूर्ण सड़कों के निर्माण में लगे सीमा सड़क संगठन कार्यबलों को आंतरिक सुरक्षा और निकट सहयोग सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभा रही हैं।

राष्ट्र निर्माण में योगदानः पारिस्थितिकीय पुनरूद्धार और संरक्षण लक्ष्यों को प्राप्त करने के राष्ट्रीय प्रयासों में सम्मिलित होकर टीए, राष्ट्रीय कार्बन सिंक लक्ष्यों को प्राप्त करने और जैवविविधता के पुनरूद्धार/संरक्षण के उद्देश्य में महत्वपूर्ण योगदान कर रही है। उल्लेखनीय प्रयास निम्नानुसार हैं :–

(क) **नदी संरक्षण :** कानपुर, वाराणसी और प्रयागराज में गंगा नदी के किनारों पर टीए की पारिस्थितिकीय बटालियन, गंगा कार्य बल तैनात है जो प्रभावी प्रदूषण उपशमन और गंगा नदी के संरक्षण और कायाकल्प के दोहरे उद्देश्यों के साथ कार्य करता है। यह राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) में जलशक्ति मंत्रालय की सहायता करती है। इस यूनिट ने नदी के पास के कई जल निकायों का संरक्षण किया है और वृक्ष लगाकर नदी किनारों का पुनरूद्धार किया है। जलशक्ति मंत्रालय ने इस यूनिट से यमुना नदी के महत्वपूर्ण भागों का भी सफाई कार्य शुरू करने की विशेष मांग की थी। इसके लिए एक कंपनी तैनात की गई है और उसने नई दिल्ली में यमुना नदी और नजफगढ़ नाले के पास अपने कार्य की शुरुआत कर दी है।

गंगा कार्य बल कार्मिकों द्वारा गंगा नदी की सफाई

(ख) **वन रोपण और पारिस्थितिकीय पुनरूद्धारः** पूरे देश में तैनात टीए के विभिन्न पारिस्थितिकीय कार्य बल कुछ अवक्रमित क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर वन रोपण और पारिस्थितिकीय पुनरोद्धार कार्यकलापों में सक्रिय रूप से लगे हुए हैं। इस यूनिट ने पूरे देश में 92,000 हेक्टेयर भूमि पर लगभग 10 करोड़ पौध का संयुक्त रूप से रोपण किया है। इन यूनिटों ने बहुत से मौजूदा जलाशयों के पुनरूद्धार के अलावा, कई जलाशयों का निर्माण भी किया है।

वन रोपण अभियान में पारिस्थितिकीय कार्यबल कार्मिक

(ग) **जन–जागरूकता अभियान** : गंगा टास्क फोर्स सहित टीए पारिस्थितिक टास्क फोर्स सक्रिय रूप से विभिन्न पारिस्थितिक प्रत्यावर्तन और संरक्षण प्रयासों की बुनियादी समझ और सक्रिय भागीदारी करने और इस प्रकार राष्ट्र निर्माण में योगदान करने के लिए शिक्षित करने के कार्य में लगा हुआ है।

अवसंरचना प्रत्यावर्तन और लोक एकीकरण : जम्मू कश्मीर संघ राज्य–क्षेत्र में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर अवस्थित इंजीनियर टीए यूनिट सक्रिय रूप से नियंत्रण रेखा बाड़, नियंत्रण रेखा के पार से घुसपैठ प्रयासों को रोकने के लिए एक महत्वपूर्ण बाधा प्रणाली की मरम्मत और अनुरक्षण कार्य में लगी है। ये यूनिटें 'ऑपरेशन स्नो लेपार्ड' में लद्दाख में उत्तरी सीमाओं के साथ लगी संक्रियात्मक अवसंरचना के निर्माण में भी सक्रिय रूप से शामिल हैं। इनकी संक्रियात्मक भूमिका/टास्कों के अलावा ये यूनिटें स्थानीय लोगों को 'मिट्टी के सपूत' अवधारणा में उनका नामांकन कर उनका एकीकरण करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं और इस प्रकार राष्ट्रीय एकीकरण प्रयासों की दिशा में योगदान कर रही हैं, जिससे राष्ट्रीय एकता के प्रयासों में योगदान हो रहा है।

इंजीनियर रेजिमेंट प्रादेशिक सेना टुकड़ी काम करते हुए

पर्यावरण

भारतीय सेना द्वारा कई पर्यावरण अनुकूल पहलें की गई हैं। भारत सरकार की राष्ट्रीय सौर मिशन पहल के अनुरूप, भारतीय सेना ने 94 मेगावाट क्षमता की सौर परियोजनाएं पूरी कर ली हैं। 25 मेगावाट सौर ऊर्जा की सीधी खरीद के लिए एनटीपीसी के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए हैं। बड़े पैमाने पर वनरोपण अभियान चलाया गया है। 75वें स्वतंत्रता दिवस (आज़ादी का अमृत महोत्सव) को मनाने के लिए सात लाख से अधिक पौधे लगाए गए हैं। भारतीय सेना ने देश भर में कई छोटे/बड़े पैमाने पर जल संचयन परियोजनाएं शुरू करके 'कैच द रेन' अभियान में भाग लिया है। स्वच्छ और कुशल गतिशीलता समाधानों की दिशा में भारत सरकार की पहल का समर्थन करने के लिए, भारतीय सेना 500 से अधिक ई–वाहनों की खरीद के लिए आगे बढ रही है, जिनमें बसें और हल्के वाहन शामिल हैं।

खेलों में उपलब्धियाँ

XXIIवां राष्ट्रमंडल खेल: 27 जुलाई से 08 अगस्त 2022 तक बर्मिंघम में आयोजित XXIIवें राष्ट्रमंडल खेल 2022 में भारतीय सेना के 18 खिलाड़ियों ने भाग लिया और चार स्वर्ण, एक रजत और तीन कांस्य पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाया। इस प्रतिभागिता के परिणाम इस प्रकार हैं :–

(क) नायब सूबेदार जेरेमी लालरिननुंगा और हवलदार अचिंता शुली ने भारोत्तोलन में स्वर्ण पदक जीते।

(ख) सूबेदार दीपक पुनिया ने कुश्ती (फ्री स्टाइल) में स्वर्ण और हवलदार दीपक ने कांस्य पदक जीता।

(ग) मुक्केबाजी में सूबेदार अमित, वीएसएम ने स्वर्ण और सूबेदार मोहम्मद हसमुद्दीन ने कांस्य पदक जीता।

(घ) नायब सूबेदार अविनाश साबले ने एथलेटिक्स (3000 मीटर बाधा दौड़) में रजत पदक जीता और एक नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया।

(ङ) सूबेदार संदीप कुमार ने एथलेटिक्स (10 किलोमीटर रेस वॉक) में कांस्य पदक जीता

नायब सूबेदार जेरेमी लालरिननुंगा

हवलदार अचिंता शुली

सूबेदार अमित, वीएसएम

सूबेदार मोहम्मद हसमुद्दीन

नायब सूबेदार अविनाश साबले

सूबेदार संदीप कुमार

सूबेदार दीपक पूनिया

रंगरूट हवलदार दीपक

मिशन ओलंपिक स्कंध: राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों में मिशन ओलंपिक स्कंध का प्रदर्शन अनुकरणीय रहा है। वर्ष 2022 में भारतीय सेना के खिलाड़ियों द्वारा जीते गए पदक इस प्रकार हैं:–

क्र.सं.	खेल	राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में प्राप्त पदक			अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में प्राप्त पदक		
		स्वर्ण	रजत	कांस्य	स्वर्ण	रजत	कांस्य
(क)	तीरंदाजी	08	14	13	02	-	-
(ख)	एथलेटिक्स	58	42	44	13	11	08
(ग)	मुक्केबाज़ी	26	17	05	07	01	10
(घ)	गोताखोरी	17	17	10		-	--
(ङ)	कुश्ती	27	31	61	07	03	13
(च)	भारोत्तोलन	15	17	12	03	-	-
(छ)	फेंसिंग	10	12	17	01	02	02
(ज)	रोइंग	23	22	17	03	04	03
(झ)	निशानेबाजी	08	09	12	01	03	-
(ञ)	नौकायन	11	13	11	01	-	02
(ट)	घुड़सवारी	01	04	01	07	08	06
(ठ)	तैराकी	13	11	09	-	01	01
(ड)	साइकलिंग	02	01	01	-	-	-
(ढ)	शीतकालीन खेल	17	13	15	-	-	-
		236	223	228	45	33	45

राष्ट्रीय खेल पुरस्कार 2022 : 30 नवंबर 2022 को राष्ट्रपति भवन में भारत के माननीय राष्ट्रपति जी के द्वारा 'राष्ट्रीय खेल पुरस्कार 2022' से सम्मानित किए गए भारतीय सेना के खिलाड़ियों का विवरण इस प्रकार है :–

क्र.सं.	विजेता का नाम	खेल	पुरस्कार
(क)	सूबेदार अमित, वीएसएम	मुक्केबाजी	अर्जुन पुरस्कार
(ख)	नायब सूबेदार अविनाश साबले	एथलेटिक्स(3000 मीटर बाधा दौड)	
(ग)	नायब सूबेदार प्रवीण कुमार	वुशु	

विविध पहलू

सैन्य सिविक एक्शन कार्यक्रम: ऑपरेशन सद्भावना और समारिटन के तहत केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर, लद्दाख और उत्तर पूर्व भारत के राज्यों के प्रभावित क्षेत्रों में आबादी के दिल और दिमाग को जीतने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा प्रायोजित और वित्त पोषित सिविक एक्शन कार्यक्रमों को समान प्रोत्साहन दिया जा रहा है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, सामुदायिक और पारस्परिक विकास, स्वास्थ्य और पशु चिकित्सा देखभाल और राष्ट्र निर्माण के मुख्य सामाजिक सूचकांकों के विकास पर ध्यान केंद्रित किया गया है। इस कार्यक्रम के तहत की गयीं कुछ महत्वपूर्ण पहलें इस प्रकार हैं :–

(क) पशु चिकित्सा सहायता: ऑपरेशन सदभावना के तहत पशु चिकित्सा सहायता पूर्वी और उत्तरी सीमाओं पर दूरदराज के क्षेत्रों के

सिविल पशुओं के इलाज के लिए एक सतत प्रक्रिया है। वर्ष के दौरान पूर्वी और उत्तरी कमान के विभिन्न पशु चिकित्सा सहायता शिविरों में विभिन्न श्रेणियों के कुल 26309 पशुओं का इलाज किया गया।

'मां भारती के सपूत' वेबसाइट की शुरूआत: माननीय रक्षा मंत्री जी ने स्वैच्छिक योगदान को सुविधाजनक बनाने और हमारे समाज को योगदान की प्रक्रिया और तौर–तरीकों के बारे में जागरूक करने के लिए एक वेब पोर्टल लॉंच करने की सिफारिश की। राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) ने 'भारत के वीर' की तर्ज पर रक्षा मंत्रालय के तहत एएफबीसीडब्ल्यूएफ वेबसाइट के विकास के लिए एक वेब पोर्टल को अनुकूलित करने की पेशकश की। वेबसाइट (https://maabharatikesapoot.mod.gov.in) को 14 अक्टूबर 2022 को माननीय रक्षा मंत्री, श्री राजनाथ सिंह जी के द्वारा राष्ट्रीय समर स्मारक में आयोजित एक समारोह में औपचारिक रूप से लॉन्च किया गया था।

'मां भारती के सपूत' लांच इवेंट की झलकियां

सरकारी ई–मार्केट (जीईएम)

(क) भारतीय सेना जीईएम के माध्यम से खरीद के लिए प्रतिबद्ध है और पिछले कुछ वर्षों में इसका उपयोग तेजी से बढ़ा है। चालू वित्तीय वर्ष (वित्तीय वर्ष) अर्थात् वर्ष 2022–23 में, भारतीय सेना क्रेताओं ने 6,328 करोड़ रुपये की अधिप्राप्ति की है और इस वित्त वर्ष के अंत तक लक्ष्य (6,500 करोड़ रुपये) को पार करने की संभावना है। जीईएम प्लेटफॉर्म के माध्यम से अधिप्राप्ति ने सार्वजनिक अधिप्राप्ति में बेहतर पारदर्शिता और मूल्य तर्कसंगतता सुनिश्चित की है। भारतीय सेना, रक्षा मंत्रालय में जीईएम पोर्टल पर सबसे बड़ी ग्राहक बनी हुई है।

(ख) **सरकारी ई–मार्केटप्लेस (जीईएम) पर सिविल हायर्ड ट्रांसपोर्ट (सीएचटी) की हायरिंग:** सीएचटी हायरिंग के लिए जीईएम पर नई कार्यक्षमताओं के विकास के परिणामस्वरूप जीईएम पर सीएचटी संविदाओं का 100 प्रतिशत माइग्रेशन हासिल किया गया है।

भारतीय नौसेना

भारत एक समुद्रवर्ती राष्ट्र है और यह देश बड़ी संख्या में व्यस्त अंतर्राष्ट्रीय पोत परिवहन लेन पर स्थित है जो हिंद महासागर से गुजरती है। मात्रात्मक दृष्टि से **हमारा लगभग 95% व्यापार** और मूल्यात्मक दृष्टि से **70% व्यापार समुद्र** के माध्यम से होता है। दुनिया भर में नए बाजारों की तलाश में तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के लिए, व्यापार के ये आंकड़े आने वाले समय में और बढ़ेंगे।

भारतीय नौसेना (आईएन) अपनी **बहुआयामी क्षमताओं** और क्षेत्र में सक्रिय उपस्थिति के कारण हिंद महासागर क्षेत्र में **समुद्री नेतृत्व की भूमिका** निभा रही है। भारत के समुद्री पड़ोस में माहौल परिवर्तनशील है, जिसमें अस्थिरताएं बढ़ रही हैं, भू–राजनीतिक और जातीय दोष गहरा रहा है, सैन्य क्षमताएं बढ़ रही हैं और सुरक्षा चुनौतियां व्यापक हैं। ये समुद्र से उत्पन्न होने वाले पारंपरिक और उप–पारंपरिक खतरों का एक संयोजन हैं। इन चुनौतियों के लिए भारतीय नौसेना को भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए खुद की सतत पुनर्संरचना करते हुए संपूर्ण **प्रतिस्पर्धा–संघर्ष** क्रम में प्रभावी बने रहने की आवश्यकता है।

भारतीय नौसेना परिसंपत्तियों और संसाधनों का उपयोग करके उच्च स्तर की समुद्री डोमेन जागरूकता (एमडीए) बनाए रखी जा रही है। मिशन–आधारित तैनाती अवधारणा के माध्यम से, आईएन ने संचार की महत्वपूर्ण समुद्री लाइनों और चोक बिंदुओं पर पोतों और विमानों को 'पोल–पोजीशन(महत्वपूर्ण स्थिति)' में तैनात किया है। आईएन किसी भी आकस्मिक स्थिति का उचित तरीके से जवाब देने के लिए पूरी तरह से तैयार रहती है।

आईएन आईओआर में मित्र देशों की नौसेनाओं के **क्षमता निर्माण** और उनकी **क्षमता बढ़ाने** की दिशा में सक्रिय रूप से गतिविधियां चला रही है। इस दिशा में, भारत विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) की निगरानी के लिए हार्डवेयर और प्लेटफॉर्म प्रदान कर रहा है, जिसमें पोत और विमान शामिल हैं। आईएन मित्र राष्ट्रों के समुद्री बुनियादी ढांचे के विकास में भी सहायक रहा है। **आईएन की पहल इस क्षेत्र में सभी की सुरक्षा और विकास (एसएजीएआर)** हेतु भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप मित्र देशों में परिचालन और तकनीकी कौशल विकसित करने में योगदान करती है।

वर्ष 2022 की महत्वपूर्ण गतिविधियाँ

राष्ट्रपति के बेड़े की समीक्षा – 2022: राष्ट्रपति के बेड़े की समीक्षा 21 फरवरी, 2022 को विशाखापत्तनम में आयोजित की गई थी। इस कार्यक्रम में 60 पोतों (54 आईएन, 03 सीजी, 02 एससीआई और 01 एनआईओटी), तीन पनडुब्बियों, 55 आईएन और चार सीजी विमानों की भागीदारी देखी गई। इस समीक्षा को माननीय रक्षा मंत्री, रक्षा राज्य मंत्री, सीओएएस, सीएएस और केंद्र एवं राज्य सरकार के अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी देखा।

राष्ट्रपति बेड़े की समीक्षा 2022

नया नौसेना पोतध्वज और क्रेस्टः नौसेना नया पोतध्वज जो छत्रपति शिवाजी महाराज के राजसी मुहर से प्रेरित है, का दिनांक 2 सितंबर, 2022 को माननीय प्रधान मंत्री द्वारा आईएनएस विक्रांत के कमीशनिंग समारोह के दौरान अनावरण किया गया। इसके अलावा, नौसेना क्रेस्ट की नई डिजाइन जिसके तहत अशोभनीय लंगर को हटा दिया गया है, को प्रख्यापित किया गया है, जिससे औपनिवेशिक इतिहास के अवशेष से छुटकारा प्राप्त कर लिया गया है। तदनुसार, नये परिवर्तनों को शुरू करने के लिए राष्ट्रपति मानक में भी परिवर्तन किया गया है।

नया नौसेना पोतध्वज

नई नौसेना शिखा

विदेशी नौसेनाओं के साथ अभ्यास

मिलान – 22: द्विवर्षीय बहुपक्षीय अभ्यास मिलान 24 फरवरी से 4 मार्च 2022 के दौरान विशाखापत्तनम और उसके तट से दूर आयोजित किया गया था। इस अभ्यास में 39 देशों के प्रतिनिधिमंडलों, 23 नौसेना पोतों जिसमें 13 विदेशी पोत भी शामिल थे और संयुक्त राज्य अमेरिका का पी8ए सहित सात विमानों ने सहभागिता की।

मिलान 2022

अभ्यास सी ड्रेगन – 22 : आईएन पी8आई ने 13 से 20 जनवरी, 2022 के दौरान ग्वाम, संयुक्त राज्य अमेरिका में आयोजित पनडुब्बी रोधी युद्ध प्रणाली (एएसडब्ल्यू) थिएटर अभ्यास सी ड्रेगन 22 में प्रतिभागिता की। इस संस्करण में पांच अन्य देशों, नामतः आस्ट्रेलिया, कनाडा, जापान, दक्षिण कोरिया और संयुक्त राज्य अमेरिका के समुद्री गश्ती विमान (एमपीए) ने सहभागिता की।

स्लिनेक्स 22: आईएन पोत ज्योति और किर्च ने 07 मार्च से 10 मार्च, 2022 के दौरान विशाखापत्तनम तट से दूर श्रीलंकाई नौसेना पोत सयुराला के साथ अभ्यास स्लिनेक्स में सहभागिता की।

डिमडेक्स 22: आईएन पोत कोलकाता ने 20 से 24 मार्च, 2022 के दौरान दोहा, कतर में आयोजित दोहा इंटरनेशनल मेरिटाइम डिफेंस एक्जिबिशन (डिमडेक्स–22) में सहभागिता की। जिसमें पोत ने सरकार की 'मेक इन इंडिया' अभियान का प्रदर्शन किया।

आईओएनएस समुद्रवर्ती अभ्यास (आईमेक्स–22) : बहुपक्षीय समुद्री अभ्यास आईमेक्स–22 का आयोजन 25 मार्च से 30 मार्च, 2022 के दौरान गोवा में किया गया था। पी8आई और डोर्नियर विमान, तीन फ्रांसीसी नौसेना पोत (एफएस लोयर, अमेथायस्ट, मिस्ट्राल और काउरबेट), ईरानी पोत डेना और बांग्लादेश नौसेना पोत प्रोत्ताशा के साथ आईएन पोत चेन्नई और घरियाल ने इस अभ्यास में प्रतिभागिता की।

आईमेक्स 2022

अभ्यास वरुण 2022: यह आईएन और एफएन द्विपक्षीय अभ्यास दो चरणों (प्रथम चरण 30 मार्च से 03 अप्रैल 2022 तक और द्वितीय चरण 12 से 14 मई, 2022 तक) में अरब सागर में गोवा तट से दूर आयोजित किया गया था। आईएन पोत चेन्नई ने पी8आई, मिग–29के और डोर्नियर विमान के साथ और एफएन पोत मिस्त्राल, काउरबेट और लोयर और पनडुब्बी अमेथाइस्ट के साथ इस अभ्यास में सहभागिता की।

वरुण 2022

अभ्यास बोंगो सागर 2022 : भारतीय नौसेना और बांग्लादेश की नौसेना का द्विपक्षीय अभ्यास का आयोजन दिनांक बोंगोसागर 24 से 27 मई, 2022 के दौरान बांग्लादेश तट से दूर आयोजित किया गया था। आईएनएस कोरा, सुमेधा और बांग्लादेश नौसेना पोत आबु उबैदाह और अली हैदर ने इस अभ्यास में प्रतिभागिता की।

बोंगो सागर 2022

अभ्यास समुद्र लक्ष्मण : आईएन और मलेशियाई नौसेना का द्विपक्षीय अभ्यास समुद्र लक्ष्मण 25 से 28 मई, 2022 तक की अवधि के दौरान कोटा किनाबालु, मलेशिया में आयोजित किया गया था। आईएन पोत सतपुड़ा और रॉयल मलेशियाई नौसेना के पोत बादिक, पेराक ने इस अभ्यास में भाग लिया।

समुद्र लक्ष्मण 2022

रिमपैक 22 :आईएन पोत सतपुड़ा ने पी8आई विमान एक्स–देगा, विशाखापत्तनम के साथ पूर्वी सैन्य टुकड़ी तैनाती के एक भाग के रूप में होनोलुलु यूएसए में दिनांक 28 जून से 2 अगस्त, 2022 तक होने वाले द्विवर्षीय बहुपक्षीय युद्धअभ्यास रिमपैक 22 में भाग लिया। कुल 28 देशों ने इसमें भाग लिया।

रिपमैक 2022

जिमेक्स 22 : छह आईएन पोतों (सहयाद्री, कदमत्त, कवरत्ती, ज्योति, सुकन्या और रणविजय), पी8आई के साथ मिग–29 के और डोर्नियर विमान एक पनडुब्बी ने जापान समुद्री रक्षा बल (जेएमएसडीएफ) के पोतों इजुमो और ताकानामी के साथ दिनांक 11 से 17 सितम्बर, 2022 तक विशाखापत्तनम तट से दूर द्विपक्षीय युद्धअभ्यास जिमेक्स 22 में भाग लिया।

जिमेक्स 2022

काकाडू अभ्यास – 2022 : आईएन पोत सतपुड़ा ने पी8आई विमान के साथ प्रशांत महासागर में तैनाती के भाग के रूप में दिनांक 12 से 26 सितम्बर, 2022 तक डार्विन, आस्ट्रेलिया में बहुपक्षीय अभ्यास काकाडू –22 में भाग लिया। इस युद्ध अभ्यास में 15 राष्ट्रों के नौसेना पोतों ने भाग लिया।

आईबीएसएएमएआर– VII : आईएन पोत तरकस ने त्रिपक्षीय अभ्यास आईबीएसएएमआर –VII (भारत, ब्राजील और साउथ अफ्रीका) के एक भाग के रूप में दक्षिणी अफ्रीकी नौसेना पोत एसएएस किंग सेखुखुने 1 के साथ दिनांक 10 अक्टूबर से 12 अक्टूबर 2022 को पोर्ट एलिजाबेथ, साउथ अफ्रीका से सुदूर अभ्यास किया।

भारत–मोजाम्बिक–तंजानिया (आईएमटी) त्रिपक्षीय समुद्री युद्धअभ्यासः आईएन पोत तरकश ने तंजानिया नौसेना पोतों पी72 और पी76 के साथ दर–अस–सलाम, तंजानिया में दिनांक 28 से 29 अक्टूबर, 2022 को आईएमटी त्रिपक्षीय समुद्री अभ्यास में भाग लिया।

सिमबेक्स –22 : आईएन पोतों रणविजय और कवरत्ती ने एक पनडुब्बी और सिंगापुर गणतंत्र नौसेना पोतों आरएसएस स्टॉलवार्ट और विजिलेंस ने दिनांक 28 से 30 अक्टूबर, 2022 को विशाखात्तनम में सिमबेक्स 22 में भाग लिया।

इंडो–पेसिफिक इंडीवर 22 : आईएन पोतों जलश्वा, कवरत्ती और रॉयल ऑस्ट्रेलियन नौसेना पोतों एचएमएएस एडीलेड और एनजाक ने दिनांक 30 अक्टूबर से 02 नवंबर 2022 तक विशाखापत्तनम से सुदूर भाग लिया।

जापान में इंटरनेशनल फ्लीट रिव्यू : आईएन पोत शिवालिक और कमोरता को दिनांक 02 से 7 नवंबर 2022 को योकोसूका, जापान में /तट से दूर इंटरनेशनल फ्लीट रिव्यू हेतु तैनात किया गया।

मालाबार 22: भारतीय नौसेना, यूएसएन, जेएमएसडीएफ और रॉयल आस्ट्रेलियान नौसेना पोतों के मध्य बहुपक्षीय अभ्यास मालाबार–22 दिनांक 08 से 15 नवंबर 2022 को योकोसूका, जापान में/इससे सुदूर आयोजित किया गया। आईएन पोतों शिवालिक और कमोरता ने पी8आई मेरीटाइम पेट्रोल एयरक्राफ्ट, जेएमएसडीएफ पोतों ह्यूगा, ताकानामी, पी–1 विमान के साथ शिरानूई यूएस नेवी पोतों बेरी, रॉनल्ड रीगन, चांसलर्सविले, पी8ए और आस्ट्रेलियन नेवी पोत अरुणता के साथ बेनफील्ड, पी8ए एयरक्राफ्ट के साथ स्टालवर्ट ने भाग लिया।

मालाबार 2022

मेरीटाइम पार्टनरशिप अभ्यास : भारतीय नौसेना मित्र राष्ट्रों की नेवी यूनिटों के साथ उपयुक्त अवसरों पर अंतर–प्रचालनीयता को बढ़ाने और सर्वोत्तम प्रणालियों को शामिल करने के लिए मेरीटाइम पार्टनरशिप अभ्यास (एमपीएक्स) आयोजित करता है। कुल 28 देशों (यूएसए, जापान, रूस, जर्मनी, श्रीलंका, ओमान, मिस्र, माल्टा, इंडोनेशिया, म्यांमार, सउदी अरब, सूडान, ग्रीस, इटली, फ्रांस, अल्जीरिया, कुवैत, स्पेन, मोरक्को, ब्राजील, आस्ट्रेलिया, मेडागास्कर, मलेशिया, टोगो, नाइजीरिया, दक्षिण कोरिया, ईरान, साउथ अफ्रीका और तंजानिया) के साथ दिनांक 31 अक्टूबर, 2022 तक कुल 47 मेरीटाइम अभ्यास आयोजित किए गए थे।

टाइगर ट्रम्फ : इंडो–यूएस ट्राई–सर्विसेज एम्फीबियस एचएडीआर अभ्यास टाइगर ट्रम्प का दूसरा संस्करण विशाखापत्तनम में एक कमांड पोस्ट एक्सरसाइज (सीपीएक्स) के रूप में दिनांक 18 से 20 अक्टूबर 2022 को आयोजित किया गया। स्ट्रैटेजी प्लानिंग एंड पॉलिसी, यूएस आईएन डीओ पीएसीओएम के निदेशक मेजर जनरल मैकफिलिप्स ने अभ्यास के लिए यूएस प्रतिनिधिमण्डल का नेतृत्व किया।

नसीम–अल–बहर 2022 : आईएन और ओमान की रायल नेवी (आरएनओ) के बीच द्विपक्षीय अभ्यास नसीम–अल–बहर मस्कट और दक्कम में/इनसे सुदूर दिनांक 19 से 25 नवंबर, 2022 को आयोजित किया गया। आईएन पोतों त्रिकण्ड, सुमित्रा और आरएनओ पोतों एआई शामिख साध और अलसीब के साथ दोनों तरफ के विमानों ने इस अभ्यास में भाग लिया।

मिशन सागर : मित्र राष्ट्रों और समुद्री पड़ोसी देशों से प्राप्त अनुरोधों के उत्तर में, आईएन ने हिंद महासागर क्षेत्र के पांच राष्ट्रों को मिशन 'सागर' के सम्पूर्ण क्षेत्र के अन्तर्गत आईएन पोतों के द्वारा मानवीय सहायता एवं आपदा राहत (एचएडीआर) सामग्री एवं चिकित्सा उपकरण उपलब्ध कराई है। वर्ष के दौरान उपलब्ध कराई गई एचएडीआर और चिकित्सीय सहायता का ब्यौरा इस प्रकार हैः–

क्र.	यूनिट	दिनांक	राष्ट्र	पहुंचाई गई चिकित्सीय सहायता
(a)	केसरी	25 दिसम्बर, 2021 – 01 जनवरी, 2022	मापुटो, मोजाम्बिक	(i) 500 टन खाद्य सहायता (ii) 55 टन की क्लोदिंग सामग्री
		7–11 जनवरी, 2022	कोमोरोस	02 आपरेशनल रेडिनेस फेसिलिटी कंटेनर्स (ओआरएफएसी)
		14–15 जनवरी, 2022	पोर्ट विक्टोरिया, सेशेल्स	पोर्ट विक्टोरिया से कोच्चि तक सेशेल्स कोस्ट गार्ड पोत पीएस जोरोस्टर को एस्कार्ट किया।
(b)	घड़ियाल	29 अप्रैल – 01 मई, 2022	कोलम्बो, श्रीलंका	760 किलो ग्राम क्रिटिकल लाइफसेविंग दवाइयां
		03–05 मई, 2022	माले, मालदीव	02 एम्बुलेंस
		11–14 मई, 2022	पोर्ट विक्टोरिया, सेशेल्स	गोलाबारूद के साथ 03 सलामी तोप
		27–28 मई, 2022	कोलम्बो, श्रीलंका	(I) 15750 लीटर केरोसीन (ii) 27 टन मेडिकल स्टोर्स

हिंद महासागर क्षेत्र में तटवर्ती नौसेनाओं के साथ समन्वित गश्त (कोरपैट)

समुद्री पड़ोसियों के साथ समुद्री सुरक्षा सहयोग के भाग के रूप में, निर्धारित समझौता ज्ञापन (एमओयू) और मानक प्रचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) के अनुसार हिन्द महासागर क्षेत्र की तटवर्ती नौसेनाओं के साथ समन्वित गश्त किया जा रहा है, जो इस प्रकार हैः

(क) **भारत–म्यांमार समन्वित गश्त (आईएन–एमएन कोरपैट) :** भारतीय नौसेना–म्यांमार कोरपैट का 12वां और 13वां संस्करण क्रमशः दिनांक 08 से 09 जनवरी, 2022 तक और दिनांक 21 से 22 अप्रैल 2022 तक अंडमान सागर में आयोजित हुआ।

(ख) **भारत–थाईलैंड समन्वित गश्त (कोरपैट):** इंडो–थाई कोरपैट का 33वां चक्र दिनांक 05–06 मई, 2022 को अंडमान सागर में आयोजित किया गया।

(ग) **भारत–बांग्लादेश समन्वित गश्त (कोरपैट):** भारतीय नौसेना–बांग्लादेश कोरपैट का चौथा संस्करण बंगाल की खाड़ी के उत्तर में दिनांक 22–23 मई, 2022 में आयोजित किया गया।

(घ) **भारत–इंडोनेशिया समन्वित गश्त (कोरपैट):** भारत–इंडोनेशिया कोरपैट का 34वां संस्करण दिनांक 23–24 जून, 2022 को आयोजित किया गया।

एंटी–पायरेसी ऑपरेशन्स

ऑपरेशन 'संकल्प': आपरेशन संकल्प नामक समुद्री सुरक्षा अभियान खाड़ी क्षेत्र में स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजरने वाले इंडियन फ्लैग मर्चेंट वेसल (आईएफएमवी) को सुरक्षित पहुंचाने के लिए शुरू किया गया। जून, 2019 से आईएन ने 36 युद्धपोत तैनात किए हैं और 453 आईएफएमवी पर लगभग 361 लाख टन कार्गो को सुरक्षित पहुंचाया गया।

मार्कोस द्वारा वीबीएसएस आपरेशंस

अदन की खाड़ी का गश्त (पीओजी) : अदन की खाड़ी में एंटी–पायरेसी गश्त की शुरुआत वर्ष 2008 में इंडियन फ्लैग मर्चेंट वैसल (आईएफएमवी) को सुरक्षित निकाले जाने के लिए की गई थी। वर्ष 2008 में एंटी–पायरेसी गश्त की शुरुआत से अब तक अदन की खाड़ी में 100 आईएन पोतों को तैनात किया जा चुका है।

भारतीय वायु सेना

एयरोस्पेस पावर राष्ट्रीय सुरक्षा का एक शक्तिशाली और लचीला हथियार है। एक आदर्श रूप में, एयरोस्पेस शक्ति के किसी भी राष्ट्र की हवाई माध्यम के जरिए अपनी इच्छा शक्ति को प्रदर्शित करने के रूप में परिभाषित किया जाता है। यह राष्ट्रीय शक्ति का एक शक्तिशाली माध्यम है जिससे शांति को बनाया व संघर्ष को टाला जा सकता है। वर्तमान समय में किसी भी संघर्ष की स्थिति में, इसका उद्देश्य दुश्मन की कमांड को अलग करना और ठिकानों पर नियंत्रण रखने और दुश्मन के क्षेत्र में काफी अंदर तक महत्वपूर्ण स्थानों पर सटीक हमले करना होता है। एयर पावर के पास जमीन से क्षेत्रों में प्रवेश किए बिना स्ट्रैटिजिक आउटकम निकालने की क्षमता होती है। यह स्थिति इसे प्राथमिक विकल्प का स्रोत बनाती है। यह संकल्पना सैन्य शक्ति के किसी अन्य प्रकार से अधिक इसे रोजगार अनुकूल बनाती है। परम्परागत युद्धों जैसे 1965 और 1971 भारत–पाक युद्धों के दौरान भारतीय वायु सेना का समग्र उपयोग और वर्ष 1999 कारगिल संघर्ष के दौरान इसका सीमित प्रयोग इस तथ्य को साबित करता है।

भारत की अंतरिक्ष शक्ति की क्षमता अन्य सेनाओं की वृद्धित शक्ति की आईएएफ की एयर आर्म्स की क्षमता पर आधारित है। एविएशन से संबंधित अनुसंधान और विकास के साथ ही औद्योगिक सामर्थ्य का गुणक प्रभाव होता है। अंतरिक्ष संबंधी सामर्थ्य राष्ट्र की एयरोस्पेस शक्ति को और अधिक बढ़ाती है।

वर्ष 1903 में तत्कालीन पहली वजनी एयरफ्लाइट का निर्माण किया गया था और भारतीय वायु सेना ने अपनी यात्रा 8 अक्टूबर, 1932 को आरंभ की थी। एक सौ वर्ष से भी कम समय में, भारतीय वायु सेना भारत में रॉयल एयर फोर्स के टैक्टिकल आक्जिलरी आर्म्स से एक स्वतंत्र प्रोफेशनल सामरिक शक्ति के रूप में उभरी है, जो राष्ट्रीय सेवा के लिए तत्पर है। इसने पिछले 90 वर्षों में देश की सुरक्षा में एक महत्वूर्ण भूमिका निभाई है।

भारत के वर्तमान सुरक्षा परिदृश्य में, भारत के द्वारा सामना की जा रही चुनौतियां भिन्न, जटिल और डायनमिक हैं। इन चुनौतियों का सामना करने के लिए, भारतीय वायु सेना वास्तव में एक परिवर्तित और घातक बल के साथ अपने मार्ग पर अग्रसर है। शामिल की जा रही हथियार प्रणालियां दक्षता एवं सटीकता के साथ एयर पावर की क्षमता में वृद्धि एवं उनके उपयोग हेतु अनुमति देगी।

भारतीय वायु सेना का विजन **"सामरिक पहुंच प्राप्त करना और संघर्ष के स्पेक्ट्रम की क्षमताओं को जो मिलिट्री डिप्लोमेसी, राष्ट्र निर्माण के उद्देश्य को पूरा करता है और भारत के सामरिक प्रभाव के क्षेत्र में फोर्स प्रोटेक्शन का समर्थ बनाता है"** इस दिशा में, भारतीय वायु सेना अपनी पूरी स्पेक्ट्रम क्षमता के साथ एक केन्द्रित आधुनिकीकरण योजना बना रही है ताकि यह एक

रणनीतिक एयरोस्पेस पावर बन सके। मौजूदा उपस्कर का निरंतर उन्नयन और नए हथियार प्लेटफार्मों और प्रणालियों के शामिल किए जाने से यह सुनिश्चित हुआ है कि आईएएफ आधुनिकीकरण के वांछित पथ पर आगे बढ़ रही है। राफेल एयरक्राफ्ट, अटैक हेलिकाप्टरों, हैवी लिफ्ट हेलीकाप्टरों, काम्बैट सपोर्ट एलिमेंट्स, जमीन से हवा में मार करने वाले हथियार (एसएजीडब्ल्यू) और एयर डिफेंस रडारों को शामिल किए जाने से संक्रियात्मक क्षमता और सामर्थ्य बढ़ावा मिलेगा। आईएएफ सभी कमांड का एकीकरण करके और सेन्सर और वेपन सिस्टम के ढांचे को नियंत्रित करके अपनी नेटवर्क केन्द्रित ऑपरेशन (एनसीओ) के लिए अपनी सामर्थ्य को मजबूत कर रही है।

आईएएफ लंबे समय से केंद्रित, सतत और विकसित स्वदेशीकरण कार्यक्रम के जरिए 'मेक इन इंडिया' को बढ़ावा देकर आत्म–निर्भरता को बढ़ावा दे रही है आईएएफ विदेश विनिर्मित रक्षा उपस्करों पर भारत की निर्भरता प्रगामी रूप से कम करने और देश की "आत्मनिर्भर भारत" पहल में सतत योगदान प्रदान करने के लिए तत्पर है।

आईएएफ स्वदेशीकरण, एकीकरण और अधिप्राप्ति के जरिए सैन्य प्रौद्योगिकी उन्नति के साथ तालमेल रख रही है।

(क) **स्वदेशीकरणः** आईएएफ ने रक्षा विनिर्माण के क्षेत्र में आत्म–निर्भरता प्राप्त करने के लिए और स्वदेशी प्रणालियों को बनाने में उद्योगों की सहायता करने की तरफ अपना ध्यान केन्द्रित किया है। आत्मनिर्भर भारत के एक भाग के रूप में, आईएएफ लड़ाकू विमानों, परिवहन, हेलीकॉप्टरों और प्रशिक्षु विमानों के साथ ही हवा से हवा में मार करने वाले हथियारों, हवा से जमीन पर मार करने वाले हथियारों, जमीन से हवा में मार करने वाले हथियारों, मानव रहित एरियल व्हीकल और रडारों के स्वदेशी उत्पादन पर बल दे रही है। आईएएफ विदेशी स्रोत के उपस्करों / विमान घटकों के स्वदेशीकरण संबंधी प्रक्रिया को भी बनाए हुए हैं।

(ख) **एकीकरणः** तेजस जैसे नए प्लेटफार्मों पर मौजूदा हथियारों और ब्रम्होस जैसे नए हथियारों और एसयू–30 एमकेआई पर अस्त्र का एकीकरण सफलतापूर्वक किया जा चुका है।

(ग) **अधिप्राप्तिः** आईएएफ ने विमानों और हथियार सिस्टमों (एस–400, राफेल, अपाचे, चिनूक, सी–17 और सी–130 जे) को सम्मिलित करके हवाई शक्ति में विकास की तरफ रुख किया है।

आईएएफ मध्य भारतीय क्षेत्र में बनाए गए एकीकृत प्रशिक्षण क्षेत्र में ज्वाइंट कॉम्बैट ट्रेनिंग को नियमित रूप से कराता है। इसमें सभी काम्बैट तत्वों भारतीय थल सेना और नौसेना सहित प्रशिक्षण सम्मिलित हैं, जिसमें वर्तमान परिस्थितियों के साथ ही भविष्य की संभावित परिस्थितियों के अनुसार शत्रु शक्ति की नकल की जाती है। आईएएफ विभिन्न अन्तर्राष्ट्रीय अभ्यासों के जरिए अपनी संक्रियात्मक गतिविधियां भी बढ़ाती है।

आईएएफ का एयर फोर्स नेटवर्क (एएफएनईटी) के रूप में अपना एक मजबूत और रोबस्ट नेटवर्क है। साइबर प्रभुत्व के युग में, इकलौता रोबस्ट नेटवर्क की उपलब्धता आईएएफ को आपरेशंस, अनुरक्षण और प्रशासन के लिए वास्तविक समय डोमेन को बनाए रखने सूचना में मदद करती है। इस नेटवर्क पर कैंपेन प्लानिंग एनेलिसिस सिस्टम आटोमेशन भविष्य के संघर्षों में आईएएफ को महत्वपूर्ण सूचना आधारित वारफेयर के लिए समर्थ बनाता है।

आत्मनिर्भर भारत

भारतीय वायुसेना सक्रिय रूप से आत्मनिर्भर भारत के राष्ट्रीय दृष्टिकोण का समर्थन करती है और आईएएफ उद्योगों, एमएसएमई, स्टार्ट–अप और शिक्षा जगत तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। भारतीय वायुसेना का यह प्रयास रहा है कि भारत सरकार द्वारा शुरू की गई विभिन्न योजनाओं का लाभ उठाया जाए और रक्षा विनिर्माण में आत्मनिर्भरता की प्रक्रिया को गति प्रदान की जाए। भारतीय वायु सेना हमेशा की तरह स्वदेशीकरण के पथ पर आगे बढ़ी है। भारतीय उद्योग की क्षमता और समार्थ्य का पूरी तरह से दोहन करने के लिए, आईएएफ ने मेक प्रक्रिया के तहत कुछ चुनौतीपूर्ण मामले सामने रखे हैं और ये आने वाले समय में स्वदेशी संसाधनों के माध्यम से विकसित नई प्रौद्योगिकियों को शामिल करना जारी रखना सुनिश्चित करेंगे। भारत सरकार ने रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए निम्नलिखित कदम उठाए हैंः–

(क) **मेक प्रक्रिया :** मेक प्रक्रिया के तहत, आईएएफ को डीएपी 2020 के अध्याय III की मेक–I / II / III श्रेणियों के तहत 31 मामलों के लिए एआईपी प्रदान किया गया है। इन मामलों में से, डिजाइन और विकास के लिए परियोजना स्वीकृति आदेश चैफ्स एंड फ्लेयर्स, एसयू–30 के लिए इन्फ्रारेड सर्च एंड ट्रैक (आईआरएसटी) सिस्टम, फोल्डेबल फाइबर ग्लास मैट, 125 किलोग्राम बम,

एरियल बम के लिए फ्यूज और इन्फलेटेबल डिकॉय को भारतीय विक्रेताओं को प्रदान किया गया है। इनसे भारतीय उद्योग के लिए 3383.3 करोड़ रुपये के व्यापार अवसर पैदा हुए हैं।

(ख) **प्रौद्योगिकी विकास फंड (टीडीएफ) योजना:** भारत सरकार ने प्रौद्योगिकियों के विकास के लिए एक प्रौद्योगिकी विकास फंड (टीडीएफ) की स्थापना की थी जो संघटकों/असेम्बलियों का संग्रह बनाएगी रक्षा उपकरणों को विकसित करने में उपयोग किया जाएगा। अनुदान प्रदान करने के लिए जिसका बदले में इस फंड का प्रबंधन डीआरडीओ द्वारा किया जाता है। टीडीएफ योजना के तहत, भारतीय वायु सेना के पास प्रक्रिया की अलग–अलग स्तर पर ऐसे 20 मामले हैं। एसयू–30 एमकेआई के लिए वीडियो प्रोसेसिंग स्विचिंग बोर्ड की डी एंड डी का कार्य मैसर्स लॉजिक फ्रूट टेक्नोलाजी लिमिटेड द्वारा पूरा किया जा चुका है। भारतीय उद्योग छह अन्य मामलों के लिए संविदा के साथ की गयी है।

(ग) **रक्षा उत्कृष्टता के लिए नवाचार (आईडीईएक्स):** आईडीईएक्स का लक्ष्य एमएसएमई, स्टार्ट–अप, वैयक्तिक इनोवेटर्स सहित उद्योगों को शामिल करके अनुसंधान एवं विकास संस्थान, अकादमी ए और उन्हें भारतीय रक्षा और एयरोस्पेस आवश्यकताओं के लिए उत्पाद और सेवाएँ बनाने के लिए अनुदान/धन और सहायता प्रदान करने रक्षा और एयरोस्पेस क्षेत्र में नवाचार और प्रौद्योगिकी विकास को बढ़ावा देने के लिए एक पारिप्रणाली का निर्माण करना है। आईडीईएक्स आईएएफ को नवीन और स्वदेशी समाधान खोजने के लिए स्टार्ट–अप/ एमएसएमई के साथ सह–विचार और सह–नवप्रवर्तन के लिए एक संरचना/मंच प्रदान करता है। वर्तमान में, विभिन्न चरणों के तहत आईएएफ द्वारा आईडीईएक्स के 21 से अधिक मामले संसाधित किए गए हैं, जिनमें से तीन अधिप्राप्ति चरण में मौजूद हैं। आईएएफ मानवयुक्त मानवरहित टीमिंग (एमयूएम–टी), वैकल्पिक रूप से पायलटयुक्त विमान अगली पीढ़ी के लोइटरिंग युद्ध सामग्री, काउंटर यूएएस प्रणाली और अत्यधिक ऊंचाई, सियूडो उपग्रह आदि जैसी उत्कृष्ट क्षमताओं के विकास में शामिल है।

(घ) **सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची:** चार नकारात्मक सूची/सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची प्रख्यापित की गई हैं। पहली सूची 21 अगस्त 2020 को जारी की गई थी। तीसरी सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची 07 अप्रैल 2022 को जारी की गई थी और चौथी सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची 19 अक्टूबर 2022 को कुल 101 मदों के साथ जारी की गई थी।

दीसा में भारतीय वायुसेना एयरफील्ड का विकास

भारत के माननीय प्रधान मंत्री ने 19 अक्टूबर 2022 को डिफेंस एक्सपो के दौरान दीसा एयरफील्ड के विकास की आधारशिला रखी। दीसा 1985 के बाद से गुजरात में विकसित होने वाला पहला सैन्य एयरफील्ड है। इसका स्थान सामरिक रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि 355 किलोमीटर की लम्बी दूरी तक उत्तर में उत्तरलाई (बाड़मेर) और दक्षिण में भुज बीच कोई एयरफील्ड नहीं है। शत्रु द्वारा इस बड़े अंतर का फायदा गुजरात और राजस्थान सेक्टर में हमारे वीए/वीपी को निशाना बनाने के लिए किया जा सकता है। उम्मीद है कि दिल्ली–मुंबई औद्योगिक गलियारे को ध्यान में रखते हुए यह क्षेत्र हमारे औद्योगिक विकास की धुरी होगा और इसलिए इस क्षेत्र में वीए/वीपी में वृद्धि होगी जिसके लिए सुरक्षा की आवश्यकता होगी। बेस के निर्माण से क्षेत्र में लड़ाकू विमानों, सतह से हवा में निर्देशित हथियार प्रणालियों आदि के साथ निगरानी परिसंपत्तियों की तैनाती की सुविधा मिलेगी, जिससे इस क्षेत्र में किसी भी खतरे का मुकाबला करने के लिए आईएएफ की आक्रामक और रक्षात्मक क्षमता दोनों में वृद्धि होगी। यह क्षेत्र में जमीनी बलों के समर्थन में हवाई आपरेशंस की भी अनुमति देगा।

चूंकि दीसा अंतरराष्ट्रीय सीमा से 130 किलोमीटर दूर है, इससे हमारे आक्रामक विमानों की कार्रवाई का दायरा बढ़ाने में मदद मिलेगी, साथ ही भारतीय वायुसेना के वायु रक्षा विमानों और अन्य वायु रक्षा परिसंपत्तियों को शत्रु विमानों से कोई नुकसान पहुंचाने से पहले रोकने में मदद मिलेगी। यह इस क्षेत्र में किसी भी घुसपैठिए को रोकने के लिए वर्तमान भारतीय वायुसेना अड्डों की आवश्यकता की तुलना में युद्ध प्रतिक्रिया समय को कम करने की भी अनुमति देगा और इस तरह एचएडीआर आपरेशंस के लिए लॉन्च बेस के रूप में कार्य करने के अलावा, प्राकृतिक आपदाओं के मामले में आईएएफ की युद्ध क्षमता को भी बढ़ाएगा।

इस बेस के निर्माण से निश्चित रूप से पश्चिमी सीमा पर किसी भी चुनौती का सामना करने और जरूरत के समय स्थानीय आबादी का समर्थन करने के लिए भी आईएएफ की क्षमता बढ़ेगी। भविष्य में, एयरफील्ड उत्तरी गुजरात में क्षेत्रीय कनेक्टिविटी योजना उड़ान के विस्तार की सुविधा भी प्रदान करेगा।

विविध कार्यक्रम

विमान और प्रणाली परीक्षण स्थापना

अन्तर्राष्ट्रीय उड़ान परीक्षण सेमीनार

भारतीय वायु सेना का एक प्रमुख स्थापना है जो विमानों की उड़ान परीक्षण और हथियार प्रणालियों में शामिल है, ने राष्ट्र की सेवा के 50 वर्ष पूरे करने के बाद अपनी स्वर्ण जयंती मनाई। स्वर्ण जयंती स्मरणोत्सव के रूप में, 04–05 नवंबर 22 को एक अंतर्राष्ट्रीय उड़ान परीक्षण सेमिनार आयोजित किया गया था।

◆◆◆

एकीकृत रक्षा स्टाफ मुख्यालय (एचक्यू आईडीएस)

एकीकृत रक्षा स्टाफ मुख्यालय का गठन दिनांक 01 अक्टूबर 2001 को कारगिल समीक्षा समिति (केआरसी) रिपोर्ट पर मंत्री समूह (जीओएम) की सिफारिशों के आधार पर हुआ था। मुख्यालय का गठन तीनों सेनाओं के मध्य संयुक्तता एवं सहक्रिया को बढ़ाने हेतु चीफ ऑफ स्टॉफ कमिटी (सीओएससी), चेयरमैन के कमांड एवं नियंत्रण में हुआ था। अपने अस्तित्व में आने के पश्चात, आईडीएस ने संयुक्त एवं एकीकृत आयोजना, आसूचना के समन्वय, मानवीय सहायता एवं आपदा राहत (एचएडीआर) आपरेशनों और अधिप्राप्तियों के प्राथमिकीकरण / सुकर बनाने संबंधी महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल किया है।

संक्रियाएं एवं अभ्यास

भारत–मालदीव एचएडीआर अभ्यास–एचएडीआर में भारत–मालदीव सहयोग को बढ़ाने के क्रम में, दिनांक 20–22 सितंबर 2022 तक मालदीव में एचएडीआर टीटीएक्स का आयोजन किया गया था।

भारत–मालदीव एचएडीआर अभ्यास

एचएडीआर हेतु भारत–सिंगापुर भू–स्थानिक सूचना साझा करने संबंधी अभ्यास– दिनांक 20 जनवरी 2021 को आयोजित 5वीं भारत–सिंगापुर रक्षा मंत्री वार्ता के अनुसरण में, एचएडीआर के क्षेत्र के भीतर भू–स्थानिक सूचना साझा करने का दायरा स्थापित करने की दिशा में कार्रवाई की गई है, और सिंगापुर के साथ एचएडीआर आपरेशनों में अन्तर संचालनीयता स्थापित करने के लिए टेबल टॉप अभ्यास (टीटीएक्स) किया गया। टीटीएक्स का आयोजन दिनांक 03.04 अगस्त 2022 तक आईएफसी–1 ओआर गुरूग्राम में किया गया।

एचएडीआर के लिए भारत–सिंगापुर भू–स्थानिक सूचना साझा करने संबंधी अभ्यास

प्रधानमंत्री गति शक्ति योजना– प्रधानमंत्री गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर योजना की घोषणा नवंबर 2021 में की गई थी ताकि अवसंरचना परियोजना की एकीकृत योजना और सहक्रियात्मक निष्पादन को सुनिश्चित किया जा सके। पीएम गति शक्ति योजना के साथ सशस्त्र सेनाओं की आवश्यकताओं के संरेखण हेतु संगठन, संपर्क, प्रक्रियाओं एवं प्रशिक्षण में कार्रवाई की गई है।

कोविड–19 प्रतिक्रिया–2022 (तीसरी लहर)– सशस्त्र सेनाओं ने कोविड–19 की तीसरी लहर के दौरान त्वरित रूप से और कुशलतापूर्वक कार्रवाई की थी।

सशस्त्र सेनाओं का कोविड–19 अस्पताल

वेस्टक–22 अभ्यास– भारतीय सेना एवं मुख्यालय, एकीकृत रक्षा स्टाफ कार्मिकों की सहभागिता से दिनांक 01–07 सितम्बर 2022 तक व्लाडीवोस्टक, रूस में बहुपक्षीय अभ्यास वोस्टोक–22 का आयोजन किया गया था। रणनीति, तकनीक एवं प्रक्रियाओं को समझने एवं विकसित करने हेतु चीन सहित विभिन्न राष्ट्रों के साथ वार्ता करने हेतु बहु–राष्ट्रीय अभ्यास किए जाने हेतु एक मंच प्रदान कर दिया है।

साइबर शक्ति अभ्यास– डीसीवाईए ने दिसंबर 2022 में 'साइबर शक्ति–2022' नामक साइबर अभ्यास के द्वितीय संस्करण का आयोजन किया। इन अभ्यासों का उद्देश्य तीनों सेनाओं के बीच तालमेल और संयुक्त कौशल बढ़ाना है। अभ्यासों में सेनाओं की एससीजीएस और आईटी प्रशिक्षण स्थापनाओं की सक्रिय भागीदारी देखी गई।

अंतरराष्ट्रीय साइबर अभ्यास– डीसीवाईए ने विभिन्न अंतरराष्ट्रीय अभ्यासों एवं मंचों में सभी तीनों सेनाओं के एक संयुक्त दल का नेतृत्व किया। इसमें पुर्तगाली सशस्त्र सेना द्वारा अभ्यास साइबर पर्स्यू, यूएस साइबरकॉम द्वारा संचालित अभ्यास साइबर डॉन एवं साइबर फ्लैग और कोरिया गणराज्य द्वारा आयोजित एडीएमएम प्लस साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण शामिल था।

आसियान के साथ किए गए अभ्यास– वर्ष 2022 ने भारत–आसियान संबंधों के 30 वर्ष पूरे किए और इसे आसियान–भारत मैत्री वर्ष के रूप में जाना गया। आसियान देशों के साथ कई संयुक्त अभ्यासों की योजना बनाई गई थी। जिनका ब्यौरा नीचे दिया गया है:–

(क) **एचएडीआर संबंधी 18वीं एडीएमएम प्लस ईडब्ल्यूजी**– एचएडीआर संबंधी आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक प्लस (एडीएमएम) विशेषज्ञ कार्यकारी समूह (ईडब्ल्यूजी) के चौथे चक्र को वर्ष 2021–23 के मध्य संचालित किया गया जिसकी सह–अध्यक्षता इण्डोनेशिया और भारत ने किया। फील्ड प्रशिक्षण अभ्यास (एफटीएक्स) हेतु स्थल सर्वेक्षण और योजना सम्मेलन का आयोजन दिनांक 31 अक्टूबर 2022 से 01 नवम्बर 2022 तक इण्डोनेशिया में हुआ।

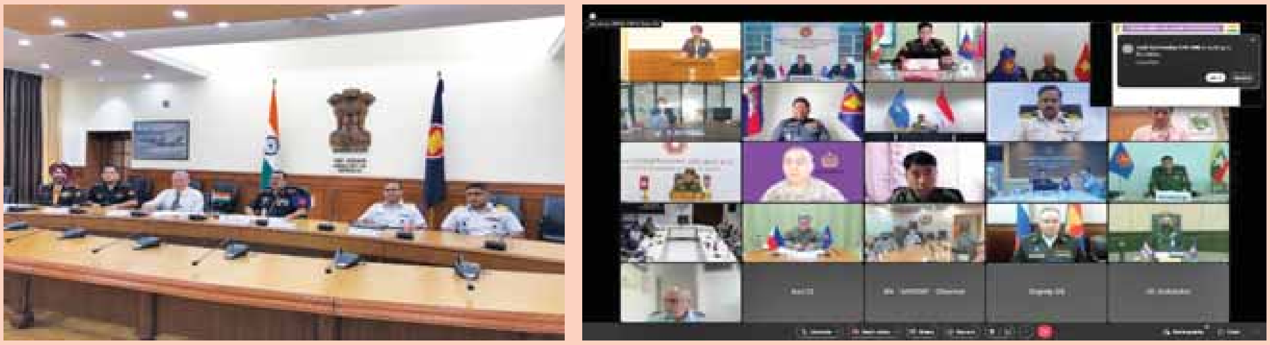

एचएडीआर संबंधी 18वीं एडीएमएम प्लस ईडब्ल्यूजी

(ख) **वार्षिक संयुक्त एचएडीआर अभ्यास 'समन्वय–22'**– भारत एवं आसियान सदस्य राष्ट्रों में आपदाओं का स्वरूप लगभग समान प्रकृति का है, इसलिए पहाड़ी क्षेत्रों में कुशल राहत अभियानों के लिए सभी संभव मौजूदा आपदा प्रबंधन भागीदारों के तालमेल के उपयोग पर ध्यान केन्द्रित करने के साथ एक संयुक्त एचएडीआर अभ्यास की योजना बनाई थी। इस दिशा में, प्रत्येक आसियान सचिवालय एवं देशों से एक तीन सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल को इस सम्मेलन में भागीदारी करने हेतु आमंत्रित किया। 'समन्वय–22' नामक अभ्यास का आयोजन दिनांक 28 नवम्बर 22 से 30 नवंबर 22 तक आगरा में किया गया।

वार्षिक संयुक्त एचएडीआर अभ्यास 'समन्वय–22

क्यूयूएडी एचएडीआर अभ्यास– भारत–प्रशान्त क्षेत्र में एचएडीआर संबंधी क्वॉड भागीदारी की परिकल्पना क्वॉड नेतृत्वकर्ताओं द्वारा आपदाओं हेतु एक समन्वित एवं त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने हेतु किया गया था।एचएडीआर की पहली टीटीएक्स में क्वॉड सहयोग को समर्थ बनाने, विषयगत मामलों के आदान–प्रदान, आपदा प्रतिक्रिया में सर्वोत्तम गतिविधियों को साझा करने और एक कार्य–योजना बनाने हेतु एकीकृत रक्षा स्टाफ मुख्यालय की विधिवत निगरानी में विदेश मंत्रालय के तत्तवावधान में दिनांक 13–14 दिसंबर 2022 में नई दिल्ली में इस अभ्यास को आयोजित किया गया था।

क्वॉड एचएडीआर अभ्यास

टाइगर ट्रम्फ टीटीएक्स– 2022 महामारी के परिवेश में एचएडीआर विषयक 2022 संस्करण की योजना बनाई गई थी। टेबल टॉप अभ्यास का आयोजन दिनांक 18–20 अक्टूबर 2022 तक विशाखापटनम में हुआ था।

ट्राइगर ट्रम्फ अभ्यास

रक्षा अताशे प्रशिक्षण (पदनामित)– एकीकृत रक्षा स्टाफ मुख्यालय ने विदेश में भारतीय मिशनों में सेवा हेतु तीनों सेना मुख्यालयों द्वारा कठिन प्रक्रिया के जरिए चयनित रक्षा अताशे (पदनामित) हेतु दिनांक 04 जुलाई–09 सितंबर 2022 तक 10 साप्ताहिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। कुल 23 अधिकारियों (08–भारतीय सेना, 06–भारतीय वायुसेना और 09– भारतीय नौसेना) ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में सहभागिता की। कार्यक्रम को विशेष रूप से रक्षा अताशे को उन्हें सौंपे गए लंबित राजनयिक नियत कार्यभार के विभिन्न पहलुओं से परिचित होने में मदद के लिए किया गया था। भागीदारों द्वारा प्राप्त किए गए विविध पहलुओं ने रक्षा विंग के भाग के रूप में वैश्विक भू–राजनैतिक और उनके चार्टर संबंधी अर्थभेद को समझने में मदद किया।

5वी. डीएएस (नामित) तैनाती–पूर्व सशक्तिकरण प्रशिक्षण

डीएएस सम्मेलन– दिनांक 13–14 अक्टूबर 2022 तक साउथ ब्लॉक, नई दिल्ली में चौथी डीएएस सम्मेलन का आयोजन किया गया था। सम्मेलन में व्यापक रूप से माननीय रक्षा मंत्री, सीडीएस, सेना प्रमुखों, सचिवों एवं रक्षा मंत्रालय, विदेश मंत्रालय, एसएचक्यूएस एवं एकीकृत रक्षा स्टाफ मुख्यालय के प्रतिनिधियों से विचार–विमर्श एवं प्रस्तुतीकरण शामिल थे।

चौथा डीएएस सम्मेलन

विदेशी रक्षा/सेना अताशे के साथ विचार–विमर्श

एफएसए के साथ विचार–विमर्श: 27 जुलाई 2022 डीजी डीआईए एवं डीसीआईडीएस (इन्ट) ने कोटा हाउस में दिनांक 27 जुलाई 22 को विदेशी रक्षा/सेना अताशे से विचार विमर्श किया। डीजी डीआईए ने भारत में अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों की भूमिका, संगठन एवं संरचना को रेखांकित किया और एफडीएएस से अपेक्षाओं पर भी प्रकाश डाला।

आयोजित किए गए समारोह

राष्ट्रीय समर स्मारक में अमर ज्योति के साथ अमर जवान ज्योति को मिलाना– सीआईएससी द्वारा सेना प्रतिनिधियों की उपस्थिति में पूर्ण सैन्य सम्मान के साथ भव्य समारोह में दिनांक 21 जनवरी 2022 को 15.30 बजे राष्ट्रीय समर स्मारक में अमर ज्योति के साथ अमर जवान ज्योति को मिला दिया गया था।

अमर जवान ज्योति का मिलाया जाना

कारगिल एक शौर्य गाथा– राष्ट्रीय समर स्मारक के पब्लिक प्लाजा में शूरवीरों के साहस एवं सर्वोच्च बलिदान के सम्मान में राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के कलाकारों ने 'कारगिल एक शौर्य गाथा' का मंचन किया।

कारगिल एक शौर्य गाथा

भारतीय प्राचीन ज्ञान प्रणाली– 'भारतीय प्राचीन ज्ञान प्रणाली' संबंधी दो दिवसीय संगोष्ठी जिसका संबंध राष्ट्रीय सुरक्षा एवं रक्षा प्रबंधन से था, का आयोजन दिनांक 27–28 जनवरी 2022 तक सीडीएम, सिकन्दराबाद में किया गया था। संगोष्ठी में इस बेहद महत्वपूर्ण विषय को तीन थीमों नामतः राष्ट्र और इसकी सुरक्षा, सामरिक संस्कृति एवं शासन कला, और राष्ट्रीय सुरक्षा का ढांचाः भूमिका एवं उत्तर दायित्व के अंतर्गत संबोधित किया गया। इस संगोष्ठी का उद्देश्य भारतीय प्राचीन ज्ञान के व्यापक भंडार को खोजना ही नहीं था बल्कि भागीदारों के मध्य विषयगत रूचि को स्थापित करना है।

भारतीय प्राचीन ज्ञान प्रणाली संबंधी संगोष्ठी

सांझी संक्रियात्मक समीक्षा एवं विकास (सीओआरई) कार्यक्रमः मेजर जनरल और समकक्ष एवं उनके सिविलियन समकक्षों के लिए यूएसआई, नई दिल्ली में दिनांक 25 अप्रैल से 29 अप्रैल 22 तक एक विकास कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस विकास कार्यकम में तीनों सेनाओं से 17 मेजर जनरल और समकक्ष अधिकारियों ने भागीदारी की। कार्यक्रम का आयोजन समकालिक मुद्दों पर पैनल विचार–विमर्श और उत्साहपूर्वक वार्ताओं के जरिए सशस्त्र सेना, आईएफएस, शैक्षिक जगत और उद्योग के विषय मामले विशेषज्ञों द्वारा किया गया। संयुक्त कौशल, एकीकरण एवं युद्धक्षेत्र राष्ट्रीय सुरक्षा के स्थितिज पहलू युद्ध एवं उभरते खतरों के परिवर्तित स्वरूप, अधिग्रहण प्रबंधन एवं सामरिक नेतृत्व इस कार्यक्रम के महत्वपूर्ण केन्द्रित क्षेत्र हैं।

मुख्य कार्यक्रम –2022 का आयोजन

रसायनिक–जैविकीय खतरे एवं न्यूनीकरण उपाय विषयक संगोष्ठी– तीनों सेनाओं के मध्य जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से दिनांक 15 नवंबर 2022 को इस समकालिक एवं प्रासंगिक विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया था। प्रत्येक क्षेत्र में अपेक्षित अनुभव प्राप्त लब्धप्रतिष्ठ वक्ता ने जमीनी स्तर पर सेना संरक्षण की दिशा में भागीदारी करते हुए खतरा संबंधी परिदृश्य, प्रौद्योगिकीय समृद्धता एवं न्यूनीकरण उपायों को रेखांकित किया। तीनों सेनाओं एवं एकीकृत रक्षा स्टाफ मुख्यालय से 34 अधिकारियों ने संगोष्ठी में व्यक्तिगत रूप से भागीदारी की और 175 संस्थानों/विरचनाओं/यूनिटों ने इस संगोष्ठी में वर्चुअल मोड प्लेटफार्म से भागीदारी की।

रसायनिक–जैविकीय खतरे एवं न्यूनीकरण उपायों से संबंधी संगोष्ठी

साइबर जागरूकता दिवस– अक्टूबर 2022 में राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा जागरूकता माह के भाग के रूप में डीसीवाईए और सेना साइबर समूह (एससीजी) के तत्वाधान के अर्न्तगत सभी तीनों सेनाओं के कार्मिकों, रक्षा सिविलियनों और उनके परिवारों के मध्य साइबर जागरूकता विकसित करने हेतु एक व्यापक अभियान का आयोजन किया गया था।

राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह– एकता शपथ दिलाए जाने के द्वारा राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया था। इसके अलावा, यूनिटी रन का भी आयोजन किया गया था और इस आयोजन में तीनों सेनाओं के शूरवीरों की उत्साहवर्द्धक् भागीदारी देखी गई।

राष्ट्रीय एकता दिवस दौड़

संवैधानिक दिवस समारोह– संवैधानिक दिवस को 26 नवंबर 2022 को मनाया गया जिसमें सभी कार्मिकों को शपथ दिलाया जाना शामिल था और भारतीय संविधान के मौलिक अधिकारों को शामिल करते हुए वार्ताएं/वेबीनार आयोजित किया गया।

संविधान दिवस समारोह

वृक्षारोपण अभियान– ट्राइडेंट अफसर 'मेस, एकीकृत रक्षा स्टाफ मुख्यालय में दिनांक 8 दिसंबर 2022 को स्वर्गीय जनरल विपिन रावत और 13 मृत कार्मिकों की पहली पुण्यतिथि की याद में वृक्षारोपण अभियान किया गया।

वृक्षारोपण अभियान

◆◆◆

अनुबंध क
(पैरा 2.16 देखें)

मानवीय सहायता और आपदा राहत (एचएडीआर)			
क्र.सं.	दिनांक	घटना	बचाव/राहत का ब्यौरा
1.	27 मार्च 22	सरिस्का टाइगर रिजर्व, अलवर (राजस्थान)में आग लगने की घटना	31 उड़ानों में 72,350 पानी का छिड़काव किया गया।
2.	10 अप्रैल 22	रोपवे दुर्घटना, झारखण्ड	56 कार्मिकों का बचाव किया गया।
3.	18 अप्रैल 22	सज्जनगढ़ वन्यजीव अभयारण्य, उदयपूर राजस्थान में आग लगने की घटना	11 उड़ानों में 9800 लीटर पानी का छिड़काव किया गया।
4.	28 अप्रैल 22	कम्बेट फॉरेस्ट फायर वनखंडबंकी) (गांव–सिसारमाट) उदयपुर, (राजस्थान)	07 उड़ानों में 24200 लीटर पानी का छिड़काव किया गया।
5.	07 मई 22	चक्रवात असनी	सहायता प्रदान करने के लिए दलों को तैयार रखा गया था।
6.	17 मई 22	असम में बाढ़ राहत और निष्क्रमण	• भारतीय सेना द्वारा 1906 नागरिकों का बचाव किया गया और 10330 कि.ग्रा. राशन का वितरण किया गया। • भारतीय वायु सेना द्वारा 819 नागरिकों का बचाव किया गया और 251.4 टन राहत सामग्री का वितरण किया गया।
7.	08 जुलाई 22	ऑपरेशन शिवा (पवित्रतीर्थ मंदिर अमरनाथ जी गुफा में फ्लैश फ्लड के लिए)	• भारतीय सेना द्वारा 102 नागरिकों का बचाव किया गया। • भारतीय वायु सेना द्वारा 252 नागरिकों का बचाव किया गया और 34.63 टन राहत सामग्रियों का वितरण किया गया।
8.	-	गुजरात,तेलंगाना, महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश में बाढ़ राहत की तैयारी	• भारतीय सेना द्वारा 113 नागरिकों का बचाव किया गया • भारतीय वायु सेना द्वारा 340 नागरिकों का बचाव किया गया और 64.48 टन राहत सामग्री का वितरण किया गया। • भारतीय नौसेना द्वारा 17.35 टन सामग्री का वितरण किया गया।
9.	26 अगस्त 22	राजस्थान, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में बाढ़ राहत निष्क्रमण	• भारतीय सेना द्वारा 502 नागरिकों का बचाव किया गया। • भारतीय वायुसेना द्वारा 03 नागरिकों का बचाव किया गया और 1500 कि.ग्रा. राहत सामग्री का वितरण किया गया।
10.	06 सितंबर 22	बैंगलुरु में बाढ़ राहत निष्क्रमण	भारतीय सेना द्वारा 80 नागरिकों का बचाव किया गया।
11.	26–28 सितं. 22	पिथौरागढ़ में बाढ़ राहत निष्क्रमण	भारतीय वायु सेना द्वारा 116 नागरिकों का बचाव किया गया।
12.	04 अक्टूबर 22	हरसिल, उत्तराखण्ड में हिमस्खलन की घटना और बचाव ऑपरेशन	• भारतीय वायुसेना द्वारा 32 कार्मिकों का बचाव किया गया और 8410 कि.ग्रा. सामग्री का वितरण किया गया। • 27 शव बरामद किए गए
13.	30 अक्टूबर 22	मोरबी, गुजरात में रोपवे ब्रिज घटना और बचाव ऑपरेशन	• 84 नागरिकों का बचाव किया गया। • 134 शव बरामद किए गए। • राजकोट के लिए एक एनडीआरएफ टीम का एयरलिफ्ट किया गया। जामनगर में एक एएन 32 को तैयार रखा गया। • साइट पर बचाव और राहत ऑपरेशन के लिए जामनगर से 27 गरुडों को तैनात किया गया।

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन

रक्षा मंत्रालय
MINISTRY OF
DEFENCE

सत्यमेव जयते

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन

पृष्ठभूमि

डीआरडीओ की स्थापना 1958 में रक्षा विज्ञान संगठन को तकनीकी विकास स्थापनाओं के साथ संयुक्त रूप देकर की गई थी। जैसे.जैसे यह समृद्ध हुआ स्वदेशी प्रौद्योगिकियों एवं प्रणालियों का कार्यभार लेने के लिए नई प्रयोगशालाओं का निर्माण किया गया। ये प्रयोगशालाएं प्रणाली डिजाइन एवं विकास, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी एवं परीक्षण प्रयोगशालाओं में विस्तृत तौर पर वर्गीकृत हैं। डीआरडीओ ने सेनाओं के लिए कई शस्त्र प्रणालियों एवं उत्पादों को विकसित किया है। डीआरडीओ ने सामरिक प्रणालियों, सैन्य विमानों, समारिक मिसाइलों, रडारों, सोनारों, टॉरपीडो, मल्टी–बैरेल रॉकेट लांचरों एवं टैंको के विकास में पर्याप्त विशेषज्ञता प्राप्त की है। ये प्रणालियां उच्च तौर पर प्रौद्योगिकी गहन है एवं इनके निर्माण में कई डीआरडीओ प्रयोगशालाओं ने निजी उद्योगों, आयुध कारखानों एवं रक्षा सार्वजनिक उपक्रमों के साथ.साथ योगदान दिया है। यह कहने की आवश्यकता नहीं कि इनमें से कुछ क्षेत्रों के लिए उद्योगों के पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण में डीआरडीओ का योगदान रहा है।

सरकार की वर्तमान नीतियों ने जो भारतीय उद्योग द्वारा स्वदेशी प्रणालियों के विकास के साथ.साथ दो रक्षा कॉरिडोरों के निर्माण को प्रोत्साहित करती है, निजी उद्योगों को रक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य करने का मार्ग प्रशस्त किया है। डीआरडीओ ने ऐसी प्रणालियों अथवा प्रौद्योगिकी उत्पादन पर जोर देते हुए एक निगेटिव सूची प्रकाशित की है जिनका उत्पादन सीधे तौर पर भारतीय उद्योग द्वारा किया जा सकता है। इस प्रकार यह डीआरडीओ के लिए उन प्रणालियों को प्राप्त करने पर ध्यान केन्द्रित करने का सही समय एवं अवसर है जो युद्ध भूमि में क्रांतिकारी परिवर्तन लाएगी।

डीआरडीओ के मिशन में मुख्य रूप से निम्नांकित विस्तृत गतिविधियां शामिल हैः

- भूमिए वायु, समुद्र, अंतरिक्ष एवं साइबर के रक्षा एवं सुरक्षा क्षेत्र में अत्याधुनिक सेंसरों, शस्त्र प्रणालियों, प्लेटफॉर्मों एवं संबद्ध उपकरणों का डिजाइन एवं विकास।
- विभाग के अनुसंधान एवं विकास पारिस्थिकी तंत्र के माध्यम से विकसित प्रणालियों एवं प्रौद्योगिकियों के उत्पादन एवं समावेशन का सरलीकरण।
- समाघात प्रभावशीलता को बढ़ाने हेतु सेनाओं को प्रौद्योगिकीय समाधान प्रदान करना।
- सहयोग के माध्यम से भारतीय उद्योगए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (एस एंड टी) संस्थानों एवं शिक्षण संस्थानों में रक्षा अनुसंधान एवं विकास क्षमता को पोषण प्रदान कर मजबूत बनाना।
- आधारभूत संरचना एवं परीक्षण और मूल्यांकन सुविधाओं का विकास, डिजाइन प्रमाणीकरण, कौशल विकास, एवं मानव संसाधन को मजबूती प्रदान करना।

जनशक्ति

01 नवंबर 2022 तक डीआरडीओ में 20,899 कर्मचारियों की जनशक्ति मौजूद है जिसमें 6,802 वैज्ञानिक है एवं 1731 सशस्त्र सेना बलों के हैं।

प्रदान की गई / सौंपी गई / शामिल की गई / शामिल की जाने वाली महत्वपूर्ण प्रणालियां

तीसरी पीढ़ी की हेलीकॉप्टर से प्रक्षेपित होने वाली एन्टी टैंक गाइडेड मिसाइल ('हेलिना' / ध्रुवास्त्र)

हेलिना तीसरी पीढ़ी की हेलीकॉप्टर–लॉन्च एंटी–टैंक गाइडेड मिसाइल (एटीजीएम) है, जिसमें एडवांस लाइट हेलीकॉप्टर (एएलएच) पर एकीकरण के लिए आईआईआर सीकर के साथ लॉक–ऑन–बिफोर–लॉन्च (एलओबीएल) क्षमता है। इस प्रणाली में हर मौसम में दिन और रात में काम करने की क्षमता है और यह पारंपरिक कवच के साथ–साथ विस्फोटक प्रतिक्रियाशील कवच के साथ युद्धक टैंकों को हरा सकती है। प्रयोक्ता मूल्यांकन परीक्षणों के एक भाग के रूप में, अप्रैल 2022 में एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर (एएलएच) से लेह में उच्च तुंगता रेंज में उड़ान परीक्षण आयोजित किए गए थे। उड़ान परीक्षण के साथ, प्रणाली का सुसंगत कार्य प्रदर्शन किया गया है, जो 'हेलिना' को सशस्त्र बलों में शामिल करने में सक्षम होगा।

'नाग' एंटी टैंक गाइडेड मिसाइल

'नाग' डीआरडीओ द्वारा विकसित तीसरी पीढ़ी की, एंटी–टैंक गाइडेड मिसाइल (एटीजीएम) है। दिन और रात की संचालन क्षमताओं के साथ, यह मिसाइल आधुनिक दुश्मन टैंकों का सामना कर सकती है। यह एक लॉक–ऑन–बिफोर–लॉन्च (एलओबीएल), फायर एंड फॉरगेट क्लास एटीजीएम है, जो स्वदेशी रूप से विकसित सीकर का उपयोग करता है। मिसाइल प्रणाली के प्रयोक्ता परीक्षण पहले ही पूरे हो चुके हैं। फरवरी 2022 में, एनएएमआईसीए के रखरखाव मूल्यांकन परीक्षणों (एमईटी) का चरण–1 पूरा हो गया है और अक्टूबर 2022 में, आयुध निर्माणी मेडक में एनएएमआईसीए के 200 किलोमीटर ट्रैक परीक्षण पूरे किए गए थे। डीजीक्यूए का मूल्यांकन प्रगति पर है। प्रणाली समावेशन हेतु तैयार है।

आकाश शस्त्र का प्राधिकार नियंत्रित सील विवरण (एएचएसपी)

आकाश सतह से हवा में मार करने वाली पहली अत्याधुनिक स्वदेशी मिसाइल प्रणाली है जो लगभग एक दशक से सशस्त्र बलों के पास मौजूद है। दिसंबर 2022 में, डीआरडीओ ने मिसाइल प्रणाली गुणवत्ता आश्वासन एजेंसी (एमएसक्यूएए) को आकाश शस्त्र प्रणाली (भारतीय सेना संस्करण) का एएचएसपी सौंपा। तकनीकी विनिर्देश और गुणवत्ता दस्तावेज तथा पूर्ण शस्त्र प्रणाली घटकों की ड्राइंग को सील कर दिया गया और एएचएसपी हस्तांतरण के हिस्से के रूप में परियोजना आकाश द्वारा एमएसक्यूएए को सौंप दिया गया।

भारतीय वायु सेना (आईएएफ) के लिए मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल (एमआरएसएएम)

भारतीय वायु सेना के लिए एमआरएसएएम एक उन्नत नेटवर्क केंद्रित लड़ाकू वायु रक्षा मिसाइल प्रणाली है जिसे डीआरडीओ और इजरायल द्वारा संयुक्त रूप से एमएसएमई सहित निजी और सार्वजनिक क्षेत्रों सहित भारतीय उद्योग के सहयोग से विकसित किया गया है। यह लड़ाकू विमानों, हेलीकॉप्टरों और क्रूज मिसाइलों जैसे कई हवाई लक्ष्यों को भेदने में सक्षम है। वर्ष 2022 में, एमआरएसएएम की कई फायरिंग यूनिट भारतीय वायु सेना को सौंपी गई।

उन्नत टोडी आर्टिलरी गन प्रणाली (एटीएजीएस)

एटीएजीएस एक ऑल–इलेक्ट्रिक ड्राइव चार पहिये वाली उन्नत गन प्रणाली है। यह भविष्य की आवश्यकताओं को पूरा करता है जैसे कि बेहतर सटीकता, उन्नत अग्नि नियंत्रण प्रणाली, जहाज पर विस्तारित रेंज और निगरानी और दृष्टि प्रणालियों के साथ एक साथ कई राउंड की प्रभाव क्षमता। यह प्रणाली भारतीय सेना के पास मौजूद मौजूदा 155 मिमी गोला–बारूद को उच्च रेंज, सटीकता और स्थिरता के साथ फायर करने में सक्षम है। अप्रैल–मई 2022 में, पीएसक्यूआर सत्यापन पुनः परीक्षण (पीवीआरटी) सफलतापूर्वक पूरा किया गया। मई–जून 2022 में ईएमआई/ईएमसी परीक्षण आयोजित किए गए थे। जुलाई–सितंबर 2022 में एमईटी को सफलतापूर्वक पूरा किया गया। लाल किले पर स्वतंत्रता दिवस 2022 समारोह के दौरान पहली बार एटीएजीएस का इस्तेमाल 21 तोपों की औपचारिक सलामी में किया गया था।

भारतीय नौसेना के जहाजों, विमानों और हेलीकॉप्टरों के लिए ईडब्ल्यू प्रणाली 'समुद्रिका'

डीआरडीओ ने सात इलेक्ट्रॉनिक युद्ध (ईडब्ल्यू) प्रणालियों के एक समूह का विकास शुरू किया है, जिसमें तीन पोत–वाहित प्रणालियां (शक्ति, नयन और तुषार) और चार वायु–वाहित प्रणालियां (सर्वधारी, सारंग, सराक्षी और निकाश) शामिल हैं। नौसेना प्लेटफार्मों के लिए सात इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सिस्टम के सभी विकास परीक्षण पूरे हो चुके हैं। नवंबर 2021 में झांसी में राष्ट्र रक्षा समर्पण पर्व के दौरान माननीय प्रधान मंत्री द्वारा नौसेना प्रमुख को शक्ति ईडब्ल्यू प्रणाली सौंपी गई थी। अक्टूबर 2022 में गांधीनगर में डिफेंस एक्सपो में 'बंधन' समारोह के दौरान माननीय रक्षा मंत्री द्वारा उद्योग भागीदारों को टीओटी प्रदान किया गया था।

वायु मुक्त प्रणोदन (एआईपी) प्रणाली

डीआरडीओ ने हाइड्रोजन ईंधन सेल–आधारित एआईपी प्रणाली के प्रदर्शन के लिए एक पूर्ण पैमाने पर भूमि आधारित प्रोटोटाइप (एलबीपी) विकसित किया है ताकि डीजल–इलेक्ट्रिक पनडुब्बियों की अंतर्जलीय सहनशीलता को बढ़ाया जा सके। वर्ष 2022 में, एआईपी प्रोटोटाइप के जोखिम शमन परीक्षण के चार चरणों में से चरण 1 और चरण 2 प्रयोक्ताओं के सामने पूरे किए गए थे। पनडुब्बी पर एकीकरण से पहले एआईपी मॉड्यूल के जोखिम शमन की दिशा में जीवन चक्र अध्ययन प्रगति पर है। गणतंत्र दिवस परेड–2022 में इस प्रणाली की झांकी को प्रदर्शित किया गया था।

शस्त्र संसूचना रडार (डब्ल्यूएलआर)

डब्ल्यूएलआर सुसंगत, इलेक्ट्रॉनिक रूप से स्कैन किए गए चरणबद्ध एरे रडार है। यह रडार स्वचालित रूप से शत्रु के तोपखाने, मोर्टार और रॉकेट लॉन्चरों का पता लगाता है और आवश्यक सुधार जारी करने के लिए फ्रेंडली तोपखाने के प्रभाव बिंदु का पता लगाने के लिए फ्रेंडली फायर को ट्रैक करता है। रडार को युद्ध स्थान के क्षैतिज छोटे क्रॉस सेक्शन के साथ प्रोजेक्टाइल का पता लगाने के लिए डिज़ाइन किया गया है, और इसमें कई स्थानों पर तैनात हथियारों से एक साथ प्रहार संचालन करने की क्षमता है। जून 2022 में, डीएसी ने स्वदेशी डब्ल्यूएलआर – स्वाति के साथ आयातित रडार के प्रतिस्थापन के लिए मंजूरी दे दी है। डब्ल्यूएलआर–माउंटेन का प्रयोक्ता मूल्यांकन भी प्रगति पर है और भारतीय सेना ने डब्ल्यूएलआर माउंटेन के लिए आदेश दे दिया है।

सीमा निगरानी प्रणाली (बॉस)

बॉस हाइब्रिड ऊर्जा स्रोत से संचालित रडार, इलेक्ट्रो–ऑप्टिकल और जियोलोकेशन सेंसर का उपयोग करके सीमावर्ती क्षेत्रों की हर मौसम में दूरस्थ निगरानी प्रदान करता है। यह प्रणाली दूरस्थ संचालन क्षमता के साथ प्रतिफल उच्च तुंगता वाले शून्य से नीचे तापमान क्षेत्रों में निर्देशों का स्वचालित रूप से पता लगाकर सर्वेक्षण और निगरानी की सुविधा प्रदान करती है। यह प्रणाली माननीय रक्षा मंत्री द्वारा पहले ही भारतीय सेना को सौंप दी गई है। पहली उत्पादन मॉडल (एफओपीएम) इकाई को अक्टूबर 2022 में फील्ड स्थान पर प्रयोक्ता को वितरित कर दी गई।

टी–90 टैंक के लिए डे–कम लेजर रेंज फाइंडर के साथ कमांडर्स थर्मल इमेजिंग साइट

कमांडर्स थर्मल इमेजर (सीटीआई) का उपयोग युद्ध क्षेत्र की निगरानी और दिन और रात दोनों के दौरान लक्ष्यों का पता लगाने के लिए किया जाता है। यह रात के दौरान बख्तरबंद लड़ाकू वाहनों (एएफवी) की हंटर किलर क्षमता को भी सक्षम बनाता है। थर्मल इमेजर मान्यता सीमा को बढ़ाने वाले एमवीआईआर पर आधारित है। इन अद्यतनों के साथ, टैंक कमांडर दिन/रात के दौरान स्वतंत्र निगरानी और लक्ष्य अधिग्रहण करने में सक्षम होंगे। कमांडर साइटिंग प्रणाली में लक्ष्य की सटीक रेंज प्राप्त करने के लिए एक आई सेफ लेजर रेंज फाइंडर (एलआरएफ) को शामिल किया गया है। फरवरी 2022 में, भारतीय सेना ने टी–90 टैंक प्रणाली के लिए डे कम लेजर रेंज फाइंडर के साथ कमांडर्स थर्मल इमेजिंग साइट को शामिल करने के लिए एक मांग पत्र रखा है और उद्योग भागीदार को आदेश दिए हैं।

ध्वनि स्वचालित सोनार ट्रेनर

ध्वनि भारतीय नौसेना कर्मियों के लिए एक उन्नत प्रशिक्षण उपकरण है जिसे निष्क्रिय सोनार, सक्रिय सोनार और अंतर्जलीय संचार प्रणाली से संबंधित अवधारणाओं की जानकारी लेकर भौतिक रूप से परिदृश्य उत्पन्न करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह प्रणाली 02 जनवरी 2022 को माननीय उपराष्ट्रपति की उपस्थिति में भारतीय नौसेना को सौंप दी गई थी।

भारतीय भू–भाग नौसेना के लिए विकिरण संदूषण निगरानी प्रणाली (आरसीएमएस)

भारतीय नौसेना के लिए पोर्टल मॉनिटरिंग सिस्टम (पीएमएस), संदूषण मॉनिटरिंग सिस्टम–लिनेन (सीएमएस–एल), संदूषण मॉनिटरिंग सिस्टम भू–भाग (सीएमएस–टी) और हैंड फुट संदूषण मॉनिटरिंग सिस्टम (एचएफसीएमएस) से युक्त आरसीएमएस विकसित किया गया है। यह प्रणाली किसी भी परमाणु/ रेडियोलॉजिकल आपात स्थिति के कारण परमाणु विकिरणों के आकस्मिक उत्सर्जन के दौरान स्थितियों का प्रभावी प्रबंधन प्रदान करती है। फील्ड मूल्यांकन को सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद, मई 2022 में सिस्टम को भारतीय नौसेना को सौंप दिया गया है।

हेलमेट और प्रेशर ब्रीदिंग मास्क

एकीकृत कॉमन हेलमेट और प्रेशर ब्रीदिंग ऑक्सीजन मास्क का उपयोग यूरो और रूसी श्रृंखला के विमानों का संचालन करने वाले भारतीय वायु सेना के पायलटों द्वारा किया जा रहा है। एमआई–17 और एमआई–17 1वी हेलीकॉप्टरों के एयरक्रू के लिए हेलमेट और मास्क को भारतीय वायु सेना द्वारा उड़ान मंजूरी और सफल उड़ान परीक्षणों के बाद स्वीकार कर लिया गया है। वर्ष 2022 में, मिग–29 के एयरक्रू हेलमेट और प्रेशर ब्रीदिंग ऑक्सीजन मास्क की पहली खेप भारतीय नौसेना को सौंपी गई थी।

'आईएनएस विक्रांत' के लिए उच्च शक्ति वाले स्टील

डीआरडीओ द्वारा विकसित उच्च शक्ति वाले स्टील का उपयोग भारतीय नौसेना के पहले स्वदेशी विमान वाहक (आईएसी) 'आईएनएस विक्रांत' के निर्माण में किया गया था, जिसे 02 सितंबर 2022 को माननीय प्रधान मंत्री द्वारा कमीशन किया गया था।

मोनोलिथिक माइक्रोवेव इंटीग्रेटेड सर्किट्स (एमएमआईसीएस)

डीआरडीओ द्वारा विकसित एमएमआईसी का उपयोग पृथ्वी अवलोकन उपग्रह (ईओएस) के रडार इमेजिंग उपग्रह मॉड्यूल में किया गया है, जिसे इसरो द्वारा फरवरी 2022 में लॉन्च किया गया था। यह उद्योग भागीदारों के समर्थन के साथ भारत सरकार के दो उन्नत प्रौद्योगिकी विभागों के बीच सहयोगात्मक उपलब्धि का एक उदाहरण था।

ड्रोनः पता लगाना, निवारण और नष्ट करना (डी 4) प्रणाली

डी 4 सिस्टम जिम्मेदारी के क्षेत्र में उड़ने वाले ड्रोन (माइक्रो/स्मॉल यूएवी) की रियल टाइम सर्च, पता लगाने, ट्रैकिंग और न्यूट्रलाइजेशन (सॉफ्ट/हार्ड किल) करने में सक्षम है और ग्राफिकल यूजर इंटरफेस (जीयूआई) पर ऑब्जेक्ट विवरण (ऑप्टिकल/थर्मल) और आरएफ स्पेक्ट्रम डिस्प्ले प्रदान करेगा। इस प्रणाली को वर्ष 2022 में गणतंत्र दिवस परेड, बीटिंग द रिट्रीट, स्वतंत्रता दिवस और रक्षा एक्सपो में तैनात किया गया था। तीनों सेनाओं ने इन प्रणालियों के लिए ऑर्डर दिए हैं। अप्रैल 2022 में, कई उद्योग भागीदारों के साथ एलएटीओटी (प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के लिए लाइसेंसिंग समझौता) पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

अत्यधिक शीत मौसम की वस्त्रीकरण प्रणाली (ईसीडब्ल्यूसीएस)

डीआरडीओ द्वारा विकसित ईसीडब्ल्यूसीएस एक मॉड्यूलर है, जो तीन स्तरीय कपड़ों की प्रणाली है जिसे अत्यधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में युद्ध संचालन के दौरान इन्सुलेशन, वाटरप्रूफिंग, मजबूती, हल्के वजन और एर्गोनॉमिक रूप से मूल्यांकन किए गए पहनने वाले आराम दायक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डिजाइन और मूल्यांकन किया गया है। मानव विषयों पर क्षेत्र मूल्यांकन के बाद प्रौद्योगिकी को पहले ही उद्योग भागीदार को हस्तांतरित किया जा चुका है। वर्ष 2022 में, ईसीडब्ल्यूसीएस का फील्ड परीक्षण छांग ला, खारदुंग ला और बेस कैंप में किया गया था। प्रयोक्ता परीक्षण भी प्रगति पर हैं।

समुद्री जल शुद्धिकरण किट (गगनयान मिशन और भारतीय नौसेना)

आपातकालीन समुद्री जल शोधन किट (ईएसडब्ल्यूपीके) नामक समुद्री जल को पीने योग्य पानी में परिवर्तित करने के लिए प्रौद्योगिकी विकसित किया गया है। यह किट 30 मिनट के भीतर समुद्र के पानी से उच्च कुल घुलित ठोस (टीडीएस), टर्बिडिटी, रंग, माइक्रोबियल संदूषण को हटा देता है और परिचालन स्थिति और आपातकालीन परिदृश्य के दौरान नाविकों/अंतरिक्ष यात्रियों/सैनिकों को शुद्ध पानी प्रदान करता है। वर्ष 2022 में, गगनयान मिशन के लिए किट का प्रयोक्ता परीक्षण नौसेना डॉकयार्ड मुंबई में भी किया गया था। टीओटी पूरा हो गया है और भारतीय नौसेना ने लाइफ राफ्ट में उपयोग के लिए स्वीकृति दे दी है।

हिमस्खलन रडार

डीआरडीओ ने एक अत्याधुनिक डॉप्लर हिमस्खलन निगरानी रडार विकसित किया है, जिसे भारतीय सेना और डीआरडीओ द्वारा उत्तर पूर्व हिमालय में स्थापित और संचालित किया गया था। इसमें अपने ट्रिगर के तीन सेकंड के भीतर हिमस्खलन का पता लगाने की क्षमता है और यह सैनिकों के जीवन को बचाने और अत्यधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में संपत्ति के नुकसान को कम करने में सहायता करेगा।

प्रयोक्ता मूल्यांकन के तहत प्रमुख प्रणालियां

सतह से हवा में मार करने वाली त्वरित प्रतिक्रिया वाली मिसाइल (क्यूआरएसएएम)

क्यूआरएसएएम भारतीय सेना के लिए विकसित एक भूमि–आधारित ऑन–द–मूव वायु रक्षा प्रणाली है। यह प्रणाली सर्च और ट्रैक ऑन मूव क्षमता के साथ बहु–दिशात्मक लक्ष्यों को भेदने और शॉर्ट हॉल्ट पर फायरिंग करने में सक्षम है। मिसाइल अत्यधिक सक्षम है और अत्यधिक गतिशीलता वाले हवाई खतरों को संभाल सकती है। अनुकूलित मोबाइल लॉन्चर वाहन (एमएलवी) के साथ स्वदेशी रूप से विकसित मिसाइल प्रणाली को भारतीय सेना की रक्षा परिचालन आवश्यकताओं और कार्यात्मक

आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डिजाइन और कॉन्फ़िगर किया गया है। सितंबर 2022 में, डीआरडीओ और भारतीय सेना ने आईटीआर चांदीपुर से क्यूआरएसएएम मिसाइल प्रणाली के कई सफल उड़ान परीक्षण किए हैं।

लेजर आधारित एंड गेम फ्यूज (एलबीईजीएफ) हवाई लक्ष्य का पता लगाता है और मिसाइल के लक्ष्य विनियोजन के दौरान फायरिंग पल्स के साथ रेंज और क्षेत्र की जानकारी प्रदान करता है।

एलबीईजीबी को उद्योग भागीदार के माध्यम से पूरा किया गया और क्यूआरएसएएम में सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया।

मिसाइल के रडार में चार एंटीना पैनल सक्रिय इलेक्ट्रॉनिक रूप से स्कैन किए गए हैं, जो ऑपरेशन ऑन मूव के लिए इलेक्ट्रॉनिक स्थिरीकरण के साथ हैं। सितंबर 2022 में, पीएसक्यूआर सत्यापन परीक्षण (पीवीटी) के गतिशीलता परीक्षण और प्रयोक्ता भाग पूरे हो गए थे।

ब्रह्मोस

ब्रह्मोस, दो चरणों की सटीक स्ट्राइक सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल है, जो फायर एंड फॉरगेट सिद्धांत पर काम कर रही है, जिसे जमीन और समुद्री लक्ष्यों के खिलाफ कई प्लेटफार्मों (हवा, समुद्र और जमीन पर) से लॉन्च किया जा सकता है। ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल के हवाई संस्करण का 19 अप्रैल 2022 को भारतीय वायु सेना द्वारा सफलतापूर्वक परीक्षण और 27 अप्रैल 2022 को भारतीय नौसेना द्वारा एंटी–शिप संस्करण का सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया था। ब्रह्मोस मिसाइल के विस्तारित रेंज संस्करण का पहला प्रक्षेपण 12 मई 2022 को एसयू–30 मार्क 1 विमान से किया गया था। इसके साथ, सभी तीन वैक्टर (भूमि, वायु और समुद्र) से सटीक हमले करने की क्षमता हासिल की गई है। रक्षा मंत्रालय ने 'खरीदो–भारतीय' श्रेणी के तहत अतिरिक्त दोहरी भूमिका के लिए सक्षम सतह से सतह पर मार करने वाली ब्रह्मोस मिसाइल की प्राप्ति के लिए मेसर्स ब्रह्मोस एयरोस्पेस प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किया है।

एमबीटी अर्जुन मार्क–II के लिए एटीजीएम

कैनन लॉन्च एंटी–टैंक गाइडेड मिसाइल (एटीजीएम) को मल्टी–प्लेटफॉर्म लॉन्च क्षमता के साथ विकसित किया गया है और वर्तमान में एमबीटी अर्जुन मार्क–II की 120 मिमी राइफल गन से तकनीकी मूल्यांकन परीक्षणों से गुजर रहा है। स्वदेशी एटीजीएम विस्फोटक प्रतिक्रियाशील कवच (ईआरए) संरक्षित बख्तरबंद वाहनों को विफल करने के लिए एक टेंडम उच्च विस्फोटक एंटी–टैंक (हीट) वारहेड का उपयोग करता है। जून 2022 में एमबीटी अर्जुन से मिसाइल का सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया था। परीक्षण में, एटीजीएम ने सटीक लक्ष्य पर प्रहार किया और न्यूनतम रेंज पर लक्ष्य को विफल किया। परीक्षण के साथ, एटीजीएम की न्यूनतम से अधिकतम सीमा तक लक्ष्य को भेदने की क्षमता साबित की गई है। अगस्त 2022 में फिर से मिसाइल का सफल परीक्षण किया गया। परीक्षण में, मिसाइलों ने सटीकता के साथ प्रहार किया और दो अलग–अलग रेंज पर लक्ष्य को नष्ट कर दिया।

लेजर सीकर मॉड्यूल (एलएसएम) एटीजीएम का एक महत्वपूर्ण उपप्रणाली है जो एटीजीएम को उड़ान मार्गदर्शन प्रदान करता है और इसे एमबीटी अर्जुन मार्क–II से लॉन्च किया जा सकता है। उद्योग भागीदारों के माध्यम से कई मॉड्यूल पूरे किए गए हैं और एटीजीएम के साथ कई उड़ान परीक्षणों से गुजर रहे हैं।

अर्जुन बख्तरबंद मरम्मत और रिकवरी वाहन (अर्जुन एआरआरवी)

एमबीटी अर्जुन का समर्थन करने के लिए पीएसक्यूआर के अनुसार इस विशेष वाहन को विभिन्न उच्च क्षमता रिकवरी और मरम्मत समुच्चय के साथ विशिष्ट रूप से डिजाइन किया गया है। वाहन को सह–विकास और उत्पादन एजेंसी के माध्यम से बनाया गया है। अर्जुन एआरआरवी का डीजीक्यूए मूल्यांकन और एमईटी (उपयोगिता भाग) क्रमशः मार्च 2022 और अगस्त 2022 में पूरा हो गया था। ईएमआई / ईएमसी परीक्षण प्रगति पर है। अर्जुन एआरआरवी के लिए एओएन प्राप्त किया गया था।

टी–72 टैंक के लिए उन्नत 1000 एचपी इंजन

ईआरए और अन्य सुधारों द्वारा भार वृद्धि के कारण गतिशीलता को बढ़ाने के लिए, डीआरडीओ ने टी–72 इंजन के पावर आउटपुट को 780 एचपी से 1000 एचपी तक अपग्रेड किया। अपरेटेड इंजन का राजस्थान के रेगिस्तान में व्यापक परीक्षण किया गया। डीआरडीओ ने अपरेटेड 1000 एचपी इंजन के साथ एकीकृत दो टी–72 टैंक तैयार किए थे और उन्हें प्रयोक्ता परीक्षणों के लिए फील्ड में उतारा था। मई 2022 में, राजस्थान के रेगिस्तान में प्रयोक्ता परीक्षण आयोजित किए गए थे। उन्नत मॉड्यूल के साथ इंजन ने पूरे रन के दौरान अच्छा प्रदर्शन किया।

मैकेनिकल माइन लेयर – सेल्फ प्रोपेल्ड (एमएमएल–एसपी)

टैंक–रोधी मार्क–III / IVवी गोला–बारूद (बार म्यूनिशन) बिछाना भारतीय सेना की एक महत्वपूर्ण गतिविधि है। यह युद्ध गोलाबारूद स्ट्रीप के पार दुश्मन के टैंक गतिविधि की संभावना को धीमा या हटा देता है। इस गतिविधि को करने के लिए, डीआरडीओ ने स्वचालित (एसपी) और पूरी तरह से स्वचालित मैकेनिकल म्यूनिशन संबंधी (एमएमएल) उपकरण विकसित किए हैं। इसे मैदानों, रेगिस्तानी और अर्ध–रेगिस्तानी इलाकों में प्रभावी गोला–बारूद बिछाने की दर के साथ परिवर्तनीय गहराई और अंतराल पर मिट्टी में गोला–बारूद बिछाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। 2022 में, सिस्टम ने क्षेत्र मूल्यांकन, एमईटी पूरा कर प्रयोक्ता मूल्यांकन किया है।

पिनाका मार्क–I (विस्तारित रेंज) रॉकेट प्रणाली

पिनाका एक फ्री फ्लाइट आर्टिलरी रॉकेट सिस्टम है। पिनाका रॉकेट को एक मल्टी–बैरल रॉकेट लॉन्चर से लॉन्च किया जाता है जिसमें रॉकेटों के साल्वो लॉन्च करने की क्षमता होती है। अप्रैल 2022 में, पिनाका मार्क–I (एन्हांस्ड रेंज) रॉकेट सिस्टम (ईपीआरएस) और पिनाका एरियल डेनियल म्यूनिशन (एडीएम) रॉकेट सिस्टम का डीआरडीओ और भारतीय सेना द्वारा सफलतापूर्वक उड़ान परीक्षण किया गया है।

सटीकता और स्थिरता हेतु विभिन्न रेंज के लिए कई ईपीआरएस रॉकेट फायर किया गया। तकनीकी मूल्यांकन जुलाई–अगस्त 2022 में किया गया था। अक्टूबर 2022 में डीआरडीओ और प्रयोक्ता द्वारा संयुक्त रूप से उच्च ऊंचाई परीक्षण किए गए थे।

125 मिमी एफएसएपीडीएस टैंक गोला–बारूद

125 मिमी एफएसएपीडीएस गोला–बारूद का डिजाइन और विकास चल रहा है। गोला–बारूद में भेदने की क्षमता और स्थिरता अच्छी है। प्रारंभिक घातकता परीक्षणों ने भेदने की क्षमता प्राप्त करने के लिए गोला–बारूद की क्षमता का प्रदर्शन किया। प्रोटोटाइप परीक्षण और मूल्यांकन पूरा हो गया है। पीएसक्यूआर परीक्षण प्रयोक्ता परीक्षण निर्देशों के अनुसार शुरू किए जाते हैं। जून 2022 में, प्रयोक्ताओं की उपस्थिति में केके रेंज, अहमदनगर में घातकता परीक्षण आयोजित किए गए थे। गोला–बारूद लक्ष्य के माध्यम से प्रवेश किया और अत्यधिक गहराई में भेदने का लक्ष्य हासिल किया। इसके अलावा, अक्टूबर 2022 में, डीजीक्यूए पर्यावरण परीक्षण पूरे हो गए हैं।

उन्नत हल्के भार वाले टॉरपीडो (एएलडब्ल्यूटी)

एएलडब्ल्यूटी एक पनडुब्बी रोधी टॉरपीडो है। यह पनडुब्बी रोधी युद्ध (एएसडब्ल्यू) अभियानों के लिए भारतीय नौसेना के जहाजों और हेलीकॉप्टरों से लॉन्च किए जाने में सक्षम है। 2022 में, दो यूईटी सफलतापूर्वक पूरे किए गए।

उन्नत हल्के भार वाले टोही एरे सोनार (अल्टस)

अल्टस सतही परत के नीचे की स्थितियों में काम करने वाली पनडुब्बियों का पता लगाने, स्थानीयकरण और वर्गीकरण के लिए एक कुशल सेंसिंग प्रणाली है। यह पनडुब्बी–रोधी जल (एएसडब्ल्यू) अभियानों में उपयोगी है और युद्धपोतों के लिए मूक पनडुब्बियों का पता लगाने के लिए उपयुक्त सेंसर है। वर्ष 2022 में, नौसेना मंच पर प्रणाली के तकनीकी परीक्षण (टीटी) पूरे हो गए हैं और प्रयोक्ता से जुड़े/प्रयोक्ता मूल्यांकन परीक्षणों का कार्य प्रगति पर है।

पोर्टेबल डाइवर डिटेक्शन सोनार (पीडीडीएस)

परियोजना का उद्देश्य अंतर्जलीय घुसपैठियों या गोताखोरों और तैराक वितरण वाहनों विशेष रूप से ऐंकर या बंदरगाह में वाटर साइड संपत्ति और जहाजों के पास जैसे खतरों का पता लगाने और वर्गीकरण के लिए प्रौद्योगिकी और तकनीक विकसित करना है; आवश्यकता पड़ने पर सिस्टम को तैनात और पुनः प्राप्त किया जा सकता है। 2022 में, बहुत कम लक्ष्य शक्ति (टीएस) वाले गोताखोरों और स्वायत्त अंतर्जलीय वाहनों (एयूवी) जैसे छोटे लक्ष्यों का पता लगाने के लिए प्रणाली की क्षमताओं का नौसेना को सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया गया।

एयर डिफेंस फायर कंट्रोल रडार (एडीएफसीआर) – अतुल्य

एडीएफसीआर, एंटी–एयरक्राफ्ट गन के साथ मिलकर एक ग्राउंड बेस्ड एयर डी–फेंस (जीबीएडी) प्रणाली बनाता है, जिसका मुख्य उद्देश्य दिन और रात के दौरान, सभी मौसम की स्थिति में और दुश्मन के जेमिंग उपस्थिति में भी कम और बहुत कम दूरी पर सभी हवाई खतरों (लड़ाकू विमान, हेलीकॉप्टर और यूएवी) के खिलाफ प्रभावी बिंदु डिफेंस है। जुलाई 2022 में, पीएसक्यूआर सत्यापन परीक्षण (पीवीटी) के रूप में प्रयोक्ता तकनीकी परीक्षण और एमईटी पूरा हो गया है।

सक्रिय इलेक्ट्रॉनिक रूप से स्कैन किए गए एरे रडार (एईएसएआर) (उत्तम)

सक्रिय इलेक्ट्रॉनिक रूप से स्कैन किए गए एरे रडार एक बहु–कार्य, बहु–मोड रडार है, जो हवाई प्लेटफार्मों के विभिन्न लड़ाकू वर्ग के अनुकूल है। रडार का सभी मोड के लिए सफलतापूर्वक उड़ान परीक्षण किया गया है और एलसीए मार्क–I पर रडार का उड़ान मूल्यांकन पूरा हो गया है। इस रडार के सफल साबित होने से, लड़ाकू श्रेणी के विमानों के लिए एईएसएआर के लिए प्रौद्योगिकी स्थापित की गई। अगस्त 2022 में, मेसर्स एचएएल के साथ एलएटीओटी साइन किया गया।

जमीन आधारित इंटीग्रेटेड ईडब्ल्यू प्रणालियां (धराशक्ति)

धराशक्ति रेगिस्तान और मैदानी क्षेत्रों के लिए एक एकीकृत ईडब्ल्यू प्रणाली है। जिम्मेदारियां सुनिश्चित कर अंतिम प्रणाली जांच प्रगति पर है। जून 2022 में, अवरोधन और जैमिंग का परीक्षण किया गया।

स्वचालित रासायनिक एजेंट पहचान और अलार्म (एसीएडीए)

आयन मोबिलिटी स्पेक्ट्रोमेट्री (आईएमएस) प्रौद्योगिकी आधारित स्वचालित रासायनिक एजेंट डिटेक्टर जेएसक्यूआर विनिर्देशों के अनुसार विकसित किया गया है। जहाजों, निर्माण और अन्य प्लेटफार्मों की निरंतर निगरानी के लिए सामूहिक सुरक्षा प्रणाली में उपकरण अत्यधिक उपयोगी है। एनबीसी आरवी मार्क–II (ट्रैक्ड) के लिए एसीएडीए चरण–I और II के लिए डीआरडीओ के आंतरिक परीक्षण सफलतापूर्वक पूरे कर लिए गए हैं। प्रयोक्ता द्वारा एसीएडीए के क्षेत्र मूल्यांकन परीक्षण विभिन्न प्रयोक्ता स्थानों पर प्रगति पर हैं।

विकासात्मक परीक्षण चरण के तहत

नौसेना एंटी–शिप मिसाइल (एनएएसएम–एसआर)

जहाज के लक्ष्यों के खिलाफ सी–किंग हेलीकॉप्टर से लॉन्च की जाने वाली शॉर्ट रेंज नेवल एंटी–शिप मिसाइल (एनएएसएम–एसआर) विकसित की जा रही है। यह भारतीय नौसेना के लिए विकसित की जा रही पहली स्वदेशी एयर लॉन्च एंटी–शिप मिसाइल प्रणाली है। मई 2022 में, डीआरडीओ और भारतीय नौसेना ने एकीकृत परीक्षण रेंज (आईटीआर), चांदीपुर से नौसेना एंटी–शिप मिसाइल का पहला उड़ान परीक्षण किया।

वर्टिकल लॉन्च शॉर्ट रेंज सरफेस टू एयर मिसाइल (वीएल–एसआरएसएएम)

वीएल–एसआरएसएएम, भारतीय नौसेना के लिए विकसित की जा रही एक पोतवाहित शस्त्र प्रणाली, लड़ाकू विमानों, हेलीकॉप्टर, यूएवी आदि के खिलाफ एक ऊर्ध्वाधर लॉन्च सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल है। इस मिसाइल को भारतीय नौसेना के लिए विकसित किया गया है ताकि समुद्री लक्ष्यों सहित विभिन्न हवाई खतरों को करीब से बेअसर किया जा सके। अगस्त 2022 में, मिसाइल का आईटीआर, चांदीपुर से उड़ान परीक्षण किया गया था। सिस्टम का लॉन्च एक उच्च गति वाले मानव रहित हवाई लक्ष्य के खिलाफ आयोजित किया गया था।

आकाश–नई पीढ़ी (एनजी)

सतह से हवा में मार करने वाली शस्त्र प्रणाली आकाश–एनजी को लड़ाकू विमानों, हेलीकॉप्टरों, यूएवी और सब–सोनिक क्रूज मिसाइलों के खिलाफ वायु रक्षा कवर प्रदान करने के लिए डिजाइन और विकसित किया जा रहा है। यह छोटी से मध्यम दूरी तक एंटीरेडिएशन मिसाइल और स्टील्थ विमानों को हराने के लिए आवश्यक है। कैनिस्टराइज्ड लॉन्चर और बहुत छोटे ग्राउंड सिस्टम फुटप्रिंट के साथ प्रणाली को अन्य समान प्रणालियों की तुलना में बेहतर तैनाती के साथ विकसित किया गया है। जून 2022 में, आकाश–एनजी गाइडेड मिशन का आईटीआर चांदीपुर में उड़ान परीक्षण किया गया था।

आकाश प्राइम

आकाश शस्त्र प्रणाली डीआरडीओ द्वारा विकसित सतह से हवा में मार करने वाली शस्त्र प्रणाली है। यह भारत की पहली सामरिक मिसाइल प्रणाली है जिसे विकसित, निर्मित कर भारतीय वायु सेना और भारतीय सेना को सुपुर्द किया गया है। मौजूदा आकाश शस्त्र प्रणाली की तुलना में 'आकाश प्राइम' बेहतर सटीकता के लिए स्वदेशी सक्रिय रेडियो फ्रीक्वेंसी (आरएफ) साधक से लैस है। 2022 में, लॉन्चर और अन्य ग्राउंड प्रणाली के विन्यास को अंतिम रूप दिया गया है और इन आदिप्ररूप प्रणाली की प्राप्ति प्रगति पर है।

भारतीय सेना के लिए एमआरएसएएम

एमआरएसएएम सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल है जिसे डीआरडीओ और इजरायल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज (आईएआई), इजरायल द्वारा भारतीय सेना के लिए संयुक्त रूप से विकसित किया गया है। एमआरएसएएम सेना शस्त्र प्रणाली में मल्टी–फंक्शन रडार, मोबाइल लॉन्चर सिस्टम और अन्य वाहन शामिल हैं। मार्च 2022 में, चार उड़ान परीक्षण किए गए थे।

अग्नि–4

एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से जून 2022 में इंटरमीडिएट रेंज बैलिस्टिक मिसाइल 'अग्नि–4' का सफल प्रक्षेपण किया गया था। मिसाइल तीन चरणीय ठोस ईंधन इंजन का उपयोग करती है। लॉन्च ने सभी परिचालन मापदंडों के साथ–साथ सिस्टम की विश्वसनीयता को भी मान्य किया।

अग्नि प्राइम बैलिस्टिक मिसाइल

अग्नि प्राइम दो चरणों वाली ठोस प्रणोदक बैलिस्टिक मिसाइल है जिसमें दोहरी निरर्थक नेविगेशन और मार्गदर्शन प्रणाली है। अक्टूबर 2022 में, मिसाइल का परीक्षण डॉ एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से किया गया था।

बैलिस्टिक मिसाइल रक्षा इंटरसेप्टर

डीआरडीओ ने नवंबर 2022 में एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से द्वितीय चरण बैलिस्टिक मिसाइल रक्षा (बीएमडी) इंटरसेप्टर एडी–1 मिसाइल का पहला सफल उड़ान परीक्षण किया। एडी–1 लंबी दूरी की इंटरसेप्टर मिसाइल है जिसे लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों के साथ–साथ विमानों के कम बाह्य वायुवैद्युत क्षोभ और अन्तः वायु वैद्युत क्षोभ अवरोधन दोनों के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह दो–चरणीय ठोस मोटर द्वारा संचालित है और मिसाइल को लक्ष्य तक सटीक रूप से निर्देशित करने के लिए स्वदेशी रूप से विकसित उन्नत नियंत्रण प्रणाली, नेविगेशन और मार्गदर्शन से लैस है।

ठोस ईंधन डक्टेड रैमजेट (एसएफडीआर)

'एसएफडीआर' प्रणोदन से लैस हवा से हवा में मार करने वाली अत्याधुनिक मिसाइल सुपरसोनिक गति से बहुत लंबी दूरी पर हवाई खतरों को रोकने में मिसाइल को सक्षम बनाती है। मिसाइल को एक उन्नत प्रणोदन प्रणाली के साथ डिजाइन किया गया है और इसे नोजललेस बूस्टर, थ्रस्ट मॉड्यूलेशन सिस्टम के साथ विन्यासित किया गया है और रैमजेट मोड में विशिष्ट आवेग देने के लिए बाध्य है। नवंबर 2022 में, आईटीआर, चांदीपुर से उड़ान में ईंधन प्रवाह नियंत्रक एक्ट्यूएशन (एफएफसीए) के साथ ठोस ईंधन रैमजेट ऑपरेशन का सफल प्रदर्शन किया गया।

बहुत कम दूरी की वायु रक्षा प्रणाली (वीएसएचओआरएडीएस)

वीएसएचओआरएडीएस समकालीन मैन पोर्टेबल एयर डिफेंस सिस्टम (एमएएनपीएडीएस) तीसरी पीढ़ी की प्रणालियों की तुलना में चौथी पीढ़ी की प्रणाली है। स्वदेश में विकसित वीएसएचओआरएडीएस शस्त्र मौजूदा मैनपैड्स से तकनीकी रूप से बेहतर है क्योंकि इसमें अत्याधुनिक अनकूल्ड इमेजिंग इंफ्रारेड साधक का इस्तेमाल किया गया है। सितंबर 2022 में, डीआरडीओ ने आईटीआर चांदीपुर से वीएसएचओआरएडीएस मिसाइल का पहला विकासात्मक उड़ान परीक्षण किया।

अस्त्र मार्क–II

दृष्टि रेंज से परे हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइल 'अस्त्र मार्क–II' को डबल पल्स सॉलिड मोटर प्रणोदन प्रणाली के साथ विकसित किया जा रहा है। मई 2022 में, एसयू–30 मार्क I से कैप्टिव उड़ानें आयोजित की गईं। रेल लांचर के साथ मिसाइल ने एसयू 30 मार्क I के पूर्ण उड़ान एनवलप को कवर करते हुए कैरिज उड़ानें पूरी कर ली हैं। इसके अलावा मई 2022 में, सुरक्षित पृथक्करण प्रदर्शन के लिए सुखोई–30 मार्क I से मिसाइल का फिर से उड़ान परीक्षण किया गया।

नई पीढ़ी के एंटी–रेडिएशन मिसाइल (एनजीएआरएम)

एनजीएआरएम पहली स्वदेशी हवा से प्रक्षेपित विकिरण रोधी मिसाइल है। यह मिसाइल भारतीय वायु सेना के लिए एक शक्तिशाली शस्त्र है, जो बड़े स्टैंड–ऑफ रेंज से दुश्मन की वायु रक्षा को प्रभावी ढंग से दबाने के लिए है। इसे एसयू–30 विमान से लॉन्च करने के लिए डिज़ाइन किया गया है और इसमें दोहरी–पल्स प्रणोदन प्रणाली का उपयोग किया गया है। अप्रैल 2022 में, सीकर के प्रदर्शन का कैरिज मोड में परीक्षण मूल्यांकन किया गया था। दोहरे सीकर आधारित मार्गदर्शन और वारहेड श्रृंखला के प्रदर्शन का मूल्यांकन करने के लिए लॉक–ऑन–बिफोर–लॉन्च (एलओबीएल) मोड में मिशन आयोजित करने के लिए उड़ान परीक्षण तत्परता गतिविधियां प्रगति पर हैं।

रुद्रम–II

रुद्रम II हवा से सतह पर मार करने वाली एंटी–रेडिएशन मिसाइलों की एक श्रृंखला है जिसे डीआरडीओ द्वारा विकसित किया जा रहा है। मिसाइल को एसयू–30 मार्क I लड़ाकू विमानों के साथ परिचालन के लिए डिजाइन और विकसित किया गया है। जून 2022 में, एसयू–30 मार्क Iलड़ाकू विमान से रिलीज फ्लाइट ट्रायल (आरएफटी) आयोजित किए गए थे।

मैन पोर्टेबल एंटी–टैंक गाइडेड मिसाइल (एमपीएटीजीएम)

एमपीएटीजीएम तीसरी पीढ़ी की एटीजीएम है जिसमें 'फायर एंड फॉरगेट' और 'टॉप अटैक' क्षमताएं हैं और मिसाइल का उपयोग दिन और रात में किया जा सकता है। यह भारतीय सेना के साथ सेवा में दूसरी पीढ़ी के मिलान और कोंकुर एटीजीएम के प्रतिस्थापन के रूप में वांछित है। अधिकतम रेंज परीक्षण पहले ही पूरे हो चुके थे। न्यूनतम रेंज की आवश्यकता महत्वपूर्ण और आवश्यक है क्योंकि मिसाइल को लक्ष्य तक कार्य करने और मार्गदर्शन करने के लिए उपलब्ध उड़ान का समय बेहद कम है। जनवरी और अप्रैल 2022 में, निर्देशित उड़ान परीक्षण में न्यूनतम सीमा और अधिकतम सीमा के लिए सफल प्रदर्शन किया गया था।

लंबी दूरी का गाइडेड बम (एलआरजीबी)

पीएफ और पीसीबी वारहेड के साथ 1000 किलोग्राम वर्ग और 500 किलोग्राम वर्ग में लंबी दूरी के ग्लाइड बम विकसित किए जा रहे हैं। अक्टूबर 2022 में, तकनीकी विकास परीक्षण पूरे हो गए हैं। इस शस्त्र का एसयू–30 मार्क I विमान से उड़ान परीक्षण किया गया और इसने जमीन पर लक्ष्य को निशाना बनाया। सभी डिजाइन मापदंडों को मान्य किया गया है और विकास सह उत्पादन भागीदारों (डीसीपीपी) की पहचान की गई है।

मीडियम एल्टीट्यूड लॉन्ग एन्ड्यूरेन्स (एमएएलई) यूएवीः तपस–बीएच'

सशस्त्र बलों के लिए खुफिया, निगरानी और टोही भूमिकाओं को पूरा करने के लिए 24 घंटे की सहनशक्ति के साथ एक बहु–मिशन यूएवी तपस–बीएच विकसित किया जा रहा है। यह इलेक्ट्रॉनिक युद्ध, इलेक्ट्रो–ऑप्टिक और सिंथेटिक एपर्चर रडार (ईओ और एसएआर) और कई अन्य पेलोड ले जाने में सक्षम है। तपस यूएवी में बड़े क्षेत्र, उत्कृष्ट आईएसआर ऑपरेशन के लिए लाइन ऑफ साइट (एलओएस) और बियॉन्ड लाइन ऑफ साइट (बीएलओएस) क्षमता के साथ मल्टी–चैनल/मल्टी–सेंसर डेटा लिंक सिस्टम है। प्रणाली ने उच्च ऊंचाई वाली उड़ान, लंबी एंड्यूरेन्स उड़ान, लंबी दूरी की उड़ान और स्वचालित टेक–ऑफ पूरा कर लिया है। यूएवी में स्वदेशी स्वचालित टेक ऑफ एंड लैंडिंग (एटीओएल) तकनीक का देश में पहली बार प्रदर्शन किया गया। वर्ष 2022 में, तपस के 40 से अधिक उड़ान परीक्षण आयोजित किए गए थे। एचएएल ने निर्दिष्ट संख्या में तपस यूएवी का उत्पादन शुरू कर दिया है।

हाई–स्पीड एक्सपेंडेबल एरियल टारगेट (हीट) 'अभ्यास'

हीट 'अभ्यास' सतह से हवा में मार करने वाली सभी मिसाइलों के लिए एक एक्सपेंडेबल हाईस्पीड मानव रहित हवाई लक्ष्य है। अभ्यास का विन्यास एक इन–लाइन छोटे गैस टरबाइन इंजन पर डिज़ाइन किया गया है और इसके नेविगेशन और मार्गदर्शन के लिए यह स्वदेशी रूप से विकसित एमईएमएस–आधारित नेविगेशन सिस्टम का उपयोग करता है। 2022 में, आईटीआर, चांदीपुर से सफल उड़ान परीक्षण आयोजित किए गए थे और सभी प्रमुख विनिर्देश आवश्यकताओं को मान्य किया गया है। विकास सह उत्पादन भागीदारों (डीसीपीपी)/उत्पादन एजेंसियों (पीए) की पहचान की गई है।

स्टील्थ विंग फ्लाइंग टेस्टबेड (स्विफ्ट)

डीआरडीओ अन्य यूएवी से क्षमताओं और प्रौद्योगिकियों और प्रणालियों के अधिकतम पुनः उपयोग को प्रदर्शित करने के लिए एक फ्लाइंग विंग टेस्ट बेड विकसित कर रहा है। जुलाई 2022 में, एस डब्ल्यू आई एफ टी ने पहली सफल उड़ान भरी थी। पूरी तरह से स्वायत्त मोड में संचालित, विमान ने एक आदर्श उड़ान का प्रदर्शन किया, जिसमें टेकऑफ, वे पॉइंट नेविगेशन और एक स्मूथ टचडाउन शामिल है।

70 टी टैंक ट्रांसपोर्टर

डीआरडीओ एमबीटी अर्जुन मार्क–आईए के लिए 70 टन टैंक ट्रांसपोर्टर विकसित कर रहा है। डिजाइन और कॉन्फ़िगरेशन को अंतिम रूप दे दिया गया है और ट्रेलर को कार्यान्वित किया गया है। 2022 में, डीआरडीओ ने सेमी–ट्रेलर के आंतरिक परीक्षण पूरे किए। पूर्ण ट्रेलर डेफ एक्सपो–2022 में प्रदर्शित किया गया था।

सीबीआरएन आरवी (टीआर) मार्क–II का विकास

रासायनिक, जैविक, रेडियोलॉजिकल और न्यूक्लियर (सीबीआरएन) भूमिका के लिए सीबीआरएन आरवी (ट्रैक्ड) मार्क–II को सीबीआरएन एजेंटों से संदूषित क्षेत्रों का पता लगाने, पहचानने, निगरानी करने और चिन्हित करने के लिए विकसित किया जा रहा है और इस जानकारी को तेजी से समर्थित संरचनाओं तक पहुंचाया जा रहा है। जून और नवंबर 2022 में, डीआरडीओ के आंतरिक परीक्षणों के क्रमशः चरण 1 और चरण 2 पूरे हो गए थे। प्रोटोटाइप को डेफ एक्सपो–2022 में भी प्रदर्शित किया गया था।

40 x 46 मिमी ग्रेनेड की श्रेणी

डीआरडीओ ने अंडर बैरल ग्रेनेड लांचर (यूबीजीएल)/मल्टीपल ग्रेनेड लांचर (एमजीएल) के लिए 40x46 मिमी ग्रेनेडों की श्रेणी का डिजाइन और विकास शुरू किया है। डीसीपीपी के माध्यम से फ्यूज और ग्रेनेड का विकास किया जा रहा है। सितंबर 2022 में, सीएपीएफ के लिए हाई एक्सप्लोसिव एंटी पर्सनल (हीप) ग्रेनेड के प्रयोक्ता परीक्षण पूरे हो गए हैं और स्टोर को शामिल करने की सिफारिश की गई है। उच्च विस्फोटक दोहरे प्रयोजन (एचईडीपी) और रॉकेट प्रोपेल्ड (आरपी) ग्रेनेडों के विकासात्मक परीक्षण प्रगति पर हैं।

कावेरी 'ड्राई' इंजन (केडीई)

2022 में, ऊंचाई परीक्षण के लिए प्रेषण से पहले, जीटीआरई ग्राउंड टेस्ट बेड पर पहले प्रोटोटाइप इंजन प्रदर्शन का परीक्षण किया गया था। इसके बाद केडीई के प्रदर्शन और संचालन प्रदर्शन का पहला चरण – उच्च ऊंचाई परीक्षण सुविधा पर पहला प्रोटोटाइप इंजन पूरा हो गया है। नए फैन मॉड्यूल, शॉर्ट जेट पाइप और स्वदेशी इंजन फ्यूल कंट्रोल सिस्टम (ईएफसीएस) के साथ दूसरा प्रोटोटाइप कावेरी 'ड्राई' इंजन का एहसास किया गया और जीटीआरई टेस्ट बेड पर प्रदर्शन परीक्षण किए गए हैं।

छोटे टर्बोफैन इंजन (एसटीएफई)

एसटीएफई को मानव रहित हवाई वाहनों (यूएवी) की प्रणोदन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विकसित किया जा रहा है। अक्टूबर 2022 में, इंजन को निर्दिष्ट प्लेटफॉर्म में उड़ान परीक्षण किया गया था। भारतीय उद्योग भागीदारों को घटकों, प्रमुख प्रणालियों और एलआरयू के निर्माण और इंजन के लिए लीड इंटीग्रेटर के रूप में पहचाना गया है। एचआईजी एसपीईडी एपिसिलिक गियरबॉक्स (एचआईएसपीईएल) व्यावसायिक रूप से उपलब्ध इलेक्ट्रिक मोटर से आउटपुट को बढ़ाने के लिए एक उच्च गति गियरबॉक्स है। इस गियरबॉक्स का उद्देश्य इंजनों के छोटे टर्बोफैन वर्ग में फिट की गई इकाइयों/सहायक उपकरणों के प्रदर्शन का परीक्षण करने के लिए ड्राइव प्रदान करना है। 2022 में, सभी घटकों का निर्माण, निरीक्षण और पहले गियरबॉक्स को इकट्ठा और परीक्षण किया गया था।

जगुआर डारिन –III अपग्रेड (डी–जेएजी) के लिए आंतरिक आरडब्ल्यूजे प्रणाली

डी–जेएजी चेतावनी और जैमिंग के लिए एक एकीकृत ईडब्ल्यू प्रणाली है जिसमें रडार चेतावनी रिसीवर (आरडब्ल्यूआर), इलेक्ट्रॉनिक संचार उपाय (ईसीएम), इलेक्ट्रॉनिक समर्थन उपाय (ईएसएम) कार्य शामिल हैं और दुश्मन रडार को जाम करने के लिए एमपीएम आधारित ट्रांसमीटरों का उपयोग करता है। सिस्टम विमान को रोशन करने वाले आरएफ स्रोतों की स्थिति का पता लगाता है और जानकारी देता है और उचित जैमिंग तकनीक लागू करता है। अक्टूबर 2022 में, जैमर मूल्यांकन के लिए चरण 1 सीमित बहु–उत्सर्जक उड़ान परीक्षण पूरा किया गया था।

निगरानी प्लेटफॉर्म के लिए आरडब्ल्यूआर और ईएसएम प्रणाली (नवचक्षु)

आरडब्ल्यूआर और ईएसएम एलआरयू को एईडब्ल्यू एंड सी प्लेटफॉर्म पर आयातित पेलोड को बदलने के लिए प्राप्त किया जा रहा है। आरडब्ल्यूआर प्रणाली अत्याधुनिक रडार संकेतों का पता लगाती है और इसमें काउंटर मेजर डिस्पेंसेशन सिस्टम (सीएमडीएस) और मिसाइल एप्रोच वार्निंग सिस्टम (एमएडब्ल्यूएस) शामिल हैं। यह प्रणाली पता लगाए गए उत्सर्जकों के स्थान निर्धारण की भी व्यवस्था करती है। 2022 में, आरडब्ल्यूआर और ईएसएम सिस्टम को एईडब्ल्यू एंड सी प्लेटफॉर्म पर स्थापित किया गया था और भारतीय वायु सेना द्वारा उड़ान मूल्यांकन किया गया था।

एलसीए–एमके1ए के लिए ईडब्ल्यू सूट (स्वयं रक्षा कवच)

ईडब्ल्यू सुइट में अत्याधुनिक रडार चेतावनी रिसीवर (आरडब्ल्यूआर) और उन्नत आत्म–सुरक्षा जैमर (एएसपीजे) शामिल हैं। आरडब्ल्यूआर में चार चैनल वाइड बैंड रिसीवर शामिल हैं और यह हवाई और जमीन आधारित रडार दोनों के लिए पता लगाने और दिशा खोजने की सटीकता की बेहतर संभावना प्रदान करता है। एलसीए–एलएसपी प्लेटफॉर्म पर आरडब्ल्यूआर + एएसपीजे विन्यास के लिए सीमित भूमि और हवाई उत्सर्जक उड़ानें प्रगति पर हैं।

एयर ड्रॉपेबल कंटेनर (एडीसी)–150

पैराशूट प्रणाली से सुसज्जित एयर ड्रॉपेबल कंटेनर (150 किलोग्राम पेलोड) असेंबलिंग और स्थान की पहचान के लिए जीपीएस और रात के समय रिकवरी के लिए एलईडी बीकन की प्राप्ति का काम पूरा हो गया है। आईएल 38 एसडी के लिए स्टोर पृथक्करण अध्ययन पूरा हो गया है। अप्रैल 2022 में, गोवा में आईएल –38 एसडी विमान से ग्राउंड ड्रॉप परीक्षण आयोजित किए गए थे।

सीबीआरएन दस्ताने एमके–II और ओवरबूट्स एमके–II

डीआरडीओ ने सेना के संयुक्त क्यूआर के अनुसार सीबीआरएन दस्ताने मार्क–II और सीबीआरएन ओवरबूट मार्क–II विकसित किए हैं। ये दस्ताने और ओवरबूट तीनों सेनाओं और अर्धसैनिक बलों द्वारा सीबीआरएन आपातकालीन परिदृश्य के दौरान पहने जाते हैं। प्रोटोटाइप दस्ताने और ओवरबूट के तीन अलग–अलग आकारों में निर्मित होते हैं। 2022 में, पहनने की क्षमता परीक्षण सीएमई, पुणे में आयोजित किया गया है।

सिक्किम की बर्फ और हिमस्खलन के खतरे का आकलन (साहस)

डीआरडीओ सिक्किम में हिम रेखा से परे विशिष्ट स्थानों के हिमस्खलन जोखिम मानचित्रण करने, नियमित हिमस्खलन और मौसम पूर्वानुमान प्रदान करने, वेधशालाओं और स्वचालित मौसम स्टेशन का अलग–अलग नेटवर्क स्थापित करने, हिमस्खलन का पता लगाने के लिए हिमस्खलन रडार का संचालन करने और अत्यधिक संवेदनशील स्थानों के लिए हिमस्खलन शमन उपायों का सुझाव देने के लिए 'साहस' के विकास में लगा हुआ है। जुलाई 2022 में, मनाली और धुंडी (हिमाचल प्रदेश) में आयोजित एयरबोर्न स्नो डेटा एक्विजिशन सिस्टम के परीक्षण/प्रशिक्षण परीक्षण किए गए।

डिजाइन और विकास के तहत परियोजनाएं

भारतीय नौसेना और भारतीय वायु सेना के लिए लंबी दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल (एलआरएसएएम)

भारतीय नौसेना और भारतीय वायु सेना के लिए विकसित की जा रही लंबी दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल (एलआरएसएएम) लंबी दूरी तक हवाई खतरों को बेअसर करने में सक्षम होगी। यह शस्त्र प्रणाली सीसिमिंग, एंटी–शिप मिसाइलों और एंटी–शिप बैलिस्टिक मिसाइलों को भी शामिल करने में सक्षम होगी। उप–प्रणालियों और रॉकेट मोटरों के संबंध में डिजाइन समीक्षाएं पूरी कर ली गई हैं।

हल्के लड़ाकू विमान (एलसीए) वायु सेना एमके–II

एलसीएमार्क–II को इसके नए विन्यास में डिजाइन और विकसित किया जा रहा है जिसे कार्रवाई की त्रिज्या में सुधार करने के लिए अनुकूलित किया गया है। इसके अलावा, ड्रैग को कम करने, एयर–टू–एयर और एयर–टू–ग्राउंड शस्त्र कैरिज क्षमता बढ़ाने के लिए कई अन्य सुधार शामिल किए गए हैं। अपने नए विन्यास में एलसीएएमके–II प्रदर्शन और पेलोड ले जाने की क्षमता के मामले में बहुत अधिक सक्षम विमान है। पहले प्रोटोटाइप का विकास प्रगति पर है।

हवाई प्रारंभिक चेतावनी और नियंत्रण (एईडब्ल्यूएंडसी) एमके–II

एईडब्ल्यूएंडसी एमके–II प्रणाली का निर्माण ए–321 विमानों पर किया जा रहा है। सिस्टम बेहतर इंटेलिजेंस सूट से लैस होगा और सिस्टम में लंबे समय तक टिके रहने की क्षमता होगी। यह भारतीय वायु सेना को बल गुणक प्रदान करने वाली निगरानी और नियंत्रण को बढ़ाएगा। इस प्रणाली का विकास किया जा रहा है।

उच्च स्थायित्व स्वायत्त अंतर्जलीय वाहन (एचईएयूवी)

उजागर करने वाली एक नकारात्मक सूची प्रकाशित की है जिसे भारतीय उद्योग द्वारा सापेक्ष तौर पर नियंत्रित एचईएयूवी एक मिनी पनडुब्बी की तरह है जिसमें लंबे समय तक टिके रहने की क्षमता, स्वायत्त आईएसआर मिशन और सीमित लड़ाकू क्षमता है। इस बहु–मिशन अंतर्जलीय वाहन का उपयोग पनडुब्बियों, खानों, खुफिया, निगरानी और टोही, बाथमेट्री और समुद्र विज्ञान का पता लगाने और आपातकालीन बीकन का पता लगाने के लिए किया जा सकता है। कैरियर–1 का एकीकरण प्रगति पर है।

ऑप्ट्रोनिक पनडुब्बी पेरिस्कोप

ऑप्ट्रोनिक पनडुब्बी पेरीस्कॉप में ऑप्ट्रोनिक सेंसर हेड (ओएसएच), इमेज प्रोसेसिंग यूनिट (आईपीयू) और ह्यूमन–मशीन इंटरफेस (एचएमआई) शामिल हैं। रियल–टाइम इमेज प्रोसेसिंग फीचर्स यानी ऑटोमैटिक टारगेट डिटेक्शन एंड ट्रैकिंग, अलर्टिंग, पैनोरमा जनरेशन और इमेज फ्यूजन को डेवलप किया गया है। जून–जुलाई 2022 में, प्रयोक्ता की भागीदारी के साथ प्रयोगशाला इकाई के चरण–I के फील्ड परीक्षण किए गए।

उन्नत सैटकॉम एंड सिस्टम्स

सुरक्षित टर्मिनलों का विकास और संबंधित हब की स्थापना डीआरडीओ द्वारा नहीं की गई थी। डिजाइन पूरा हो चुका है और प्रमुख उप–प्रणालियों की प्राप्ति पूरी होने वाली है। हब एंटीना और आरएफ फ्रंट एंड जून 2022 में स्थापित किए गए हैं। मैन पोर्टेबल सैटकॉम टर्मिनलों के लिए डीआरडीओ द्वारा डिजाइन किए गए एंटीना को कार्यान्वित किया गया है। टर्मिनलों और हब के लिए सॉफ्टवेयर की पोर्टिंग, एकीकरण और परीक्षण प्रगति पर है।

कॉम्पैक्ट ट्रांसहोराइजन संचार प्रणाली (सीटीसीएस)

सीटीसीएस एक पोर्टेबल ट्रोपोस्कैटर संचार है जो उच्च डेटा दर बीएलओएस (60 किमी) और एलओएस (100 किमी) संचार के साथ पहाड़ी इलाके के संचालन के लिए उपयुक्त है। प्रमुख उप–प्रणालियों को साकार किया गया है और लीड इंडस्ट्री पार्टनर के माध्यम से एकीकरण प्रगति पर है।

मल्टी स्टेटिक सर्विलांस सिस्टम (एमएसएस)

मल्टी–स्टैटिक सर्विलांस सिस्टम का उद्देश्य पैसिव सुसंगत लोकेशन रडार (पीसीएलआर), मल्टी–स्टैटिक सर्विलांस रडार (एमएसआर) और पैसिव एमिटर ट्रैकर (पीईटी) के साथ हवाई लक्ष्यों का पता लगाना और ट्रैक करना है, जहां ट्रांसमीटर और रिसीवर भौगोलिक रूप से काफी दूरी से अलग होते हैं। जनवरी 2022 में, निष्क्रिय सुसंगत स्थान रडार (पीसीएलआर) प्रणाली का पीओसी प्रदर्शन किया गया था। निष्पादन ऑप्टिमाइज़ेशन प्रगति पर है।

लंबी दूरी के रडार (एलआरआर)

एलआरआर, एक अत्याधुनिक सक्रिय एरे रडार है, जो बैलिस्टिक मिसाइल वर्ग के लक्ष्यों का पता लगाने और पहचान करने, अग्नि नियंत्रण और उच्च स्तर तक डेटा के संचरण में सक्षम है। प्रमुख उप–प्रणालियों को साकार कर लिया गया है और सक्रिय एरे एंटीना यूनिट (एएएयू) की चरणवार असेंबली प्रगति पर है।

क्षितिज रडार पर सतह तरंग (एसडब्ल्यू–ओटीएचआर)

ओवर द होराइजन (ओटीएच) रडार क्षितिज से परे लक्ष्य का पता लगाने और ट्रैक करने में सक्षम हैं और माइक्रोवेव रडार द्वारा प्रदान की गई दृष्टि की रेखा के भीतर लक्ष्य का पता लगाने में भी सक्षम हैं। प्रमुख उप–प्रणालियों की प्राप्ति का कार्य प्रगति पर है।

फोटोनिक्स रडार

इस परियोजना का उद्देश्य फोटोनिक्स प्रौद्योगिकियों का कार्यान्वयन और प्रदर्शन करना है, जिसमें फोटोनिक्स सिग्नल जनरेशन, वेवलेंथ डिवीजन मल्टीप्लेक्सिंग (डब्ल्यूडीएम) आधारित आरएफ, डेटा और कंट्रोल सिग्नल और मल्टीचैनल फोटोनिक्स री–सीवर का वितरण शामिल है। रडार के लिए उप–प्रणालियों की प्राप्ति प्रगति पर है।

ग्राउंड आधारित हाई पावर माइक्रोवेव (एचपीएम) निर्देशित ऊर्जा शस्त्र (डीईडब्ल्यू) प्रणाली

ग्राउंड आधारित एचपीएम डीईडब्ल्यू प्रणाली को बड़ी दूरी तक यूएवी के इलेक्ट्रॉनिक्स को निष्क्रिय करने के लिए उच्च पीक आरएफ पावर प्रदान करने के लिए विकसित किया जा रहा है। 2022 में, पल्स पावर सप्लाई और बैकवर्ड वेव ऑसिलेटर और रेडिएटिंग सिस्टम के प्रोटोटाइप को विकसित और परीक्षण किया गया है।

उपर्युक्त के अलावा, डीआरडीओ की कई परियोजनाएं डिजाइन और विकास के विभिन्न चरणों में हैं जैसे नौसेना एंटी–शिप मिसाइल (मध्यम रेंज), लंबी दूरी की भूमि हमला क्रूज मिसाइल, समुद्री पेट्रोल रडार, 600 एचपी स्वचालित ट्रांसमिशन, 1500 एचपी इंजन, सामरिक उन्नत रेंज ऑग्मेंटेशन (टीएआरए) किट, उन्नत लेजर थ्रेट डिटेक्शन सिस्टम (एएलटीडीएस), एनएजी मार्क–II, उन्नत बख्तरबंद मंच (ट्रैक्ड एंड व्हील्ड) लाइट टैंक आदि।

राष्ट्रीय ओपन एयर रेंज सुविधा (एनओएआर)

डीआरडीओ ने संचार और रडार बैंड और उच्च ऊर्जा लेजर प्रणालियों में ईडब्ल्यू सिस्टम के परीक्षण और मूल्यांकन के लिए कुरनूल, आंध्र प्रदेश में एक राष्ट्रीय सुविधा के रूप में इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर (ईडब्ल्यू) परीक्षण रेंज की स्थापना की है। एनओएआर तीनों सेनाओं, अर्धसैनिक बलों और सुरक्षा एजेंसियों के लिए विकसित की जा रही प्रणालियों के परीक्षण और मूल्यांकन के लिए पूरी तरह से स्वायत्त है। रेंज देश में अपनी तरह की पहली रेंज है जो युद्ध के मैदान परिदृश्य प्रदान करके राष्ट्र की रक्षा तैयारियों के उद्देश्य को पूरा करती है। यह अत्याधुनिक प्रणालियों को साकार करने की दिशा में ईडब्ल्यू समुदाय की आवश्यकताओं को पूरा करने वाली एक राष्ट्रीय संपत्ति है। दिसंबर 2022 में, भारत के माननीय राष्ट्रपति ने राष्ट्रीय ओपन एयर रेंज सुविधा का उद्घाटन किया।

अधिकतम माइक्रोबियल कंटेनमेंट लेबोरेटरी (बीएसएल–IV)

डीआरडीओ ने एक समर्पित अधिकतम माइक्रोबियल कंटेनमेंट प्रयोगशाला (एमएमसीएल) स्थापित करने के लिए एक बुनियादी ढांचा परियोजना शुरू की है, जिसमें अत्याधुनिक जैव–रक्षा अनुसंधान एवं विकास को आगे बढ़ाने के लिए एक जैव–सुरक्षा स्तर–4 (बीएसएल–4) प्रयोगशाला शामिल है। यह जैव रक्षा तैयारियों पर अनुसंधान के लिए एक अत्याधुनिक नोडल सुविधा होगी और राष्ट्रीय जैव रक्षा रेफरल केंद्र के रूप में कार्य करेगी। यह रक्षा और नागरिक क्षेत्रों के लिए प्रासंगिक राष्ट्रीय स्वास्थ्य सुरक्षा मुद्दों पर प्रभावी जैव चिकित्सा नियंत्रण उपाय प्रदान करेगा। दिसंबर 2022 में, भारत के माननीय राष्ट्रपति ने इस सुविधा के लिए आधारशिला रखी।

टोड एरे एकीकरण सुविधा

भारत के माननीय उपराष्ट्रपति ने एनपीओएल, कोच्चि में जनवरी 2022 में,टोही एरे एकीकरण सुविधा की आधारशिला रखी। यह सुविधा टोही एरे सोनार सिस्टम के विकास के लिए आवश्यक है, जो अंतर्जलीय की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है। टोही एरे सोनार प्रणाली अंतर्जलीय दुश्मन की स्थिर पनडुब्बियों का पता लगाने में भारतीय नौसेना की क्षमताओं को बढ़ाएगी।

उड़ान नियंत्रण प्रणाली (एफसीएस) सुविधा

माननीय रक्षा मंत्री ने 17 मार्च 2022 को बेंगलुरु में डीआरडीओ की एक प्रयोगशाला में सात मंजिला उड़ान नियंत्रण प्रणाली (एफसीएस) एकीकरण सुविधा का उद्घाटन किया। एफसीएस सुविधा लड़ाकू विमानों के लिए वैमानिकी विकसित करने के लिए अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों का समर्थन करेगी और उन्नत मध्यम लड़ाकू विमानों के लिए एफसीएस का समर्थन करेगी। परिसर का निर्माण 45 दिनों के रिकॉर्ड समय में किया गया है, जिसमें पारंपरिक, प्री–इंजीनियर और प्रीकास्ट पद्धति से युक्त इन–हाउस हाइब्रिड तकनीक शामिल है।

धातु/धातु ऑक्साइड नैनोपाउडर तैयार करने के लिए आरएफ थर्मल प्लाज्मा रिएक्टर (आरएफआईटीपीआर) प्रणाली

आरएफआईटीपीआर प्रणाली नैनो और गोलाकार धातु पाउडर तैयार करने के लिए हरित प्रौद्योगिकी प्रदान करती है। इस प्रणाली में नैनोमटेरियल्स की पायलट स्केल तैयारी, शुद्धता के संवर्धन और ऐसी सामग्रियों के स्फेरॉइडाइजेशन के बहुआयामी अनुप्रयोग शामिल हैं। यह सुविधा डीआरडीओ के लिए एक संपत्ति होगी और इस तरह की प्रणाली मुख्य क्षमता हासिल करने और अभिनव एचईएम रचनाओं के लिए नैनोमटेरियल्स के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने में सक्षम होगी। माननीय रक्षा राज्य मंत्री ने नवंबर 2022 में, इस सुविधा का उद्घाटन किया।

स्पेस सुविधा का हल मॉड्यूल

एनपीओएल, कोच्चि में ध्वनिक लक्षण वर्णन और मूल्यांकन (स्पेस) सुविधा के लिए पनडुब्बी प्लेटफार्म के हल मॉड्यूल को नवंबर 2022 में एक समारोह में लॉन्च किया गया था। यह पोतों, पनडुब्बियों और हेलीकॉप्टरों पर भारतीय नौसेना द्वारा उपयोग के लिए विकसित की जा रही सोनार प्रणालियों के लिए एक अत्याधुनिक परीक्षण और मूल्यांकन सुविधा है।

सल्फर मस्टर्ड के खिलाफ रासायनिक पारगम्यता परीक्षण सुविधा के लिए एनएबीएल मान्यता (एचडी–बीटीटी)

डीआरडीओ/डीआरडीई ने आईएसओ/आईईसी; 17025, 2017 के अनुसार सल्फर सरसों (एचडी–बीटीटी) के खिलाफ रासायनिक पारगम्यता परीक्षण सुविधा के लिए राष्ट्रीय परीक्षण और अंशांकन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीएल) की मान्यता सफलतापूर्वक प्राप्त कर ली है। इस मान्यता के साथ डीआरडीओ/डीआरडीई ग्वालियर एशिया में पहला और यूएस आर्मी एजवुड केमिकल बायोलॉजिकल सेंटर (ईसीबीसी) के बाद दुनिया में दूसरा रासायनिक रक्षा प्रौद्योगिकियों और प्रणाली के परीक्षण जिसे आईईसी; (17025; 2017) मान्यता प्राप्त है।

कॉर्पोरेट पहल

उद्योग को सक्षम करना

वर्तमान में, डीआरडीओ को डीपीएसयू और बड़े पैमाने पर उद्योगों के साथ एमएसएमई सहित एक विशाल उद्योग आधार से समर्थन प्राप्त है। डीआरडीओ ने विभिन्न नीतियों के माध्यम से भारतीय उद्योग को विकास सह उत्पादन भागीदारों (डीसीपीपी) के रूप में शामिल करने, उद्योग को नाममात्र या शून्य लागत पर अपनी प्रौद्योगिकी प्रस्ताव और इसके पेटेंट आदि तक मुफ्त पहुंच प्रदान करने के लिए प्रमुख पहल की है।

प्रौद्योगिकी विकास निधि (टीडीएफ)

मेक इन इंडिया पहल के एक भाग के रूप में रक्षा प्रौद्योगिकी में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए सार्वजनिक/निजी उद्योगों विशेषकर सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) और स्टार्टअप्स की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए टीडीएफ योजना निष्पादित की जा रही है। स्वदेशी प्रौद्योगिकियों के विकास के लिए निजी उद्योगों का समर्थन करने के लिए टीडीएफ योजना के तहत जून 2022 में, वित्त पोषण 10 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 50 करोड़ रुपये कर दिया गया है।

टीडीएफ–मंथन का आयोजन अगस्त 2022 में विज्ञान भवन में किया गया था ताकि इन अवसरों का सफलतापूर्वक उपयोग करने के लिए योजना के लिए आगे के रास्ते को परिभाषित कर सभी हितधारकों को एक साथ लाया जा सके। टीडीएफ–मंथन का आयोजन चार सत्रों में किया गया। सत्रों के विषय थे अवसर और चुनौतियां, प्रौद्योगिकी और उत्पाद विकास के लिए फोकस एरिया और थीम, कुशल और प्रभावी तंत्र एवं अधिग्रहण प्रक्रिया तथा कार्यान्वयन।

वर्ष 2022 में, 87.55 करोड़ रुपये की लागत की कुल 27 परियोजनाएं विभिन्न उद्योग, एमएसएमई, स्टार्टअप को सौंपी गई हैं और वर्तमान में 267.52 करोड़ रुपये लागत की कुल 63 परियोजनाएं टीडीएफ योजना के तहत हैं। इस योजना के तहत 02 परियोजनाओं को सफलतापूर्वक विकसित किया गया है। डीआरडीओ रक्षा मंत्रालय के विभिन्न घटकों से प्राप्त 130 से अधिक परियोजना आवश्यकताओं पर काम कर रहा है।

विकास सह उत्पादन भागीदार (डीसीपीपी)/उत्पादन एजेंसी (पीए)

भारतीय उद्योगों को मिशन मोड (एमएम) और प्रणाली स्तरीय प्रौद्योगिकी प्रदर्शन (टीडी) परियोजनाओं में विकास सह उत्पादन भागीदार (डीसीपीपी)/उत्पादन एजेंसी (पीए) के रूप में डीआरडीओ परियोजनाओं में लगाया जा रहा है। अब तक 90 डीसीपीपी/पीए की पहचान की गई है, जिनमें से 21 की पहचान इस वर्ष की गई।

प्रौद्योगिकी का हस्तांतरण (टीओटी)

इस वर्ष कुल 145 टीओटी पर हस्ताक्षर किए गए हैं। सिंगल यूज प्लास्टिक के विकल्प के रूप में बायोडिग्रेडेबल बैग के लिए कणिकाओं का टीओटी उद्योगों को 'शून्य' टीओटी शुल्क के साथ प्रस्ताव दिया गया। लद्दाख ग्रीन हाउस टेक्नोलॉजी को नवाचार (राज्य) श्रेणी के तहत लोक प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए प्रधान मंत्री पुरस्कार मिला। डीआरडीओ द्वारा विकसित प्रौद्योगिकी को कृषि विभाग, यूटी लद्दाख को हस्तांतरित कर दिया गया।

डीआरडीओ परीक्षण सुविधाएं

भुगतान के आधार पर डीआरडीओ परीक्षण सुविधाओं तक पहुंचने के लिए उद्योगों के लिए एसओपी पहले ही तैयार की जा चुकी है और डीआरडीओ की वेबसाइट पर होस्ट की गई है। इस वर्ष, डीआरडीओ परीक्षण सुविधाओं का उपयोग बड़ी संख्या में भारतीय उद्योगों द्वारा किया गया।

डीआरडीओ उद्योग शैक्षणिक संस्थान – उत्कृष्टता केंद्र (डीआईए–सीओई)

डीआरडीओ के पास डीआईए–सीओई के नेटवर्क के माध्यम से रक्षा और सुरक्षा अनुप्रयोगों के लिए महत्वपूर्ण और भविष्य की प्रौद्योगिकियों को विकसित करने में सहयोगी निर्देशित अनुसंधान के लिए नीति और तंत्र है। ये केंद्र देश के प्रमुख संस्थानों जैसे आईआईटी, आईआईएससी और कुछ केंद्रीय विश्वविद्यालयों में स्थापित किए गए हैं। इस वर्ष, आईआईटी (जोधपुर, कानपुर, रुड़की, बीएचयू, खड़गपुर और हैदराबाद) में छह नए डीआईए–सीओई स्थापित करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। वर्तमान में, डीआरडीओ, उद्योग और शैक्षणिक संस्थान की भागीदारी के साथ 65 अनुसंधान कार्यक्षेत्रों में 15 डीआईए–सीओई हैं।

डेयर टू ड्रीम

कलाम विजन, डेयर टू ड्रीम 4.0 (लॉन्च की गई परिभाषित आवश्यकता के लिए इनोवेटर्स/स्टार्टअप को बढ़ावा देने/समर्थन के लिए एक अखिल भारतीय प्रतियोगिता) 20 अक्टूबर 2022 को माननीय रक्षा मंत्री द्वारा लांन्च की गई थी। डी 2 डी 4.0 के कुछ प्रमुख चुनौती पूर्ण क्षेत्रों में मानव अंगों का डिजिटल ट्विनिंग, रक्षा के लिए प्लाज्मोनिक अनुप्रयोग, और ड्रोन और ड्रोन के झुंड के लिए प्रत्युपाय, रोबोट और संज्ञानात्मक श्रवण उपकरणों के लिए सहयोगी दोहरी परिचालन शामिल हैं। डेयर टू ड्रीम 1.0 (2019), 2.0 (2020) और 3.0 (2021) सफलतापूर्वक आयोजित किए गए हैं, जिसमें 5000 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए, 86 प्रौद्योगिकियों को मान्यता दी गई और 392 लाख रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की गई। डेयर टू ड्रीम विजेता को टीडीएफ के तहत स्टार्ट–अप की भागीदारी के तहत उनके प्रौद्योगिकी विकास के लिए और अधिक वित्त पोषण के लिए भी विचार किया जाता है।

शैक्षणिक संस्थान के साथ विस्तारित एकीकरण

वर्तमान में, 1183.19 करोड़ रुपये की कुल लागत से कुल 867 अनुसंधान परियोजनाएं चल रही हैं, जिसमें देश भर में 1205 शोधार्थी स्कॉलर, 1104 संकाय और 361 शैक्षणिक संस्थान/आर एंड डी संस्थान/ विश्वविद्यालय शामिल हैं।

रक्षा प्रौद्योगिकियों से संबंधित वर्तमान समस्या क्षेत्रों पर काम करने के लिए 500 पीएचडी विद्वानों के लिए डीआरडीओ–एमओई सहयोगी कार्यक्रम शुरू किया गया था। इस सहयोगी कार्यक्रम के तहत, 39 पीएचडी छात्रों ने पहले ही रक्षा प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में आईआईटी और एनआईटी में काम करना शुरू कर दिया है।

अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद द्वारा अनुमोदित विभिन्न संस्थानों में रक्षा प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में एम.टेक और बी.टेक (वैकल्पिक पाठ्यक्रमों में) जारी रखे जा रहे हैं। 40 विश्वविद्यालयों/संस्थानों में रक्षा प्रौद्योगिकी में एमटेक को मंजूरी दी गई है, इनमें से आठ संस्थानों ने पहले ही पाठ्यक्रम शुरू कर दिए हैं।

डीआरडीओ प्रयोगशालाओं में वैतनिक शिक्षुता योजना शुरू की गई है। वर्ष 2022 में, 1,997 प्रशिक्षु राष्ट्रीय शिक्षुता प्रशिक्षण योजना के तहत सभी ट्रेडों में प्रशिक्षण ले रहे हैं और आगे 1,111 प्रशिक्षुओं को शामिल होना बाकी है।

डीआरडीओ प्रयोगशालाओं द्वारा प्रति वर्ष लगभग 8000 बी.टेक/एम.टेक/एमएससी छात्रों को इंटर्नशिप दी जा रही है।

बजट घोषणा

बजट 2022–23 में, डीआरडीओ से संबंधित तीन घोषणाएं की गईं (क) रक्षा अनुसंधान और विकास को उद्योग, स्टार्ट–अप और शिक्षाविदों के लिए रक्षा अनुसंधान और विकास बजट का 25% खोला जाएगा (ख) निजी उद्योग को एसपीवी मॉडल के माध्यम से डीआरडीओ और अन्य संगठनों के सहयोग से सैन्य प्लेटफार्मों और उपकरणों के डिजाइन और विकास को शुरू करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा (ग) परीक्षण और प्रमाणन आवश्यकताओं के व्यापक मुद्दों को पूरा करने के लिए एक स्वतंत्र नोडल अंब्रेला बॉडी स्थापित किया जाएगा इसके अलावा, बजट घोषणाओं पर चर्चा करने के लिए, 25 फरवरी 2022 को एक बजट वेबिनार 'आत्मनिर्भरता इन डिफेंस – कॉल टू एक्शन' आयोजित किया गया। माननीय प्रधानमंत्री ने वेबिनार का उद्घाटन संबोधिन दिया। वेबिनार ब्रेकआउट सत्र में चार विषय शामिल थे, जिनमें से दो विषय डीआरडीओ द्वारा आयोजित किए गए थे। बजट घोषणा को उसकी मौजूदा योजनाओं और प्रस्तावित नई योजनाओं के माध्यम से लागू किया जा रहा है।

सामाजिक आउटरीच

आपदा प्रभावित पर्वतीय क्षेत्रों में स्थित संवेदनशील जल विद्युत स्टेशनों के लिए पूर्व चेतावनी प्रणाली स्थापित करने के लिए विद्युत मंत्रालय के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी), पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए जिसके तहत जम्मू–कश्मीर के बनिहाल टॉप में डॉप्लर मौसम रडार स्थापित किया जाएगा।

लद्दाख के उच्च ऊंचाई वाले ठंडे रेगिस्तान ट्रांस–हिमालयी क्षेत्र में स्थित डीआरडीओ की प्रयोगशाला डिहार ने अगस्त 2022 में 29 वें 'लद्दाखी किसान जवान विज्ञान मेले' का आयोजन किया, जिसमें लद्दाख सेक्टर में तैनात स्थानीय किसानों और सैनिकों के बीच डीआरडीओ द्वारा विकसित नवीनतम कृषि–पशु प्रौद्योगिकियों से संबंधित तकनीकी जानकारी का प्रसार किया गया। 'कृषि–प्रौद्योगिकियों', 'विदेशी सब्जी उत्पादन' और 'सर्दियों के दौरान ग्रीनहाउस खेती' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। डीआरडीओ ने अरुणाचल प्रदेश के तवांग में तीसरे किसान जवान विज्ञान मेले में भी हिस्सा लिया।

चिनाब पुल निर्माण चमत्कारों में से एक है जिसे डीआरडीओ की मदद से विकसित किया गया है जो कि ब्लास्ट–प्रूफ और भूकंप सहिष्णु है।

डीआरडीओ ने आगरा में मानवीय सहायता और आपदा राहत (एचएडीआर) अभ्यास – समन्वय 2022 प्रदर्शनी में हिस्सा लिया। डीआरडीओ की विभिन्न प्रयोगशालाओं द्वारा आपदा राहत प्रबंधन से संबंधित उत्पादों और प्रौद्योगिकियों को प्रदर्शित किया गया।

कई जागरूकता कार्यक्रम सह प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें से कुछ इस प्रकार हैं:–

- द्रास, लद्दाख में सैनिकों के लिए विशेष हिमस्खलन जागरूकता कार्यक्रम
- भारतीय नौसेना के चिकित्सा अधिकारियों के लिए विकिरण दवाओं पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम
- एसपीजी के लिए रासायनिक, जैविक प्रत्युपाय पर प्रशिक्षण।

◆◆◆

भूतपूर्व सैनिकों के पुनर्वास और कल्याण

रक्षा मंत्रालय
MINISTRY OF
DEFENCE

भूतपूर्व सैनिक कल्याण विभाग भूतपूर्व सैनिक और उनके परिवारों के पुनर्वास और कल्याण के कार्य को देखता है।

भूतपूर्व सैनिकों के पुनर्वास और कल्याण

भूतपूर्व सैनिक कल्याण विभाग (डीईएसडब्ल्यू) देश में भूतपूर्व सैनिकों के कल्याण और पुनर्वास के लिए विभिन्न नीतियां और कार्यक्रम बनाता है। विभाग के दो प्रभाग हैं, अर्थात पुनर्वास और पेंशन और इसके 3 संबद्ध कार्यालय हैं नामतः केन्द्रीय सैनिक बोर्ड (केएसबी), महानिदेशालय (पुनर्वास) (डीजीआर) एवं केन्द्रीय संगठन, भूतपूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना (सीओ, ईसीएचएस)।

पेंशन में सुधार

प्रत्येक रैंक और प्रत्येक श्रेणी के लिए संशोधित पेंशन को दर्शाने वाली तालिकाओं के साथ साथ वन रैंक वन पेंशन के कार्यान्वयन से संबंधित विस्तृत सरकारी आदेश और निदेश क्रमशः 04 जनवरी 2023 और 20 जनवरी 2023 को जारी किए गए हैं। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 01 जुलाई, 2019 से वन रैंक वन पेंशन के अंतर्गत सशस्त्र सेना के पेंशनभोगियों/पारिवारिक पेंशनभोगियों के पेंशन में संशोधन के लिए अनुमोदन प्रदान किया था। इससे 25.13 लाख से अधिक (4.52 लाख नए लाभार्थियों सहित) सशस्त्र सेना पेंशनभोगियों/पारिवारिक पेंशनभोगियों को लाभ प्राप्त होगा। संशोधन के कार्यान्वयन के लिए अनुमानित अतिरिक्त वार्षिक व्यय का परिकलन लगभग 8,450 करोड़ रू. 31% मंहगाई राहत दर पर किया गया है।

सरकार ने 04 नवंबर 2022 को रक्षा सेनाओं के जेसीओ/ओआर जिन्होंने स्थायी आमेलन/रोजगार पर केन्द्रीय सार्वजनिक उद्यमों/केन्द्रीय स्वायत्त निकायों/केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में कार्यभार ग्रहण करते है/किए है, को यथानुपात पेंशन के प्रावधान के लाभ को बढ़ाया है। यह लाभ पहले केवल कमीशंड अफसरों को मिलता था। जेसीओ/ओआर जिनको रक्षा सेवा में अर्हक सेवाकाल 10 वर्ष से कम नहीं है वे अभी उपर्युक्त आदेश के जारी होने की तिथि से यथानुपात पेंशन प्राप्त करने के लिए पात्र होंगे। इस पत्र के प्रावधान जेसीओ/ओआर जिनको केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों/ केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (06 मार्च, 1985 को अथवा बाद में) अथवा केन्द्रीय स्वायत्त निकायों (31 मार्च, 1987 को अथवा बाद में) आमेलित/नियुक्त किया गया है, के लिए लागू होंगे।

शिकायत निवारण प्रणाली

भूतपूर्व सैनिक कल्याण विभाग शिकायतों को कम करने, निपटान के समय को कम करने और हमारे भूतपूर्व सैनिकों के साथ संवाद और बातचीत को प्रोत्साहित करने तथा भूतपूर्व सैनिकों की शिकायतों का समाधान करने हेतु राज्य सैनिक बोर्डों (आरएसबी)/जिला सैनिक बोर्डों (जेडएसबी) को संवेदनशील बनाने के लिए संगठित प्रयास करता है। भूतपूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों की पेंशन संबंधी शिकायतों सहित पेंशन संबंधी शिकायतों के शीघ्र निवारण के लिए डिजाइन किया गया एक समर्पित रक्षा पेंशन शिकायत निवारण पोर्टल (https://rakshapension.desw.gov.in) का शुभारंभ 14 जनवरी,2022 को किया गया था। विभाग के पास भूतपूर्व सैनिकों/पेंशनभोगियों की शिकायतों का समाधान करने के लिए एक समर्पित पेंशन शिकायत प्रकोष्ठ है, जिसके माध्यम से बेहतर शिकायत निवारण हुआ है। शिकायतों के निवारण का समग्र प्रतिशत 97% है और इससे संबंधित आंकड़ें pgportal.gov.in में उपलब्ध है। शिकायतों के समाधान के लिए 30 दिनों की पहले से समय अल्प सीमा का सख्त अनुपालन और प्रौद्योगिकी के उपयोग के साथ उपर्युक्त उल्लिखित पहलों के प्रभाव के परिणामरूवरूप 2014 के औसतन निपटान समय 87 दिनों से घटकर 2022 में 30 दिन हो गया है।

कल्याण

राज्यों को वित्तीय सहायताः केएसबी सचिवालय भारत सरकार का सर्वोच्च निकाय है जो युद्ध में शहीद हुए सैनिकों की पत्नियों/विकलांग सैनिकों, भूतपूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों के कल्याण के लिए जिम्मेदार है। राज्य सैनिक बोर्डों/जिला सैनिक बोर्डों (आरएसबी/जेडएसबी) के स्थापना व्ययों के लिए विभाग द्वारा केंद्रीय हिस्से के रूप में राज्यों को वित्तीय सहायता केएसबी के

माध्यम से दी जाती है। विशेष श्रेणी के राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों, अर्थात् अरुणाचल प्रदेश, असम, जम्मू और कश्मीर, लद्दाख, मेघालय, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, सिक्किम, त्रिपुरा, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के संबंध में निधियन पैटर्न 75:25 है, और अन्य राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के मामले में यह 60:40 है। भारत सरकार रक्षा सेवा अनुमान (डीएसई) बजट से सैनिक विश्राम गृहों (एसआरएच) के निर्माण की 50% लागत भी वहन करती है। एसआरएच को राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों द्वारा अपने स्वयं के संसाधनों/निधियों से बनाए रखने की आवश्यकता होती है। राज्यों को केएसबी के माध्यम से केन्द्रीय अंश के रूप में 31 दिसंबर, 2022 तक कुल 114.72 करोड़ रू. वितरित किए गए हैं।

सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोषः सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष (एएफएफडीएफ) का उपयोग भूतपूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों के कल्याण के लिए योजनाएं चलाने के लिए किया जाता है। केएसबी द्वारा निधियों का प्रबंधन किया जाता है और निधि में दान में आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 80जी के तहत छूट हैं। निधि में सेनाओं, कॉरपोरेट, पीएसयू और व्यक्तिगत दानदाताओं से अंशदान शामिल है। निधि की कुल राशि 317.48 करोड़ रुपये है और रक्षा मंत्री भूतपूर्व सैनिक कल्याण निधि (आरएमईडब्ल्यूएफ) योजनाओं के लिए समग्र निधि और एएफएफडीएफ की निधि पर उपार्जित उपयोग योग्य आय का एक हिस्सा निर्धारित किया गया है।

रक्षा मंत्री भूतपूर्व सैनिक कल्याण निधि (आरएमईडब्ल्यूएफ) योजनाएँः भूतपूर्व सैनिक/उनके आश्रितों की पहचान की गई व्यक्तिगत जरूरतों उदाहरण के लिए गरीबी अनुदान, बाल शिक्षा और विवाह अनुदान, चिकित्सा अनुदान आदि के लिए आरएमईडब्ल्यूएफ के तहत एएफएफडीएफ से वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है, वित्त वर्ष 2022–23 (15 दिसंबर, 2022 तक) भूतपूर्व सैनिकों/उनके आश्रितों की सहायता के लिए 28,429 लाभार्थियों के लिए 79.08 करोड़ रू. की वित्तीय सहायता वितरित की गई है। इसके अलावा युद्ध स्मारक छात्रावासों एवं किरकी और मोहाली में लकवाग्रस्त पुनर्वास केन्द्र को वित्तीय सहायता के रूप में 78.79 लाख रू. की धनराशि दी गई है। सभी कल्याण योजनाओं की आवधिक समीक्षा की जा रही है और निम्नलिखित योजनाओं के अंतर्गत अनुदान को बढ़ाया गया हैः–

(क) मोबिलिटी उपकरण अनुदान को 57,000 रू. से 1,00,000/– रू. तक बढ़ाया गया है।

(ख) अनाथ अनुदान को 1000 रू. प्रति माह से 3000 रू. प्रति माह तक बढ़ाया गया है।

गौरव माहः सशस्त्र सेना झंडा दिवस देश भर में हर साल 7 दिसंबर को सशस्त्र सेनाओं द्वारा किए गए बलिदान को याद करने के लिए मनाया जाता है। इस वर्ष 1 दिसंबर से 31 दिसंबर, 2021 तक "गौरव माह" के रूप में मनाए जाने वाले महीने भर के अभियान के दौरान, विभिन्न गतिविधियां जैसे टीवी स्पॉट का प्रसारण, मशहूर हस्तियों/आइकनों के संदेश, प्रिंट/सोशल मीडिया का उपयोग करके झंडे के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करना आदि किया गया।

दिनांक 07 दिसम्बर 2022 को माननीय प्रधान मंत्री को एएफएफडी झण्डा लगाते हुए सचिव केएसबी

दिनांक 07 दिसंबर 2022 को भारत के माननीय राष्ट्रपति को एएफएफडी झण्डा लगाने के दौरान एसबीके अफसरों के साथ सचिव (ईएसडब्ल्यू)

दिनांक 29 नवंबर 2022 को मानेक्शो सेंटर, दिल्ली छावनी में सशस्त्र सेना झण्डा दिवस–सीएसआर सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुए माननीय रक्षा मंत्री

दिनांक 29 नवंबर 2022 को मानेक्शो सेंटर, दिल्ली छावनी में सशस्त्र सेना झण्डा दिवस–सीएसआर सम्मेलन के लिए वेब पोर्टल का लाँच करते हुए माननीय रक्षा मंत्री

सशस्त्र सेना झंडा दिवस निधि के लिए वेबपोर्टल को लाँच करना– माननीय रक्षा मंत्री द्वारा दिनांक 29 नवंबर, 2022 को एएफएफडीएफ के लिए अंशदानों हेतु सरल और समर्पित ऑनलाइन मेकानिज्म मुहैया कराने के लिए सशस्त्र सेना झंडा दिवस निधि के लिए परस्पर क्रियात्मक और उपयोगकर्ता अनुकूल वेबपोर्टल (affdf.gov.in) को लाँच किया गया।

सीएसआर कनक्लेव– मुख्य अंशदायकों को पहचानने तथा उद्योग और कारपोरेट वर्ल्ड से अधिक से अधिक अंशदान करने की अपील करने के लक्ष्य के साथ दिनांक 29 नवंबर, 2022 को मानेकशा केन्द्र, नई दिल्ली में कनक्लेव–सह– बधाई समारोह का आयोजन किया गया। एक विशेष राष्ट्र–व्यापी प्रोत्साहन अभियान– ''वी फोर वेटेरन'' को भी वेटेरन गान के साथ रेडियो एफ एम और सोशियल मीडिया में लाँच किय गया।

प्रधानमंत्री छात्रवृत्ति योजना '(पीएमएमएस): इस योजना के तहत कुल 5500 छात्रवृत्तियां प्रतिवर्ष भूतपूर्व सैनिकों के बच्चों और विधवाओं को राष्ट्रीय रक्षा निधि से प्रदान की जाती हैं, जिसका प्रबंधन प्रधान मंत्री कार्यालय द्वारा किया जाता है। वित्त वर्ष 2022–23 (15 दिसंबर, 2022 तक) के दौरान 11,165 लाभार्थियों को 37.66 करोड़ रुपये वितरित किए गए हैं।

आउटरीच कार्यक्रम: आजादी के अमृत महोत्सव के भाग के रूप में दिनांक 14 जुलाई 2022 को हल्दवानी उत्तराखंड में एक आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किया गया था जहां माननीय रक्षा राज्य मंत्री मुख्य अतिथि थे और क्षेत्र के 1000 से अधिक ईएसएम उपस्थित थे। ''समारोह सरकार के संपूर्ण एप्रोच'' पर अधारित था जिसमें संबद्ध कार्यालयों के साथ–साथ भूतपूर्व सैनिक विभाग द्वारा सेवाएं प्रदान की गई। रक्षा लेखा महानियंत्रक (सीजीडीए), स्थानीय कमान संगठन और राज्य सरकार राज्य सैनिक बोर्ड, जिला सैनिक बोर्ड और जिला प्रशासन द्वारा अपने कार्यों का प्रदर्शन किया गया और स्थानीय क्षेत्रों में रह रहे भूतपूर्व सैनिकों की शिकायतों का समाधान किया गया था।

दिनांक 14 जुलाई 2022 को हल्द्वानी, उत्तराखण्ड में आउटरीच कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए माननीय रक्षा राज्य मंत्री

लाभार्थियों को वित्तीय सहायता चेक का वितरण करते हुए माननीय रक्षा राज्य मंत्री

मेडिकल/डेंटल कॉलेजों में सीटों का आरक्षणः स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने सशस्त्र सेना कार्मिक (सेवारत/ईएसएम) के बच्चों के लिए भारत सरकार द्वारा नामित (एमबीबीएस और बीडीएस) सीटों का कोटा बढ़ा दिया है। पात्र छात्रों को शैक्षणिक वर्ष 2022–23 के लिए केएसबी द्वारा कुल 42 एमबीबीएस और 3 बीडीएस सीटें आवंटित और वितरित की गईं।

केएसबी के गाइड बुक का संशोधन केएसबी की निर्देश पुस्तिका का संशोधनः केएसबी निर्देश पुस्तिका संस्करण का संशोधन किया गया और दिनांक 20 अगस्त, 2022 को इसको लॉंच किया गया जो सभी पूर्व संस्करणों के अद्यतीत पाठों का एकीकरण है। इसमें ज्ञान और विशेष रूप से डिजाइन किया गया उपभोक्ता अनुकूल एपरोच के माध्यम से सभी विशिष्टताओं और पहलुओं की पूरी जानकारी है।

माँ भारती के सपूत पोर्टल का लाँच– आम जनता के लिए सशस्त्र सेना युद्ध हताहत कल्याण निधि (एएफबीसीडब्ल्यूएफ) हेतु अंशदान देने की प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए माननीय रक्षा मंत्री द्वारा दिनांक 14 अक्टूबर, 2022 को वेबपोर्टल ''मां भारती के सपूत'' (एमबीकेएस) को लाँच किया गया था।

पूर्व सैनिक दिवसः सातवीं सशस्त्र सेना पूर्व सैनिक दिवस 14 जनवरी, 2023 को मनाया जाता है। इन समारोहों को स्केल–अप किया गया था और प्रमुख समारोह देहरादून में रक्षा राज्य मंत्री की अध्यक्षता में प्रमुख कार्यक्रम के साथ नौ स्थानों में आयोजित किए गए थे। चेन्नई में पूर्व सैनिक दिवस समारोह की अध्यक्षता रक्षा राज्य मंत्री द्वारा की गई थी। नई दिल्ली, जालंधर, पानागढ़, भुवनेश्वर, मुंबई, झुंझनु और चंडीगढ़ में समारोह मंत्रियों और अन्य पदाधिकारियों द्वारा संपन्न किए गए। सभी राज्य और जिला सिविल प्रशासनों से अधिक नागरिक भागीदारी के साथ पूर्वसैनिक दिवस मनाने का अनुरोध किया गया है। इन समारोहों में सशस्त्र सेनाओं के अफसरों, निकट संबंधियों, पूर्व सैनिकों और विभिन्न भूतपूर्व सैनिक संगठनों के प्रतिनिधियों का सम्मान किया गया था।

स्वच्छता अभियानः स्वच्छता और लंबित मामलों के निपटान के लिए लंबित मामलों को कम करने, कार्यालय परिसरों के समग्र स्वच्छता और कार्यालय स्थान के सक्षम उपयोग पर ध्यान देते हुए 2 से 31, अक्टूबर 2022 तक विशेष अभियान का आयोजन किया गया था। आरएसबी/जेडएसबी स्तर पर शिकायतों की निगरानी और निपटान संदर्भित मामलों की समीक्षा और विशेष आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया था। इसके अलावा स्वच्छता और सफाई के संदेश के साथ दिसंबर 1–15–2022 के स्व्च्छता पखवाड़े का आयोजन भी किया गया था। स्व्च्छता के महत्व के संबंध में जागरूकता पैदा करने के लिए पोस्टर्स और अन्य सूचनात्मक सामग्रियों का व्यापक वितरण किया गया था।

पुनर्वास

पुनर्वास महानिदेशालय (डीजीआर) के लिए पूर्व सैनिकों (ईएसएम), विकलांग सैनिकों, विधवाओं और उनके आश्रितों के पुर्नस्थापन और पुनर्वास अनिवार्य कार्य है। परिचालन और प्रशासनिक कारणों से, लगभग 50,000 से 55,000 सशस्त्र बल के कर्मी प्रति वर्ष सक्रिय सेवा से सेवानिवृत्त/मुक्त होते हैं, उनमें से अधिकांश तुलनात्मक रूप से 35 से 45 वर्ष की आयु वर्ग में होते हैं और उन्हें अपने परिवारों की सहायता करने के लिए 'दूसरे करियर' की आवश्यकता होती है। . इसके लिए, डीजीआर इन ईएसएम/आश्रितों के लिए पुनर्वास योजनाओं का संचालन कर रहा है।

प्री रिलीज/कौशल विकास पाठ्यक्रमः डीजीआर को तीनों सेनाओं के सेवानिवृत्त हो रहे/सेवानिवृत्त सशस्त्र बल कर्मियों के लिए पुनर्वास प्रशिक्षण/कौशल विकास पाठ्यक्रम आयोजित करने और संचालित करने का अधिकार है। इन पाठ्यक्रमों का उद्देश्य सिविल/कारपोरेट क्षेत्र में उनकी रोजगार क्षमता को बढ़ाना है।

अफसरों के लिए प्री–रिलीज पाठ्यक्रमः अफसरों के लिए आईआईएम/सामान्य प्रमुख प्रबंधन संस्थाओं पर पाठ्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। इन पाठ्यक्रमों की अवधि 02 सप्ताह से 24 सप्ताह तक होती है। अफसरों के पाठ्यक्रमों के लिए फीस का सरकार और स्वयं अफसरों द्वारा 60:40 के अनुपात में साझा किया जाता है। नई संस्थाओं को सूचीबद्ध करके और पाठ्यक्रमों जो उद्योग की आवश्यकता और ईएसएम की आकांक्षाओं को पूरा करते हैं, का सृजन करके पाठ्यक्रमों के कार्यक्षेत्र और रीच को विस्तृत करने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

भारतीय नौसेना और भारतीय वायुसेना में जेसीओ/ओआर और उनके समकक्षों के लिए कौशल विकास पाठ्यक्रमः भारतीय नौसेना और भारतीय वायुसेना में जेसीओ/ओआर और उनके समकक्षों के लिए विभिन्न सरकारी संस्थानों में अखिल भारतीय स्तर पर कौशल विकास और उद्यमिता विकास पाठ्यक्रम आयोजित किए जाते हैं जिनकी अधिकतम अवधि एक वर्ष की होती है। इन पाठ्यक्रमों के पाठ्यक्रम शुल्क से संबंधित समस्त व्यय का वहन भारत सरकार/रक्षा मंत्रालय द्वारा किया जाता है।

पुनः स्थापन परियोजनाः पुनः स्थापन परियोजना की अवधारणा और शुरूआत सिविल रोजगार बाजार में ईएसएम के लिए रोजगार अवसरों में वृद्धि के लिए की गई थी। चरण–I को पहले ही पूरा कर लिया गया है और मानव संसाधन की क्षमता प्रबंधन को भारतीय सशस्त्रबलों में शामिल कर लिया गया है। चरण–II प्रक्रियाधीन है और इसमें सिविल क्षेत्र नियोज्यता पर बृहद अध्ययन और कौशल अंतर विश्लेषण शामिल है। चरण–III को चरण–II के पूरा होने पर पूरा किया जाएगा और पहचान किए गए कौशलस्तर को कम करने के लिए कौशल विकास पाठ्ग्रम को रि–डिजाइन किया जाएगा। इसके सफलतापूर्वक पूरा होने पर यह परियोजना ईएसएम को सरकारी और कारपोरेट क्षेत्र में बेहतर रोजगार अवसरों का मार्ग प्रशस्त करेगा।

वित्तीय वर्ष 2022–23 के दौरान प्रशिक्षणः मौजूदा वित्तीय वर्ष 2022–23 के दौरान कुल 308 पाठ्यक्रमों (30 आफिसर्स पाठ्यक्रमों सहित) का आयोजन किया गया।

ईएसएम के लिए केन्द्र सरकार में रोजगार अवसरः केन्द्र सरकार ने ईएसएम के पुनर्वास के लिए सरकारी नौकरियों में निम्नलिखित आरक्षण कोटा प्रदान किया है। कुछ समूह 'घ' पदों का समूह 'ग' में और कुछ समूह 'ग' पदों का समूह 'ख' में मिलाने/उन्नयन करने के कारण ईएसएम आरक्षण कोटे को बुद्धिसंगत बनाने के मामले को उठाया गया है।

(क) सभी अर्धसैन्य बलों (सीएपीएफ) में सहायक कमाडेंट के स्तर तक पदों रिक्तियों का 10%।

(ख) केन्द्र सरकार के विभागों में समूह 'ग' सीधी भर्ती पदों की रिक्तियों का 10% और समूह 'घ' सीधी भर्ती पदों की रिक्तियों का 20%।

(ग) केन्द्र सरकार के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में समूह 'ग' पदों में 14.5% रिक्तियां और समूह 'घ' पदों में 24.5% रिक्तियों (दिव्यांग भूतपूर्व सैनिक/सैन्य कार्रवाई के दौरान मारे गए सैनिकों के आश्रितों के लिए 4.5% सहित) आरक्षित है।

(घ) सार्वजनिक क्षेत्र बैंकों में समूह 'ग' पदों में 14.5% रिक्तियां और समूह 'घ' पदों में 24.5% रिक्तियों (दिव्यांग भूतपूर्व सैनिक/सैन्य कार्रवाई के दौरान मारे गए सैनिकों के आश्रितों के लिए 4.5% सहित) आरक्षित है।

(ङ) रक्षा सुरक्षा कोर (डीएससी) में 100%

ईएसएम को रोजगार के लिए प्रायोजित किया गयाः– विभिन्न संस्थानों (सरकारी/निजी/पीएसयू) को कुल 7919 (1 जनवरी से 15 दिसंबर 2022 तक) भूतपूर्व सैनिकों को डीजीआर और आरएसबी/जेडएसबी के माध्यम से स्थायी/संविदात्मक नौकरियों के (स्वरोजगार योजनाओं को छोड़कर) लिए प्रायोजित किया गया।

डीजीआर सुरक्षा एजेंसी योजनाः यह डीजीआर की एक फ्लैगशिप योजना है जो भूतपूर्व सैनिकों को अधिकतम रोजगार प्रदान करती है। भूतपूर्व सैनिक (अधिकारी) इस योजना के मालिक होते हैं और जेसीओ/ओआर और भारतीय नौसेना/भारतीय वयुसेना में और उनके समकक्ष सुरक्षा पर्यवेक्षक/गार्ड के रूप में होते हैं। वर्ष के दौरान कुल 732 सुरक्षा एजेंसियों को पैनलबद्ध किया गया है और इस योजना के तहत 32,240 ईएसएम को रोजगार प्रदान किया गया था।

स्वरोजगार के लिए योजनाएं

डीजीआर के माध्यम से रोजगार अवसरः डीजीआर सेवानिवृत्त् अफसरों, जेसीओ/ओआर और भारतीय वायुसेना/सेना में उनके समकक्षों, निःशक्त सैनिक, विधवाओं और उनके आश्रितों के लिए रोजगार और कल्याण हेतु पुनर्वास योजनाएं चलाती हैं। वर्ष 2022 में चलाई गई महत्वपूर्ण योजनाएं और उनका लाभ लेने वाले लाभार्थियों की संख्या निम्न तालिका में दी गई हैः–

क्र. सं.	योजना	लाभार्थियों की संख्या
(क)	मदर डेयरी मिल्क बूथ और फल एवं सब्जी (सफल) शॉप	835
(ख)	ईएसएम (अफसर) द्वारा दिल्ली/एनसीआर और पुणे में सीएनजी स्टेशन का प्रबंधन	37
(ग)	8% आरक्षण कोटा के एवज में एलपीजी/रिटेल आउटलेट (पेट्रोल/डीजल) के आबंटन के लिए डीजीआर पात्रता का प्रमाणपत्र जारी करना	01
(घ)	कंपनी स्वामित्व के कंपनी द्वारा संचालित (सीओसीओ) रिटेल आउटलेट का प्रबंधन	45

भूतपूर्व सैनिक रोजगार मेले: डीजीआर ने बंगाल चैम्बर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्री के साथ मिलकर कोलकाता में 09 दिसंबर, 2022 को ईएसएम जॉब मीट का आयोजन किया था। 12 कंपनियों ने मीट में भाग लिया और ईएसएम को प्लेसमेंट प्रदान की। 750 से अधिक ईएसएम ने जॉब मीट में भाग लिया।

राज्य भूतपूर्व सैनिक नियमों को पैनलबद्ध करना: महाराष्ट्र भूतपूर्व सैनिक निगम लिमिटेड (एमईएससीओ), राजस्थान भूतपूर्व सैनिक निगम लिमिटेड(आरईएक्ससीओ) और हिमाचल भूतपूर्व सैनिक निगम लिमिटेड (एचआईएमपीईएससीओ) और उत्तरप्रदेश पूर्व सैनिक कल्याण निगम लिमिटेड (यूपीपीएसकेएनएल), पंजाब भूतपूर्व सैनिक निगम लिमिटेड (पीईएससीओ) और उत्तराखंड पूर्व सैनिक कल्याण निगम लिमिटेड (यूपीएसकेएनएल), नाम के दो और ईएसएम निगमों को डीजीआर द्वारा पैनलबद्ध किया गया है। यह उन्हें उनके पैतृक राज्य में साथ ही अन्य राज्यों में जिनके स्वयं के ईएसएम निगम नहीं है, के गार्डस के प्रावधान के लिए एक सुरक्षा एजेंसी के रूप में प्रायोजित किए जाने के लिए अर्हक बना देगा।

हेल्थकेयर

भूतपूर्व अंशदायी स्वास्थ्य योजना (ईसीएचएस) को 1 अप्रैल, 2003 को शुरू किया था। ईसीएचएस का लक्ष्य पूरे देश में फैले ईसीएचएस पॉलिक्लीनिक, सेना चिकित्सा सुविधाओं और सिविल पैनलबद्ध/सरकारी अस्पतालों के नेटवर्क के माध्यम से भूतपूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों को गुणवत्तापरक चिकित्सा सुविधा प्रदान करना है। इस योजना का गठन केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना (सीजीएचएस) की तर्ज पर किया गया है और यह भारत सरकार द्वारा वित्तपोषित है। इसका उद्देश्य जहां तक संभव हो, पैनलबद्ध अस्पतालों के उपयोग द्वारा भूतपूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों के लिए कैशलैस इलाज सुनिश्चित करना है। इस योजना के कुल लाभार्थियों की संख्या 55 लाख है। यह योजना नेपाल में 6 पॉलिक्नीलिक्स के साथ गोरखा निवासियों को भी मुहैया कराई गई है।

ईसीएचएस पॉलिक्लीनिक का निर्माण: आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर सरकार ने ऐसे स्थान जहां भी भूमि पहले ही मौजूद है के लिए 75 टाईप सी और टाईप डी पॉलीक्लीनिक्स के निर्माण के लिए सैद्धांतिक अनुमोदन दिया है।

हास्पिटलों को पैनलबद्ध करना: वर्तमान में कुल 3097 हास्पिटल ईसीएचएस के अंर्तगत पैनलबद्ध है। गुणवत्तापरक हास्पिटल को पैनलबद्ध करने के उद्देश्य से मुम्बई, विशाखापटनम, वाराणसी, गुवाहाटी और संगरूर में टाटा मेमोरियल हास्पिटल (टीएमएच) का पैनलबद्ध करने के कार्य को पूरा कर लिया गया है। सरकारी चिकित्सा कालेजों और हास्पिटल/सरकारी आयुष हास्पिटल को पैनलबद्ध करने के लिए समझौता ज्ञापन भी किया गया है।

वीडियो परामर्श: सेहत ओपीडी प्लेटफार्म जिसे माननीय रक्षामंत्री द्वारा सेवारत और सेवानिवृत्त कार्मिकों के लिए एक परामर्श प्लेटफार्म के रूप में शुरू किया गया था को अब ईसीएचएस डेटाबेस और साफ्टवेयर के साथ जोड़ा जा रहा है ताकि ईसीएचएस लाभार्थियों को घर बैठे निर्बाध सेवाएं और परामर्श मुहैया कराया जा सके। इसका एकीकरण प्रगति में है।

ईसीएचएस प्रबंधन प्रणाली: एक आई टी परामर्शदाता दल की नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू की गई है ताकि ईसीएचएस प्रबंधन प्रणाली का निर्माण और एक समर्पित सेवा प्रदाता के माध्यम से सेवाओं का कार्यान्वयन सुनिश्चित किया जा सके।

उपलब्ध नहीं (एनए) दवाईयों की खरीद के लिए मासिक मौद्रिक सीमा को बढ़ाना: सरकार द्वारा 30 जून, 2022 को प्राधिकृत स्थानीय केमिस्ट के माध्यम से उपलब्ध नहीं (एनए), आकस्मिक, जीवन रक्षक और आवश्यक दवाईयों की खरीद की। मासिक मौद्रिक सीमा को पॉलिक्लीनिक्स की सभी श्रेणियों में बढ़ाकर 100% कर दिया गया है। यह ईसीएचएस लाभार्थियों के लिए आसान और समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करेगा। (टाइप ए और बी 2.5 लाख से 5 लाख, टाईप सी 1.5 लाख से 3 लाख, टाईप घ 1 लाख से 2 लाख)

हास्पिटल स्टोपेज रोल्स (एचएसआर) की पूर्ण प्रतिपूर्ति: सरकार ने 14 दिसंबर, 2022 को ईसीएचएस लाभार्थियों द्वारा सैन्य/सशस्त्र सेना हास्पिटल में कराए गए इलाज के लिए एचएसआर शुल्क की पूर्ण प्रतिपूर्ति को अनुमोदित किया था। आश्रित भाई/बहन, अविवाहित बहनें और दिव्यांग बच्चे जिन्हें सैन्य हास्पिटलों में इलाज के लिए अपात्र घोषित कर दिया गया था को एचएसआर शुल्क का भुगतान करना होगा। हालांकि ईसीएचएस के तहत प्रथम लाभार्थी और उसके आश्रित कैशलैस इलाज के लिए पात्र हैं। उपरोक्त नीति को मंजूर करके उपरोक्त विसंगति को दूर कर दिया गया है।

सार–संग्रह: भूतपूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों के मध्य व्यापक प्रसार के लिए ईसीएचएस पर भारत सरकार के पत्रों के सार–संग्रह–। और केन्द्रीय संगठन ईसीएचएस के सार–संग्रह–।। को जारी कर दिया गया था।

◆◆◆

महिलाओं का सशक्तीकरण और कल्याण

- वर्तमान में भारतीय वायुसेना में कुल 1648 महिला अफसर सेवाएं दे रही हैं। भारतीय सेना में महिला अफसरों की संख्या 6993 और भारतीय नौसेना में 748 है।

- **अग्निवीरों के तौर पर महिलाएं:** अग्निपथ योजना के तहत भारतीय सेना में 100 महिला सैनिकों को शामिल किया गया है और अग्निपथ योजना के लिए भर्ती वर्ष 2022–23 और 2023–24 हरेक वर्ष में 100 रिक्तियों की व्यवस्था की गई है। अग्निपथ योजना के हिस्से के रूप में भारतीय नौसेना में पहले बैच से ही महिलाओं को अग्निवीरों के रूप में शामिल किया गया है। इसके अलावा, भारतीय वायुसेना ने जुलाई, 2023 से शुरू होने वाले बैच में महिला अग्निवीर वायु की भर्ती के लिए भी आवेदन आमंत्रित किए हैं।

- **सैनिक स्कूलों में छात्र कैडेटों की भर्ती:** माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस 2021 के अपने संबोधन में घोषणा की कि सभी सैनिक स्कूलों को बालिकाओं के लिए खोला जाएगा सभी सैनिक स्कूलों ने अब बालिकाओं को प्रवेश देना शुरू कर दिया है और सभी 33 सैनिक स्कूलों ने लगभग 350 बालिकाओं को प्रवेश दिया जा चुका है। सैनिक स्कूलों का पूर्ण रूप से बालक विद्यालय से सहशिक्षा विद्यालय के रूप में बदलाव आगे बालक और बालिका के व्यक्तित्व विकास को बल देगा। इस कदम को राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में महिलाओं के प्रवेश के लिए प्रथम कदम के रूप में देखा जा सकता है।

- **एनसीसी में बालिका छात्रों का नामांकन:** एनसीसी में नामांकन में समानता लाने के लिए बालिका नामांकन बढ़ाने के लिए ऐतिहासिक बदलाव किए हैं। परिणामस्वरूप बालिका कैडेट नामांकन 2013–14 के 25.4% की तुलना में 2023 में बढ़कर 37% हो गया है।

- **एनडीए में महिला कैडेटों का प्रवेश:** 19 महिला कैडेटों (सेना के लिए 10, नौसेना के लिए 3 और वायुसेना के लिए 6) को शरतकाल 2022 के लिए एनडीए में प्रशिक्षण के लिए शामिल किया गया है जो जुलाई 2022 से शुरू हुआ जिसमें प्रत्येक 6 माह में 19 महिला कैडेट अकादमी में शामिल होंगी।

राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में शामिल पहली 19 महिला कैडेटस

- **भारतीय सेना द्वारा स्पोर्ट्स में मेधावी सात महिलाओं की नियुक्तिः** 'नारी शक्ति' को प्रोत्साहित करने के लिए भारतीय सेना के प्रयासों पर प्रमुख रूप से बल देते हुए भारतीय सेना ने अपने मिशन ओलंपिक कार्यक्रम के तहत सीधी भर्ती हवलदार और सैनिक सामान्य डयूटी (सिपाही) के रूप में सैन्य पुलिस कोर में स्पोर्टस में मेधावी सात महिलाओं की नियुक्ति की है। रंगरूट हवलदार जास्मिन ने वर्ष 2022 में कामन वेल्थ गेम्स (सीडब्ल्यूजी) में 60 कि.ग्रा. बाक्सिंग में कांस्य पदक प्राप्त किया। रंगरुट हवलदार साक्षी (बाक्सिग), रंगरूट हवलदार अरुंधती चौधरी (बाक्सिग), रंगरुट हवलदार भतेरी (कुश्ती) और रंगरुट हवलदारी (प्रियंका) (कुश्ती) ने भोपाल में आयोजित छठी एलिट राष्ट्रीय महिला बाक्सिंग चैम्पियनशिप 2022 (दिनांक 19 से 26 दिसंबर 2022) और विशाखापटनम में आयोजित वरिष्ठ राष्ट्रीय कुश्ती चैम्पियनशिप (21 दिसंबर से 23 दिसंबर 2022) में भाग लेकर बाक्सिग और कुश्ती में राष्ट्रीय चैम्पियनशिप की महिला श्रेणी में भारतीय सेना का प्रतिनिधित्व करके पथप्रदर्शक की भूमिका निभाते हुए इतिहास रचा।

- रक्षा उत्पादन विभाग डीडीपी के तहत आने वाले डीपीएसयू में 2700 महिला कार्मिक (अधिकारी एवं कार्मिक दोनों) कार्य कर रही हैं। भर्ती, करियर में प्रगति, ज्ञान अर्जन एवं विकास, कल्याणकारी उपाय आदि में महिलाओं को समान अवसर प्रदान किए जाते हैं।

- **यूएन मिशन** भारतीय सेना विदेशों में रक्षा सहयोग कार्यकलापों में महिला सैनिकों की भागीदारी को बढ़ावा दे रही हैं। भारतीय सेना ने अबेयी, यूएनआईएसएफए में संयुक्त राष्ट्र मिशन में महिला शांति सेना की सबसे बड़ी सैन्य टुकड़ी तैनात की है। भारतीय सेना से यूएन मिशनों में स्टाफ आफिसरों (एसओ)/सैन्य पर्यवेक्षकों (एमआईएलओबी) के रूप में 22% कार्मिक महिलाएं हैं। भारतीय सेना में महिलाओं की भर्ती में वृद्धि के साथ यूएन सैन्य टुकडियों के समानुपात और अन्य कार्यकलापों में महिलाओं की इनटेक में आगे वृद्धि होने की संभावना है।

यूएन मिशन में शामिल होने के लिए महिला सैन्य टुकड़ी सूडान के अबये की उड़ान भरने से पहले

- **कैरियर में प्रगतिः** कैरियर में प्रगति के लिए समरूप प्लेटफार्म सुनिश्चित करने के क्रम में महिला अधिकारियों को सितंबर, 2022 में रक्षा सेना स्टाफ पाठ्यक्रम और रक्षा तकनीकी स्टाफ पाठ्यक्रम के लिए प्रतियोगी परीक्षा में भाग लेने की अनुमति आयोजित की गई थी। इस परीक्षा में भाग लेने वाली 22 महिला अधिकारियों में से 6 ने परीक्षा उत्तीर्ण की है और जून 2023 से अप्रैल 2024 तक संबंधित पाठ्यक्रमों में भाग लेंगी।

Z3314

T-90 (BHISHMA

Designed & Printed by **CURRENT**